समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अगस्त २०२६ • वर्ष ७७ • अंक ०८
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

७९वें स्वतंत्रता दिवस की वर्षगाँठ के अवसर पर केंद्रीय कार्यालय के प्रांगण में ध्वजारोहण करते हुए नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ। चित्र में परिलक्षित हैं- राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गिरधारी लाल गोयनका, राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाश पति तोदी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री अनिल कुमार मलावत, कवि श्री जय कुमार रुसवा, श्री संदीप सेक्सरिया, श्री सज्जन बेरीवाल, श्री महेश पटवारी, श्री बाबू लाल बंका, श्री राज कुमार अग्रवाल, श्री पियूष क्याल, श्री बिश्वनाथ भुवालका, श्री बिनोद कुमार लिहला, श्री राजेंद्र राजा, श्री जुगल किशोर जाजोदिया, श्री अरुण गाड़ोदिया, श्री शंकर लाल कारीवाल, श्री राजेंद्र कलानी, श्री सीताराम अग्रवाल, श्रीमती शिला कलानी, श्री ऋषभ मित्तल एवं अन्य उपस्थित थे।

नव निर्वाचित अध्यक्षों को बधाई!

महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

श्री महेश बंग

तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

श्री गोविंद राठी

कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

श्री शिव कुमार टेकड़ीवाल

इस अंक में

संपादकीय
- सनातन धर्म की रक्षा कैसे हो?

रपट
- बंगाल के मुख्यमंत्री का नागरिक अभिनंदन समारोह
- राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक
- वैवाहिक परिकोष्ठ उपसमिति की बैठक, संगोष्ठी
- ८०वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह

अध्यक्षीय
- समाज विकास से राष्ट्र निर्माण तक- हमारी जिम्मेदारी

प्रांतीय समाचार
- महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, पूर्वोत्तर, उत्कल, बिहार, गुजरात, झारखंड, छत्तीसगढ़

विशेष पेज-२३

संस्कार-संस्कृति चेतना
- श्रावण मास की महिमा
- सर्वप्रथम किसने बाँधी राखी?
- गुस्से की दवा, ॐ का रहस्य
- जब भगवान ने बनाई स्त्री
- प्रेम एहसास और अपनापन

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
MDF-The **wood** of the future
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.
Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088
For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on 1800 5722 122

समाज विकास

◆ अगस्त २०२६ ◆ वर्ष ७७ ◆ अंक ८

◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **चिट्ठी आई है**	३
● **संपादकीय :** सनातन धर्म की रक्षा कैसे हो?	५
● **अध्यक्षीय :** समाज विकास से राष्ट्र निर्माण तक–हमारी जिम्मेदारी	६
● **सम्मेलन समाचार एवं रपट**	
बंगाल के मुख्यमंत्री का नागरिक अभिनंदन समारोह	७
राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक	८-१०
वैवाहिक परिकोष्ठ एवं पारिवारिक रिश्ते उपसमिति की बैठक	१३
संगोष्ठी	१४
८०वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह	१५-१६
लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला से भेंट	
राष्ट्रीय अध्यक्ष का ऊपरी असम का दौरा	१८-२०
विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना**	
श्रावण मास की महिमा	२३-२६
सर्वप्रथम किसने बांधी राखी?	
गुस्से की दवा, ॐ का रहस्य	
जब भगवान ने बनाई स्त्री,	
प्रेम एहसास और अपनापन	
● **प्रांतीय समाचार**	२१,२७-३६,३९-४३
महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, पूर्वोत्तर, उत्कल, बिहार, गुजरात, झारखंड, छत्तीसगढ़	
● **आलेख :** मैं जिस मारवाड़ी समाज को जानता हूँ – **डॉ. लक्ष्मीनंदन बोरा**	४४
● नए सदस्यों का स्वागत	४५-४६

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

आपका सारगर्भित आलेख शिक्षा का पतन राष्ट्र का पतन है। आंकड़ों एवं तथ्यों पर आधारित है। आलेख से स्पष्ट है कि शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र पर सरकार वांछित ध्यान नहीं दे रही है। फलस्वरूप स्कूलों से लेकर उच्च शिक्षण संस्थानों तक शिक्षकों की भयंकर कमी है।

नीट पेपर लीक मामले में छात्र आंदोलन से स्पष्ट है कि राष्ट्र के पतन को बचाने हेतु अभी के समय में जितना महत्व शिक्षा का है उससे ज्यादा महत्व संस्कारपूर्ण शिक्षा का है।

छात्र आन्दोलन में छात्र खासकर छात्राओं की कुछ बेहुदी हरकतों ने यह सोचने को मजबूर कर दिया है कि बच्चों को भले ही शिक्षा कम मिले लेकिन संस्कार भरपूर मिले।

– **डॉ. पवन पोद्दार**, पूर्व कुलपति
बिनोद बिहारी महतो कोयलाचंल विश्वविद्यालय, धनबाद
एवं बिनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग

"शिक्षा का पतन, राष्ट्र का पतन" विषय पर आदरणीय शिव कुमार लोहिया जी का लेख अत्यंत विचारोत्तेजक और समयानुकूल है। लेख में सरकारी विद्यालयों की घटती संख्या, शिक्षा की गुणवत्ता में गिरावट, पेपर लीक, नकल की बढ़ती प्रवृत्ति तथा शिक्षा के बढ़ते व्यावसायीकरण जैसे गंभीर मुद्दों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

मेरे विचार से किसी भी राष्ट्र की वास्तविक ताकत उसकी सेना या अर्थव्यवस्था से पहले उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। यदि विद्यालयों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैतिक संस्कार और ईमानदारी नहीं होगी, तो भविष्य में योग्य डॉक्टर, इंजीनियर, न्यायाधीश, शिक्षक और प्रशासक तैयार नहीं हो पाएँगे। इसका सीधा प्रभाव देश के विकास पर पड़ेगा।

आज आवश्यकता केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि: सरकारी विद्यालयों में उत्कृष्ट शिक्षकों की नियुक्ति और उनकी जवाबदेही सुनिश्चित करने की है। परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी एवं तकनीक आधारित बनाकर पेपर लीक और नकल पर कठोर नियंत्रण करने की है।

बच्चों में केवल अंक प्राप्त करने की दौड़ नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों और कौशल विकास पर भी समान बल देने की है। शिक्षा को व्यवसाय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सर्वोच्च माध्यम मानने की है।

लेख का यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है कि "शिक्षा का पतन केवल विद्यार्थियों का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के भविष्य का पतन है।" यदि आज शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं दी गई, तो विकसित भारत का सपना अधूरा रह जाएगा।

आदरणीय शिव कुमार लोहिया जी को इस महत्वपूर्ण विषय पर समाज का ध्यान आकर्षित करने हेतु हार्दिक साधुवाद।

– **मनीष बाजोरिया**, सूरत

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

प्री-वेडिंग शूट

हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

राजस्थान के विश्वविद्यालयो में राजस्थानी भाषा अध्ययन केन्द्र स्थापना के निर्देश

सचिव
मानननीय राज्यपाल, राजस्थान

सत्यमेव जयते

लोक भवन, जयपुर - 302 006
राजस्थान,
फोन : +91-141-2228792
फोन : +91-141-2221156

क्रमांकः एक 1(A)(1) आरवी / 2026 / 4360
दिनांकः 28 जुलाई, 2026

कुलगुरुगण,

१. राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
२. जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर।
३. मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर।
४. महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर।
५. कोटा विश्वविद्यालय, कोटा।
६. महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।
७. वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा।
८. गोविन्द गरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा।
९. पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावटी विश्वविद्यालय, सीकर।
१०. महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर।
११. राजऋर्षि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, जलवर।

महोदय / महोदया,

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय द्वारा राज्य के राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में 'शास्त्रीय मराठी भाषा अध्ययन केन्द्र' स्थापित करने की पहल की गई है। राजस्थानी भाषा राजस्थान के बड़े भू-भाग पर बोली जाने वाली प्रमुख भाषा है और यहॉं की संस्कृति का भी प्रतिनिधित्व करती है। इसी आलोक में प्रदेश के प्रमुख विश्वविद्यालयों में 'राजस्थानी भाषा अध्ययन केन्द्र' स्थापित किये जाने है। केन्द्र सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति में भी मातृ भाषा में अध्ययन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। अतः राज्य के प्रमुख विश्वविद्यालयों में 'राजस्थानी भाषा अध्ययन केन्द्र' स्थापित किये जाने की कार्यवाही प्रारम्भ करने के निर्देश प्रदान किये गये है।

उपरोक्त क्रम में निर्देशानुसार आपके विश्वविद्यालय में 'राजस्थानी भाषा अध्ययन केन्द्र' स्थापित करने की कार्यवाही अविलम्ब प्रारम्भ करावें तथा की गई कार्यवाही से इस सचिवालय को अवगत करवाया जाना सुनिश्चित करावें, ताकि माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय को अवगत कराया जा सकें।

भवदीय,

(डॉ. पृथ्वी)

सनातन धर्म की रक्षा कैसे हो?

सनातन धर्म के विषय में कई भ्रांतियां हैं, जिसके कारण हम हिंदू धर्म को ही सनातन धर्म समझने की भूल कर लेते हैं। हिंदू धर्म वैदिक ज्ञान का अनुसरण करती है। इसलिए सनातन से उसकी नजदीकी हो सकती है लेकिन वह सनातन नहीं है। कुछ इतिहासकारों का मत है कि सनातन धर्म सिंधु घाटी सभ्यता से भी पहले की है। वेदांत, उपनिषद, पुराण, रामायण, महाभारत की रचना के पहले से लोग इस धर्म का पालन करते हैं। सनातन धर्म कोई मनुष्य निर्मित व्यवस्था नहीं है, बल्कि स्वयं ब्रह्म से प्रकट स्वयं ज्ञान का स्वरूप है।

एक सुभाषित में कहा गया है - **सत ज्ञानं तनोति विस्तार यति इति सनातनः** अर्थात - जो शाश्वत हो, चिरस्थाई हो, निरंतर ज्ञान का विस्तार करें वही सनातन है। सनातन का शाब्दिक अर्थ है– अनादि, अनंत, शाश्वत। सनातन का तात्पर्य है - **शाश्वतं दृढ स्थिरम एष धर्म सनातनः**। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा है -

ममैवांशो जीवलोके जीवभूतः सनातनः।
मनःषष्ठानीन्द्रियाणि प्रकृतिस्थानि कर्षति।। १५.७ ।।

अर्थात यह जीव जो संसार में है मेरा ही सनातन अंश है किंतु जब वह मन और पांच इंद्रियों के साथ प्रकृति (शरीर /संसार) से जुड़ जाता है वह असंख्य आकर्षणों और संघर्षो से घिर जाता है। एक अन्य श्लोक में उन्होंने कहा है -

नहि वैरेण वैराणि शाम्यन्तीह कदाचन।
अवैरेण हि शाम्यन्ति एष धर्मः सनातनः।। ७।।

अर्थात शत्रुता कभी भी शत्रुता से शांत नहीं होती, यह प्रेम भाव से ही शांत होती है। यही सत्य है और शाश्वत सनातन धर्म है।

एक अन्य श्लोक (२.२४) में उन्होंने कहा है -

अच्छेद्योऽयमदाह्योऽयमक्लेद्योऽशोष्य एव च।
नित्यः सर्वगतः स्थाणुरचलोऽयं सनातनः।।

अर्थात- यह आत्मा शाश्वत सर्वव्यापी अविनाशी तथा सनातन है।

एक सुभाषित में कहा गया है-

सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात्, न ब्रूयात् सत्यम्प्रियम्।
प्रियं च नानृतं ब्रूयाद्, एष धर्मः सनातनः।।

अर्थात सत्य बोलना चाहिए प्रिय बोलना चाहिए, सत्य किंतु अप्रिय नहीं बोलना चाहिए। प्रिय किंतु असत्य नहीं बोलना चाहिए। यही सनातन धर्म है।

इस प्रकार मोटा-मोटी यह हम समझ सकते हैं कि सनातन धर्म का मूल तत्व है -

सत्य ही सनातन है, आत्मा ही सनातन है
ईश्वर ही सनातन है, मोक्ष ही सनातन है।

सद्गुरु जग्गी वासुदेव सनातन धर्म को कोई बंदिश, मत या धर्म नहीं बल्कि जीवन का शाश्वत नियम और जीने का एक वैज्ञानिक पद्धति मानते हैं। यह वह मूल सिद्धांत है जिसके आधार पर संपूर्ण सृष्टि और जीवन काम करता है। यह बाहरी बोए गए विश्वासों के बजाय आंतरिक रूप से जीवन को अनुभव करने की एक पद्धति है। एक अन्य सुभाषित में कहा गया है -

अद्रोहः सर्व भूतेषु कर्मणा मानस गिर
अनुग्रहश्च दानम च सततं धर्म सनातनः।

अर्थात मन वचन कर्म से किसी जीव के प्रति द्वेष या कपट न रखना (द्रोह) सब पर कृपा (अनुग्रह) करना और दान देना यही सदैव सनातन धर्म है।

सनातन धर्म की पूरी प्रक्रिया आपके भीतर प्रश्नों को खड़ा करने के लिए ही है। इसके विपरीत आज वस्तु स्थिति यह है कि लोगों के भीतर जिज्ञासा खत्म हो रही है क्योंकि उन पर विश्वास और मत थोपे जा रहे हैं। डर, अपराध बोध और पसंद का व्यवहार करने के फल स्वरुप मनुष्य के भीतर जिज्ञासा स्वयं ही क्षीण होता जा रहा है। सनातन धर्म जिज्ञासा के साथ-साथ सत्य की खोज में भी विश्वास करता है। आप पूछते हैं- मैं कौन हूं? सनातन दर्शन के अनुसार आप एक जिज्ञासु और आत्मज्ञानी जीव हैं। प्रश्न का जवाब मिलता है -

अहं ब्रह्मास्मि - मैं ही ब्रह्म हूं
तत्व माषि - वह सत्य तुम ही हो

अमृतस्य पुत्राः - आप सब अमर आत्मा के पुत्र हो।

जूनापीठाधीश्वर एवं अर्धमंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज कहते हैं - सनातन धर्म का अनुसरण करें। धर्म केवल धार्मिक अनुष्ठानों एवं वाह्य उपासना का नाम नहीं है, अपितु यह सत्य, करुणा, मर्यादा सदाचार एवं कर्तव्यनिष्ठा एवं जीवन मूल्यों की वह दिव्य व्यवस्था है जो मानव जीवन को संतुलन, अनुशासन और सार्थक दिशा प्रदान करता है। सनातन धर्म मनुष्य के विचारों को पवित्रता एवं आचरण को मर्यादा एवं जीवन को सार्थक मूल्य प्रदान करता है। यह हमें संयम, धैर्य, सत्यनिष्ठा एवं आत्म नियंत्रण का अभ्यास कराता है। धर्म युक्त जीवन केवल मनुष्य को बाहरी सफलता ही नहीं बल्कि आंतरिक शांति, आत्मिक संतोष एवं आध्यात्मिक उन्नति भी प्रदान करता है। जहां धर्म होता है वहां संतुलन, मंगल और सद्भाव स्वतः प्रकट होता है। धर्म ही जीवन का वास्तविक आलोक और मानवता का शाश्वत आधार है।

आजकल कई हल्कों में सुना जाता है कि सनातन धर्म खतरे में है। सनातन धर्म की रक्षा सबको मिलकर करनी है। आज के युग संत वृंदावन वासी प्रेमानंद जी महाराज से जब पूछा गया सनातन की रक्षा कैसे हो? उन्होंने पलट कर जिज्ञासु से कहा कि सनातन की रक्षा करने का भार तो भगवान का है। आप अपने आप में सनातन स्थापित करो। सनातन धर्म के हम ठेकेदार बनने के योग्य नहीं है। पहले हम खुद को सनातन धर्म में स्थित करें। मन में कुछ और, वचन में कुछ और, आचरण में कुछ और -ऐसे हमारे सनातन धर्म का मंगल नहीं होगा। हमारे जो मन में चल रहा है वही वचन में हो, वही आचरण में हो। सनातन हरि है, सनातन वायु है, सनातन आकाश है। सनातन पृथ्वी है, सनातन सच्चिदानंद है। सनातन को आपने क्या समझ लिया है - एक जाति, पक्ष, धर्म का कोना? सनातन पूरे विश्व ब्रह्मांड को अपनी गोद में लिए है। हमारी जिम्मेवारी है कि हम सनातन को धारण करें। एक दूसरे की खिलाफत, एक दूसरे को हानि पहुंचाना यह सब हमारा सनातन नहीं है। सनातन ब्रह्म स्वरुप है।

शिव कुमार लोहिया

समाज विकास से राष्ट्र निर्माण तक–हमारी जिम्मेदारी

पवन कुमार गोयनका
राष्ट्रीय अध्यक्ष

भारत की सांस्कृतिक परंपरा में समाज केवल व्यक्तियों का समूह नहीं, बल्कि संस्कार, सेवा, सहयोग और समर्पण की एक जीवंत व्यवस्था रहा है। जब-जब समाज किसी चुनौती के सामने खड़ा हुआ, तब-तब उसके भीतर से ऐसे नेतृत्व का उदय हुआ, जिसने समय की आवश्यकता को समझते हुए समाज को नई दिशा प्रदान की। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का जन्म भी ऐसी ही ऐतिहासिक आवश्यकता का परिणाम था।

बीसवीं शताब्दी का तीसरा दशक भारतीय इतिहास का अत्यंत महत्वपूर्ण काल था। देश अंग्रेजी शासन की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था और स्वतंत्रता आंदोलन गति पकड़ रहा था। उसी समय मारवाड़ी समाज देश के विभिन्न प्रांतों में व्यापार, उद्योग, शिक्षा और समाजसेवा के माध्यम से अपनी पहचान बना चुका था। लाखों मारवाड़ी परिवार अपनी कर्मभूमि के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे, लेकिन सामाजिक स्तर पर समाज अनेक संगठनों में विभाजित था। आवश्यकता थी एक ऐसे राष्ट्रीय मंच की, जो पूरे समाज की सामूहिक शक्ति और आवाज को एक दिशा दे सके।

वर्ष १९३५ में ब्रिटिश सरकार द्वारा प्रकाशित **श्वेत पत्र** ने मारवाड़ी समाज के नागरिक अधिकारों के सामने गंभीर संकट उत्पन्न कर दिया। विभिन्न प्रांतों में बसे प्रवासी मारवाड़ियों के नागरिक अधिकार सीमित किए जाने का प्रस्ताव था। यदि यह लागू होता, तो लाखों परिवार मतदान सहित अनेक संवैधानिक अधिकारों से वंचित हो सकते थे। यह केवल कानूनी विषय नहीं, बल्कि समाज के सम्मान, सुरक्षा और भविष्य से जुड़ा प्रश्न था।

उस कठिन समय में **स्वर्गीय ईश्वर दास जालान**, **काली प्रसाद खेतान**, **बद्री प्रसाद गोयनका** तथा अनेक समाजनायकों ने परिस्थितियों की गंभीरता को समझा। उन्होंने अनुभव किया कि बिखरी हुई शक्ति प्रभावी नहीं हो सकती। देश के प्रतिष्ठित उद्योगपतियों एवं राष्ट्रसेवियों **सेठ घनश्यामदास बिरला** और **सेठ जमुनालाल बजाज** सहित अनेक राष्ट्रीय नेताओं से संपर्क स्थापित किया गया। व्यापक जनमत तैयार हुआ और समाज के संगठित प्रयासों के परिणामस्वरूप अंग्रेजी शासन को अपने प्रस्ताव में संशोधन करना पड़ा तथा मारवाड़ी समाज के नागरिक अधिकार सुरक्षित रहे।

यह केवल एक कानूनी विजय नहीं थी, बल्कि संगठन की शक्ति की पहली ऐतिहासिक विजय थी। इसी संघर्ष ने एक ऐसे राष्ट्रीय संगठन की आवश्यकता को जन्म दिया, जो केवल संकट के समय समाज की आवाज न बने, बल्कि समाज के सर्वांगीण विकास का आधार बने। इसी उद्देश्य से वर्ष १९३५ में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना हुई।

सम्मेलन का उद्देश्य अधिकारों की रक्षा तक सीमित नहीं था। समाज को संगठित करना, शिक्षा का प्रसार, सामाजिक समरसता, सेवा-परंपरा को मजबूत करना और राष्ट्र निर्माण में समाज की सकारात्मक भूमिका सुनिश्चित करना उसके मूल उद्देश्यों में रहा। लगभग नौ दशकों की यात्रा में सम्मेलन ने सामाजिक सुधार, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, युवा नेतृत्व, चिकित्सा, भाषा एवं संस्कृति संरक्षण, आपदा राहत, रोजगार सहयोग, संस्कार संवर्धन और राष्ट्रीय एकता जैसे अनेक क्षेत्रों में अपनी भूमिका निभाई है।

स्वतंत्रता के बाद हमारी जिम्मेदारी

सन् १९४७ में देश स्वतंत्र हुआ। स्वतंत्रता हमारे लिए केवल राजनीतिक मुक्ति नहीं थी, बल्कि एक नए राष्ट्र के निर्माण की शुरुआत भी थी। स्वतंत्रता सेनानियों ने हमें आजाद भारत सौंपा और अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उस भारत को और अधिक सशक्त, समृद्ध, शिक्षित, सुरक्षित और संस्कारवान बनाएं।

स्वतंत्रता के बाद मारवाड़ी समाज ने उद्योग, व्यापार, शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार सृजन, धर्मार्थ संस्थाओं और सेवा कार्यों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज हमें इसी गौरवशाली परंपरा को नई परिस्थितियों के अनुरूप आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

आज समाज के सामने चुनौतियां बदल गई हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक समरसता, परिवारों में संवाद, पर्यावरण संरक्षण और युवाओं को सकारात्मक दिशा देना हमारे प्रमुख दायित्व हैं। सम्मेलन को इन क्षेत्रों में केवल चर्चा नहीं, बल्कि ठोस और परिणामकारी पहल करनी होगी।

आज हमारे सामने Gen Z और नई युवा पीढ़ी है। यह पीढ़ी तकनीक, डिजिटल माध्यमों और आधुनिक ज्ञान से समृद्ध है। उसके पास दुनिया को देखने और समझने के नए साधन हैं। हमें इस ऊर्जा को समाज और राष्ट्र निर्माण की शक्ति में बदलना होगा।

मैं अपने युवा साथियों से कहना चाहता हूं कि तकनीक आपको शक्ति दे सकती है, लेकिन संस्कार उस शक्ति को सही दिशा देते हैं। सोशल मीडिया पर जुड़ना आसान है, लेकिन समाज से वास्तविक रूप से जुड़ना हमारी जिम्मेदारी है। युवाओं को केवल कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए नहीं, बल्कि संगठन की निर्णय प्रक्रिया, सामाजिक अभियानों, सेवा कार्यों और नेतृत्व की जिम्मेदारियों में सक्रिय भागीदारी का अवसर मिलना चाहिए।

हमें वरिष्ठों के अनुभव और युवाओं की ऊर्जा को एक साथ लाना होगा। मातृशक्ति को नेतृत्व के अधिक अवसर देने होंगे और परिवार को समाज की पहली इकाई के रूप में मजबूत करना होगा। मजबूत परिवार से मजबूत समाज और मजबूत समाज से मजबूत राष्ट्र का निर्माण होता है।

हमारे लिए समाज महत्वपूर्ण है, लेकिन राष्ट्र सर्वोपरि है। जिस भारतभूमि ने हमें पहचान, अवसर और अधिकार दिए हैं, उसके प्रति हमारी जिम्मेदारी सर्वोच्च है। कानून का पालन करना, ईमानदारी से करों का भुगतान करना, मतदान के अधिकार का सदुपयोग करना, सार्वजनिक संपत्ति का सम्मान करना, पर्यावरण की रक्षा करना और जरूरतमंदों

की सहायता करना, हमारे संस्कारों और संस्कृति की रक्षा करना भी राष्ट्रसेवा के महत्वपूर्ण रूप हैं।

सम्मेलन का ध्येय केवल संगठन का विस्तार नहीं, बल्कि ऐसा सशक्त सामाजिक तंत्र बनाना होना चाहिए जिसमें हर परिवार संगठन से जुड़े, हर युवा को अवसर मिले, मातृशक्ति नेतृत्व में आगे आए और प्रत्येक शाखा समाजोपयोगी कार्यों का केंद्र बने।

हाल ही में ऊपरी असम में कई वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ने वाली भीषण बाढ़ ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया और अनेक परिवारों के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया। इस कठिन समय में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए सम्मेलन के सदस्यों से स्वैच्छिक आर्थिक अनुदान की अपील की। सम्मेलन की अपील पर अनगिनत समाजबंधुओं ने मुक्तहस्त से सहयोग प्रदान किया और बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए अपनी संवेदना एवं सेवाभाव का परिचय दिया।

मैं सभी दानदाताओं के प्रति हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करता हूं। आपका यह सहयोग केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में पीड़ितों के साथ खड़े होने का विश्वास है। असम की विपदा में समाज की जिस एकजुटता और उदारता का परिचय मिला, वह हमारी सेवा-परंपरा की सच्ची पहचान है। इससे यह संदेश भी स्पष्ट होता है कि देश के किसी भी कोने में रहने वाला समाजबंधु स्वयं को अकेला नहीं समझता-संकट में पूरा समाज उसके साथ खड़ा होता है।

आज आवश्यकता है कि हम अपने पूर्वजों की इस विरासत को नई पीढ़ी की ऊर्जा से जोड़ें। सम्मेलन का जन्म समाज की आवश्यकता से हुआ था और आज भी समाज की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप उसकी भूमिका निरंतर विकसित होनी चाहिए। हमारा संकल्प हो कि हम समाज को जोड़ेंगे, युवाओं को नेतृत्व देंगे, मातृशक्ति को आगे बढ़ाएंगे, सेवा को संस्कार बनाएंगे और राष्ट्र को सदैव सर्वोपरि रखेंगे।

"म्हारो लक्ष्य–राष्ट्र री प्रगति" केवल सम्मेलन का ध्येय-वाक्य नहीं, बल्कि प्रत्येक समाजबंधु के जीवन का मार्गदर्शन बने–यही हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

समाज मजबूत होगा, तो राष्ट्र मजबूत होगा;
राष्ट्र मजबूत होगा, तो आने वाली पीढ़ियों का भविष्य मजबूत होगा।

जय हिन्द! जय सम्मेलन! जय समाज!

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

सम्मेलन समाचार

बंगाल के मुख्यमंत्री का नागरिक अभिनंदन समारोह

पश्चिम बंगाल के माननीय मुख्यमंत्री श्री शुभेंदु अधिकारी के सम्मान में महाजाति सदन, कोलकाता में आयोजित **नागरिक अभिनंदन समारोह** के सफल, भव्य एवं गरिमामय आयोजन के लिए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राजनीतिक चेतना उपसमिति के चेयरमैन **डॉ. सावर धनानिया** जी, राजनीतिक चेतना उपसमिति एवं कार्यक्रम के संयोजक **श्री अरुण प्रकाश मल्लावत** जी तथा उनकी समर्पित पूरी टीम को **अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन** की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। इस नागरिक अभिनंदन समारोह में कोलकाता स्थित अनेक संस्थाओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से माननीय मुख्यमंत्री **श्री शुभेंदु अधिकारी** जी का शॉल, दुपट्टा, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न (मोमेंटो) भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया।

समारोह में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** जी, राष्ट्रीय महामंत्री **श्री केदार नाथ गुप्ता** जी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री अनिल मलावत** जी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री पवन बंसल जी सहित अनेक राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी तथा गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

यह गरिमामय नागरिक अभिनंदन समारोह समाज की एकजुटता, संगठन की सक्रियता तथा जनसंपर्क को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायक पहल सिद्ध हुआ।

सेवा, संस्कार और समाजोत्थान का राष्ट्रीय आह्वान : श्री गोयनका

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०२५-२७ की तृतीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक २६ जुलाई २०२६, रविवार को बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, पटना में राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** की अध्यक्षता में आयोजित हुई। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री केदारनाथ गुप्ता** के आग्रह पर तीन बार **"ॐ"** के उच्चारण के साथ बैठक का शुभारंभ हुआ।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री राकेश बंसल** ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा बिहार को बैठक का आतिथ्य प्रदान करने पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने संगठन में महिलाओं एवं युवाओं की अधिकाधिक भागीदारी पर बल देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष को ९२ आजीवन सदस्यों के सदस्यता प्रपत्र एवं शुल्क का चेक सौंपा। पटना नगर शाखा के अध्यक्ष **श्री शशि गोयल** ने देशभर से आए प्रतिनिधियों का स्वागत किया तथा शाखा के सचिव **श्री रणदीप झुनझुनवाला** ने शाखा की गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि सम्मेलन सेवा, संगठन, संस्कार एवं संस्कृति का सशक्त माध्यम है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए विभिन्न अस्पतालों से हुए **एमओयू, हेल्थ आईडी कार्ड योजना, रोजगार, उद्यमिता, उच्च शिक्षा सहायता, महिलाओं एवं युवाओं** की नेतृत्व भागीदारी, **भारतीय संस्कारों, त्योहारों, मायड़ भाषा** के संरक्षण तथा सामाजिक सुधार के लिए सम्मेलन द्वारा चलाए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए सभी प्रांतों एवं शाखाओं से संगठन के सेवा प्रकल्पों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय महामंत्री **श्री केदारनाथ गुप्ता** ने कोलकाता में १९ अप्रैल २०२६ को आयोजित पिछली बैठक का कार्यवृत्त प्रस्तुत किया है जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पास किया। उसके बाद श्री गुप्ता ने संगठनात्मक गतिविधियों पर महामंत्री का प्रतिवेदन की विस्तृत रिपोर्ट बैठक में उपस्थित सदस्यों को प्रस्तुत की, जिसे सभा ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री अनिल मलावत** ने वित्तीय वर्ष २०२५-२६ का **आय-व्यय विवरण एवं संतुलन पत्र** प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री बिनोद तोदी** ने लेखा प्रतिवेदन को अधिक स्पष्ट एवं सदस्य-अनुकूल बनाने का सुझाव दिया, जिसे श्री मलावत ने स्वीकार किया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ**, निवर्तमान राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री महेश जालान** तथा पूर्वोत्तर प्रांत के उपाध्यक्ष (मुख्यालय) **श्री बिनोद कुमार लोहिया** द्वारा उठाए गए वित्तीय एवं जीएसटी संबंधी प्रश्नों का राष्ट्रीय महामंत्री ने विस्तृत उत्तर दिया। विचार-विमर्श के उपरांत वित्तीय प्रतिवेदन सर्वसम्मति से पारित किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सम्मेलन की मासिक पत्रिका **'समाज विकास'** हेतु सभी से विज्ञापन देने का आग्रह भी किया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री राज कुमार मिश्रा** ने दिल्ली, आंध्र प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान एवं पंजाब में संगठनात्मक गतिविधियों, नई शाखाओं, सदस्यता विस्तार तथा प्रस्तावित **बिजनेस मीट** की जानकारी दी तथा नई शाखाओं के लिए परिचयात्मक बैठकों एवं उत्कृष्ट कार्यकर्ताओं के सम्मान का सुझाव दिया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बिनोद तोदी ने पूर्वोत्तर एवं बिहार की रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आग्रह किया तथा उत्तर प्रदेश में अक्टूबर तक चुनाव सम्पन्न कराने की जानकारी दी। उन्होंने बैठकों का बेहतर समन्वय, तिथियों के पूर्व निर्धारण तथा एसबीआई के सीएसआर के अंतर्गत **बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन** को प्राप्त **पाँच एंबुलेंस** की जानकारी दी। इस अवसर पर एसबीआई के असिस्टेंट जनरल मैनेजर **श्री अभिषेक सिन्हा** एवं रिलेशनशिप मैनेजर **श्री शैलेष कुमार** का सम्मान किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष श्री राकेश बंसल एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने **एसबीआई** के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी ऐसे सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की।

मध्य प्रदेश प्रांत के अध्यक्ष **श्री शरद सरावगी** ने इंदौर एवं शहडोल शाखाओं के गठन तथा सिवनी एवं छिंदवाड़ा में संगठन विस्तार की जानकारी दी।

गुजरात प्रांत के अध्यक्ष **श्री संजय अग्रवाल** ने दो नई शाखाओं, १०० नए आजीवन सदस्यों, **'ज्ञान ज्योति सम्मान समारोह'** के बारे जानकारी दी तथा आगामी कवि सम्मेलन की जानकारी दी।

बिहार प्रांत के महामंत्री **श्री अंजनी सुरेका** ने प्रांत की गतिविधियों, २५८ विद्यार्थियों के प्रतिभा सम्मान, भवन निर्माण योजना, सदस्यता विस्तार तथा एसबीआई बैंक के सहयोग से एंबुलेंस उपलब्ध कराने की जानकारी दी।

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष (मुख्यालय) **श्री विनोद लोहिया** ने महिला छात्रावास निर्माण, ९३९ नए आजीवन सदस्यों, १३ नई शाखाओं, हेल्थ कार्ड वितरण, वेबसाइट सुधार, मोबाइल नंबर प्रकाशित न करने तथा राजस्थानी भाषा पर पृथक ऑनलाइन बैठक आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने ऊपरी असम में आई भीषण बाढ़ के पीड़ितों के लिए सम्मेलन से ₹१० लाख सहायता देने का आग्रह भी किया।

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष **द्र**

ने दिल्ली प्रांत की गतिविधियों की जानकारी दी। झारखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से **श्री मुकेश मित्तल** ने संविधान संशोधन, १०१ नए सदस्यों, संपत्ति संरक्षण मंडल, **राजस्थान महोत्सव** तथा लंबित प्रांतीय विवादों के समाधान का विषय रखा।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री बसंत सुराणा** ने मध्य प्रदेश प्रवास, संस्कार शालाओं एवं सदस्यता अभियान की जानकारी देते हुए सम्मेलन के शताब्दी वर्ष तक एक लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य दोहराया।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता ने कर्नाटक में सर्वसम्मति से **श्री शिव कुमार टेकरीवाल** के प्रांतीय अध्यक्ष चुने जाने तथा महाराष्ट्र, तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश में शीघ्र चुनाव कराने की जानकारी दी।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष कुमार सराफ ने 'एक संविधान, एक चुनाव** एवं **एक कार्यकाल'** की अवधारणा पर विचार करने, समाज सुधार, युवाओं के समय पर विवाह, उच्च शिक्षा, आयुष्मान कार्ड तथा निर्माणाधीन सीताराम रुंगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन की प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने असम बाढ़ राहत हेतु **₹५०,०००** सहयोग की घोषणा भी की।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता ने पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन से संबंधित संगठनात्मक कार्रवाई की जानकारी दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने केंद्र द्वारा पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन पर की गई कार्रवाई का विवरण प्रस्तुत किया, जिसका सभा ने समर्थन किया।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता आगामी वार्षिक साधारण सभा सितंबर माह में आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया, जिस पर सिद्धांततः सहमति बनी।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बिनोद तोदी ने असम बाढ़ राहत के लिए सहयोग का आह्वान किया। बिहार के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष **श्री विजय किशोरपुरिया** ने सीएसआर के माध्यम से **₹५ लाख**, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री राकेश बसंल** ने **पटना नगर शाखा** की ओर से **₹५०,०००** तथा व्यक्तिगत रूप से **₹५०,०००** सहयोग की घोषणा की।

राष्ट्रीय महामंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रांतीय संविधान संशोधन में बदलाव केंद्र की स्वीकृति के बाद ही लागू होंगे तथा सदस्यता प्रमाण-पत्र के रूप में स्वास्थ्य सेवाओं के लिये सम्मेलन का आधिकारिक आईडी कार्ड ही मान्य होगा। श्री विनोद लोहिया के अनुरोध पर सम्मेलन की वेबसाइट पर सदस्यीय डाटा में संशोधन

का अधिकार प्रांतीय अध्यक्षों को देने तथा लेपल पिन शीघ्र उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया।

श्री संजय अग्रवाल ने गुजरात प्रांत के संविधान अनुमोदन का अनुरोध-पत्र राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपा। मध्य प्रदेश के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष **श्री कमलेश नाहटा** एवं श्री दिल्ली के निवर्मतान प्रांतीय अध्यक्ष **श्री लक्ष्मीपत भुतोड़िया** ने भी संगठन हित में अपने विचार व्यक्त किए।

समापन अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री राकेश बंसल, प्रांतीय महामंत्री श्री अंजनी सुरेका, पटना नगर शाखा के अध्यक्ष श्री शशि गोयल, शाखा मंत्री श्री सुनील मोर, आयोजन समिति के श्री रणदीप झुनझुनवाला एवं श्री दिलीप अग्रवाल को सम्मानित किया तथा सभी प्रांतों एवं शाखाओं से सम्मेलन का स्थापना दिवस भव्य रूप से मनाने का आह्वान किया।

अंत में **श्री सुनील मोर** ने धन्यवाद ज्ञापित किया और राष्ट्रगान के साथ बैठक का समापन हुआ।

बैठक में राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री पवन कुमार बंसल, निवर्तमान राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेश जालान, बिहार के पूर्व अध्यक्षगण श्री कमल नोपानी, श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला, श्री विजय किशोरपुरिया, श्री युगल किशोर अग्रवाल, राजेश बजाज, श्री मुकेश कुमार जैन, श्री विनोद बंसल, श्री महावीर प्रसाद बिदासरिया, श्री ओम प्रकाश टिबड़ेवाल, श्री बिष्णु कुमार सुरेका, श्री संतोष कुमार अग्रवाल, श्री संजय अग्रवाल, श्री सज्जन शर्मा, श्री बाबूलाल बंका, श्री अशोक कुमार अग्रवाल, श्री विकास कुमार चांद, श्री गौरी शंकर कानोड़िया, श्री प्रिंशु मोदी, श्री अभिषेक लोहिया, श्री रमेश कुमार केजरीवाल, श्री अमित कुमार भीमसरिया, श्री दिलीप अग्रवाल, श्री विजय कुमार बोथरा, सीए विष्णु कुमार तुलस्यान, श्री किशन अग्रवाल, श्री अभिषेक सिन्हा, श्री पी.के. अग्रवाल तथा श्री विजय कुमार गोयल सहित विभिन्न प्रांतों के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सम्मेलन समाचार

संगठन विस्तार पर हुई सार्थक चर्चा

२२ जुलाई २०२६ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री राजकुमार मिश्रा** ने हरिद्वार स्थित होटल द ग्रांड पार्क में उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के शीर्ष पदाधिकारियों एवं सम्मेलन के वरिष्ठ सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की।

बैठक में संगठन के विस्तार, समाज को अधिकाधिक सम्मेलन से जोड़ने तथा सम्मेलन के उद्देश्यों एवं सेवा गतिविधियों को जन-जन तक पहुँचाने के संबंध में विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों ने उत्तराखंड में सम्मेलन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने, नई शाखाओं के गठन, सदस्यता अभियान को गति देने तथा युवाशक्ति एवं मातृशक्ति की भागीदारी बढ़ाने पर अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राजकुमार मिश्रा ने कहा कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन केवल एक सामाजिक संगठन नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, संगठन एवं समर्पण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से समाज के प्रत्येक वर्ग तक सम्मेलन की विचारधारा एवं सेवा कार्यों को पहुँचाने तथा संगठन विस्तार के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

बैठक में दिल्ली से राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष **श्री लक्ष्मीपत भुतोड़िया**, प्रांतीय अध्यक्ष **श्री राजेश सिंघल**, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य **श्रीमती सुषमा अग्रवाल, श्री सज्जन शर्मा, श्री रमेश बजाज** एवं **श्री सुन्दर लाल शर्मा** एवं उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री रंजीत जालान**, निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष **श्री संतोष खेतान**, प्रांतीय उपाध्यक्ष **श्री विनोद अग्रवाल**, प्रांतीय महामंत्री **श्री आशीष वेदप्रकाश** तथा प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य **श्री अजय** उपस्थित रहे।

मारवाड़ी भाई-बेहना सू निवेदन

आपा आपणो देश मारवाड़ (राजस्थान) तो छोड़ दिया हाँ, काईं आपणी मारवाड़ी, आपणी मातृभाषा ने भी छोड़ देनो, खत्म कर देनो चावां हाँ। आपणा में अधिकतर माता-पिता आपणा बच्चा (टाबरा) सू हिंदी, इंग्लिश में बात करा हाँ और गर्व महसूस करा हाँ, आज हर सिंधी रा बच्चा सिंधी बोले है, मराठी का मराठी, अटातांई के अरबपति अंबानी का बच्चा भी गुजराती में ही बात करे है, परंतु आज री जेनरेशन मारवाड़ी बच्चा ने तो मारवाड़ी आवे ही नहीं है, काई आपण मारवाड़ी बोलना में शर्म आवे है। इन बच्चा का हक है मारवाड़ी बोलनो और मारवाड़ी सीखनो तो कृपया कर गर्व सू मारवाड़ी में बात करो, कम से कम मां-पिता जी, भाई-भोजाई, चाचा-चाची जी, सगला घर का सू कोई एक तो बात शुरू करो।

आपणी मारवाड़ी भाषा ने विलुप्त होना सू बचाओ!

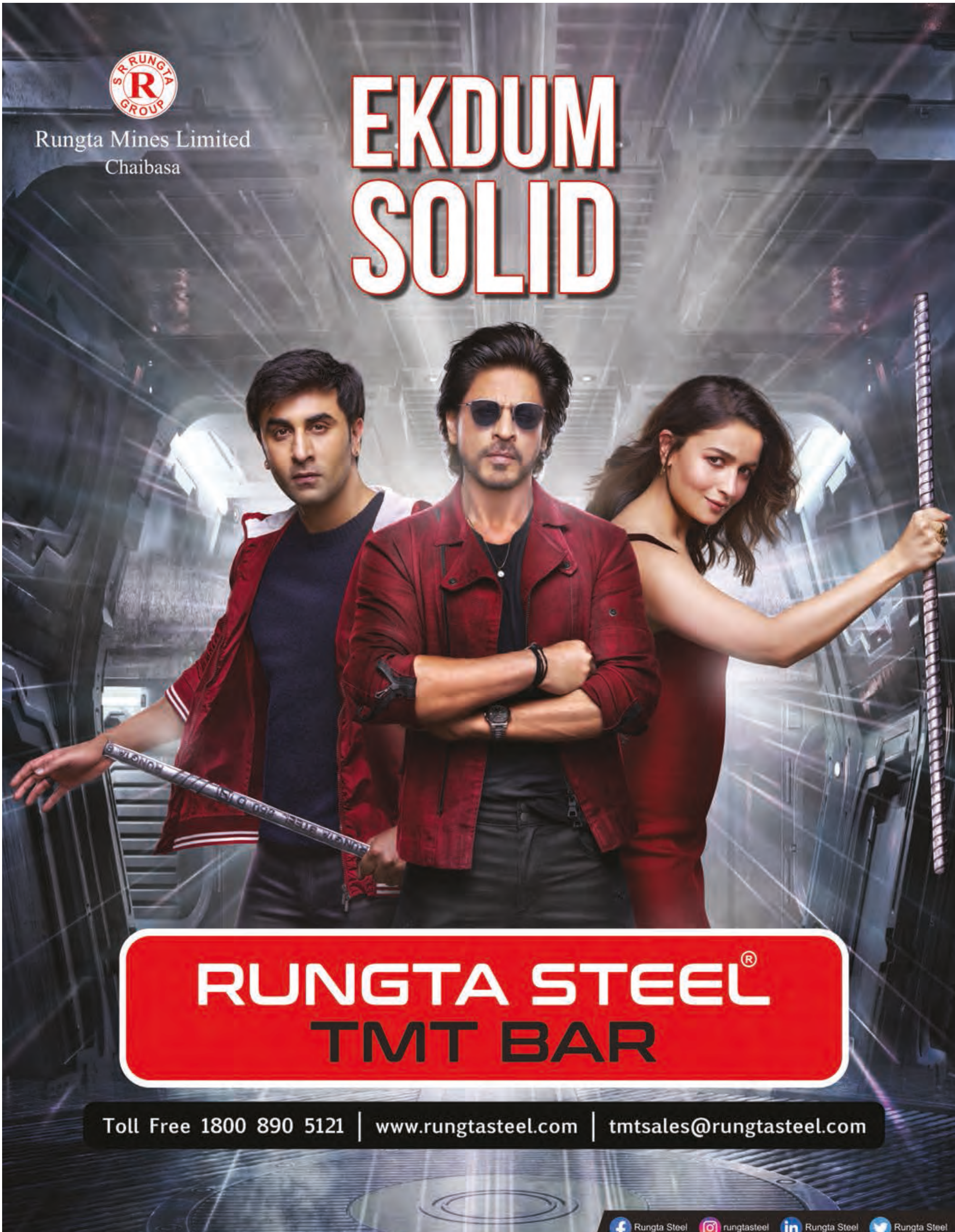

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

INTRODUCING

manipal hospitals | Comprehensive Cancer Care Centre

LIFE'S ON

200-bed Manipal Comprehensive Cancer Care Centre, EM Bypass is one of the most advanced Cancer Care units today. The hospital is equipped with a comprehensive cancer treatment facility and provides latest cutting-edge technology along with a team of Senior Onco-Specialists.

Our Specialities:

- Organ specific Onco-Surgeons for Head & Neck, Urology, Gynaecology, Breast, Orthopaedic, GI & Thoracic, and Reconstructive Surgery
- Senior Specialists for Medical Oncology, Clinical Hematology, Hemato Oncology & Bone Marrow Transplant (BMT), Radiation Oncology, Paediatric Cancer, Nuclear Medicine
- Robotic & Advanced Microsurgery by latest version Da Vinci X Surgical Robot
- Radiation Oncology by latest TrueBeam Technology
- Advanced Onco Pathology Lab with molecular diagnosis facility

City's most Dedicated Team with Unparalleled Skill

Da Vinci X Surgical Robot

THE BRAIN OF A HUMAN AND THE HANDS OF A MACHINE

Robotic Surgeries at Manipal Hospitals offer the quickest way to heal

Manipal Hospital EM Bypass: 127 Mukundapur, E.M. Bypass, Kolkata, West Bengal 700099

www.manipalhospitals.com | 033 6680 0000

एकीकृत डिजिटल वैवाहिक मंच तैयार करने की पेशकश

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के वर्तमान सत्र २०२५-२७ की **वैवाहिक परिकोष्ठ एवं पारिवारिक रिश्ते उपसमिति** की प्रथम बैठक बुधवार, २९ जुलाई २०२६ को सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय, डकबैक हाउस, कोलकाता स्थित सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपसमिति के चेयरमैन **श्री रामानंद रुस्तगी** ने की, जबकि संचालन सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उपसमिति के सदस्य **श्री संतोष सराफ** ने किया।

बैठक का शुभारंभ सभी सदस्यों के स्वागत के साथ हुआ। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री रामानंद रुस्तगी ने कहा कि आज के समय में समाज के युवक-युवतियों के लिए एक विश्वसनीय, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित वैवाहिक मंच की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उपसमिति समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करेगी।

उन्होंने विस्तार से बताया कि वैवाहिक परिचय-पत्र (बायोडाटा) में कौन-कौन सी आवश्यक जानकारियाँ सम्मिलित होनी चाहिए, ताकि पूरे देश में एक समान प्रारूप अपनाया जा सके। उन्होंने सभी सदस्यों से अपने-अपने क्षेत्र में प्रचलित बायोडाटा प्रारूप साझा करने का आग्रह किया, जिससे एक मानक (Standardized) प्रारूप तैयार किया जा सके।

बैठक का संचालन करते हुए सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने कहा कि किसी भी नई पहल को प्रारंभ करने से पहले उसकी कार्यप्रणाली, उद्देश्य एवं संचालन व्यवस्था पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक है। उन्होंने सभी सदस्यों से अपने अनुभव साझा करने का आग्रह करते हुए कहा कि सामूहिक अनुभवों के आधार पर एक प्रभावी एवं व्यवहारिक मॉडल विकसित किया जा सकता है।

श्री सराफ ने यह भी कहा कि यह संपूर्ण अभियान अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के बैनर तले संचालित होना चाहिए, जिससे इसकी विश्वसनीयता एवं व्यापक स्वीकार्यता बनी रहे। उन्होंने सुझाव दिया कि यह मंच किसी विशेष घटक या उपसमाज तक सीमित न रहकर सम्पूर्ण मारवाड़ी समाज के लिए समान रूप से कार्य करे। साथ ही उन्होंने प्रक्रिया को अधिकाधिक सरल, सहज एवं पारदर्शी बनाने पर बल देते हुए आश्वस्त किया कि सम्मेलन इस अभियान के सफल संचालन हेतु आवश्यक हर प्रकार का सहयोग उपलब्ध कराएगा।

उपसमिति के सदस्य **श्री अजय नांगलिया** ने समाज के युवक-युवतियों का व्यवस्थित डाटा संकलित करने के लिए गूगल फॉर्म विकसित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यम से जानकारी सुरक्षित रूप से संग्रहित की जा सकेगी तथा आवश्यकतानुसार संबंधित परिवारों तक उसे सरलता से उपलब्ध कराया जा सकेगा।

श्री प्रेम कुमार अग्रवाल ने इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा कि गूगल फॉर्म के माध्यम से डाटा संग्रहण अधिक व्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुविधाजनक होगा। उन्होंने इस संबंध में कई व्यावहारिक सुझाव भी प्रस्तुत किए, जिन पर सदस्यों ने सकारात्मक चर्चा की।

उपसमिति की सदस्य **श्रीमती सरला सिंघानिया** ने अपने पास उपलब्ध युवक-युवतियों के वैवाहिक डाटा की जानकारी साझा की। उन्होंने सुझाव दिया कि अधिक से अधिक परिवारों तक इस अभियान की जानकारी पहुँचाने के लिए सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग किया जाए तथा अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

बैठक में उपसमिति के सदस्य **श्री सुभाष चंद खंडेलवाल, श्री बिमल कुमार अग्रवाल** एवं **श्रीमती कुसुम भंडारी** ने भी अपने बहुमूल्य सुझाव एवं विचार प्रस्तुत किए। सभी सदस्यों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि समाज के युवक-युवतियों के लिए एक आधुनिक, विश्वसनीय, सुरक्षित एवं पारदर्शी वैवाहिक मंच का निर्माण समय की आवश्यकता है और इस दिशा में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि उपसमिति शीघ्र ही एक मानकीकृत वैवाहिक बायोडाटा प्रारूप, डिजिटल डाटा संग्रह प्रणाली तथा समाज के लिए सरल एवं उपयोगी कार्यप्रणाली तैयार कर अपने कार्यों को गति प्रदान करेगी।

अंत में उपसमिति के चेयरमैन श्री रामानंद रुस्तगी ने सभी सदस्यों का उनके सक्रिय सहयोग, महत्वपूर्ण सुझावों एवं सार्थक सहभागिता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उपसमिति के सामूहिक प्रयासों से शीघ्र ही मारवाड़ी समाज को एक ऐसा राष्ट्रीय वैवाहिक मंच प्राप्त होगा, जो समाज के परिवारों को जोड़ने, पारिवारिक रिश्तों को सुदृढ़ बनाने तथा योग्य युवक-युवतियों के विवाह में एक प्रभावी सेतु की भूमिका निभाएगा।

धर्माचार्यों को संस्कृति संरक्षण हेतु अग्रणी भूमिका निभानी होगी : श्रीजी

'यदि हम चाहते हैं कि हमारी आने वाली पीढ़ियाँ अंतिम संस्कार सहित सभी सामाजिक एवं धार्मिक परंपराओं से जुड़ी रहें, तो बचपन से ही उनमें संस्कारों का बीजारोपण करना होगा। बड़े-बुजुर्गों का सम्मान करना और उनका आशीर्वाद लेना भारतीय संस्कृति की पहचान है, जिसका कोई विकल्प नहीं हो सकता। यदि व्यक्ति अपने संस्कारों पर अड़िग रहता है तो कोई भी उसे डिगा नहीं सकता। समाज को सही मार्ग दिखाने का दायित्व धर्माचार्यों का है। संस्कारों से विमुख होकर महान व्यक्ति भी विनाश के मार्ग पर चल सकता है। हमारे संस्कार ही यह निर्धारित करते हैं कि हमारा जीवन किस दिशा में जाएगा।

उक्त कथन है प्रख्यात आध्यात्मिक मार्गदर्शक **डॉ. श्रीनिवास शर्मा 'श्रीजी'** के, जो कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय सभागार, डकबैक हाउस में अयोजित **सामाजिक-धार्मिक संस्कार, धर्माचार्यों की भूमिका** विषयक विचारोत्तेजक संगोष्ठी ८ अगस्त २०२६ में बतौर प्रमुख वक्ता व्यक्त किए।

श्रीजी ने आगे कहा कि व्यक्ति किसी भी धर्म को मानने वाला हो, अभिवादन एवं सम्मान उसकी संस्कृति का अनिवार्य अंग होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जब घर में माताएँ आरती करती हैं तो छोटे बच्चे स्वतः ही उसका अनुसरण करने लगते हैं। इसलिए परिवार ही संस्कारों की प्रथम पाठशाला है। संस्कारी व्यक्ति और संस्कारी धर्माचार्य को कोई भी विपरीत परिस्थिति विचलित नहीं कर सकती।

अपने विचारों को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि डॉक्टर और डाकू दोनों पेट चीरते हैं, किंतु एक जीवन बचाने के लिए और दूसरा जीवन लेने के लिए। अंतर केवल संस्कार एवं उद्देश्य का होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ब्रह्मण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शूद्र की व्यवस्था मूलतः कर्म आधारित थी, जन्म आधारित नहीं। चाणक्य का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उनकी महानता उनके कर्म एवं ज्ञान के कारण थी। धर्म का अर्थ भय उत्पन्न करना नहीं, बल्कि समाज और संस्कृति की रक्षा करना है। संस्कारों से ही समाज का निर्माण होता है तथा धर्माचार्य का कर्तव्य सदाचार, आचार-विचार एवं नैतिक मूल्यों के लिए समाज को प्रेरित करना है।

उन्होंने उपस्थित जनों से आह्वान किया कि तथाकथित धर्माचार्यों के प्रभाव में आने के बजाय अपने विवेक से निर्णय करें कि किसका अनुसरण करना उचित है। प्रत्येक व्यक्ति में अपने परिवार और समाज को सुरक्षित रखने की क्षमता एवं जिम्मेदारी होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि पशु कभी अपना स्वभाव नहीं छोड़ता, किन्तु यदि मनुष्य अपना धर्म और संस्कार छोड़ दे तो उसमें और पशु में कोई अंतर नहीं रह जाता। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि मारवाड़ी समाज धीरे-धीरे अपने संस्कारों से दूर होता जा रहा है, जबकि अन्य समाज अपनी परंपराओं को दृढ़ता से निभा रहे हैं।

जूम के माध्यम से जुड़े राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** ने कहा कि समाज की वास्तविक उन्नति केवल आर्थिक समृद्धि से नहीं, बल्कि संस्कार, चरित्र एवं नैतिक मूल्यों से होती है। परिवार और समाज को सही दिशा देने में धर्माचार्यों की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। श्री गोयनका ने कहा कि वर्तमान समय में नई पीढ़ी अनेक चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे में धर्माचार्यों का मार्गदर्शन युवाओं को सत्य, सेवा, संयम, सद्भाव एवं संस्कारों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि धर्म को केवल पूजा तक सीमित न रखकर उसे आचरण, परिवार एवं सामाजिक जीवन में उतारना ही सच्चे संस्कारों की पहचान है।

इसके पूर्व सर्वप्रथम विषय प्रवर्तन करते हुए सेमिनार उपसमिति के चेयरमैन **डॉ. संजय हरलालका** ने कहा कि धर्माचार्यों को अपने संदेशों के माध्यम से युवाओं को धर्म, संस्कृति एवं संस्कारों से जोड़ने का प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने भजन जैमिंग जैसे बढ़ रहे प्रचलन में जैमिंग शब्द, ड्रेस कोड और वह भी ब्लैक, जूते पहनकर बैठ भजन गायन, भजन के नाम पर फिल्मी सॉन्ग जैसे मुद्दे को उठाते हुए कहा कि मारवाड़ी समाज स्वभाव से धार्मिक एवं कर्मवीर समाज है तथा इसकी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखना हम सभी का दायित्व है।

संगोष्ठी का शुभारम्भ राष्ट्रीय महामंत्री **श्री केदार नाथ गुप्ता** ने सभी के स्व परिचय से करते हुए संगोष्ठी का सफल संचालन किया।

अंत में सेमिनार उपसमिति के संयोजक **श्री विष्णु अग्रवाल** ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं उपस्थित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण सर्वश्री नन्द लाल रुँगटा एवं संतोष सराफ, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अनिल मलावत, आत्माराम सोंथलिया, संदीप गर्ग, धनश्याम सुगला, नंदलाल सिंघानिया, काशी प्रसाद देलिया, महेश पटवारी, उत्कर्ष पटवारी, जुगल किशोर जाजोदिया, संदीप सेक्सरिया, बृजमोहन धूत, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, श्रीमती पिंकी सेखानी, भरत बैद, बिजय सांगानेरिया, श्वेता साह, सीताराम अग्रवाल, राजेन्द्र कनानी, सीए वी.एन. अग्रवाल, एन.के. शर्मा, पियूष क्याल, डॉ. अकांक्षा मलावत, तारा चंद पाटोदिया, अजय कसेरा, विजय कुमार दमानी, गोपी धुवालिया, रवि पारख, सुश्री नितु शर्मा, आर. ए. धुत, मुकेश गौरसरिया, श्रीमती सरिता लोहिया, ललित कुमार थरड़, एस. एम केडिया, सचिदानंद धनानिया, जूम के माध्यम से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री बसंत कुमार सुराणा, निवर्तमान राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री संजय गोयनका, निवर्तमान राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेश जालान, निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष निर्मल झुनझुनवाला, पूर्वोत्तर उपाध्यक्ष मुख्यालय विनोद लोहिया, ओम प्रकाश जोशी, अमित डाबरीवाल, रवि लोहिया, रमेश परिवाल, प्रकाश पटवारी, रमाकांत देवड़ा, चंडी प्रसाद डालमिया सहित अनेक गणमान्य सदस्य संगोष्ठी में शरीक हुए।

"राष्ट्र सर्वोपरि; स्वतंत्रता से आत्मनिर्भरता तक" : पवन कुमार गोयनका

देश के ८०वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय प्रांगण में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के पश्चात एक **विचार गोष्ठी** एवं एक **कवि सम्मेलन** का आयोजन किया गया, जिसमें समाज एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

गोष्ठी की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** ने अपने संबोधन में सभी आदरणीय पूर्व अध्यक्षगण, सम्माननीय राष्ट्रीय पदाधिकारीगण, मातृशक्ति, युवाशक्ति तथा अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार के सभी सदस्यों को ८०वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दी। श्री गोयनका ने कहा कि आज हम उन महान स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं, जिन्होंने अपने त्याग और बलिदान से हमें स्वतंत्र भारत प्रदान किया। स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को स्मरण करने का अवसर है।

श्री गोयनका ने स्वतंत्रता संग्राम में मारवाड़ी समाज का गौरवपूर्ण योगदान के बारे में बताते हुए कहा कि हमारे पूर्वजों ने राष्ट्रहित में धन, संसाधन और अपना सर्वस्व समर्पित किया। स्वतंत्रता के बाद अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने संगठन, सेवा, शिक्षा, संस्कार और सामाजिक सुधार के माध्यम से समाज को एकजुट करने का कार्य किया। आज हमारे सामने नई चुनौतियाँ हैं–संस्कारों का क्षरण, नशा, डिजिटल माध्यमों का दुरुपयोग, सामाजिक दूरी और पर्यावरण की उपेक्षा। हमें मिलकर इन चुनौतियों का सामना करना होगा। हमें अपने बच्चों को बचपन से संस्कार देना होगा, मातृशक्ति को आगे बढ़ाना होगा, युवाओं को नेतृत्व देना होगा। जिससे हम एक संगठित, संस्कारित एवं आत्मनिर्भर समाज के साथ विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दे सकेंगे। हमें आने वाली पीढ़ियों को यह बताना होगा की हमारे पूर्वजों ने क्या बलिदान दिया। जिसके बाद हमें आजादी मिली। विदेशी ब्रंडो पर निर्भरता कम कर देशी ब्रांडो को बढ़ावा देना होगा। हमें अपने भारतीय त्योहारो को मनाने पर बढ़ावा देना होगा।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने कहा कि आज हम आधुनिक और तकनीकी युग में प्रवेश कर चुके हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के इस दौर में बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कार देना भी उतना ही आवश्यक है। परिवार समाज की मूल इकाई है और संस्कार ही उसकी मजबूत नींव हैं।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने पिछले वर्षों में हुई देश की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि आधारभूत संरचना, सड़क, रेल, आर्थिक विकास तथा अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय परिवर्तन हुए हैं। राम मंदिर निर्माण सहित विभिन्न राष्ट्रीय उपलब्धियों का भी उल्लेख किया गया। साथ ही यह भी कहा कि विकास के साथ समाज के सामने अनेक नई चुनौतियां भी हैं। रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के साथ शिक्षा, रोजगार, महिला शिक्षा, पारिवारिक विवादों के समाधान और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने पर निरंतर कार्य करने की आवश्यकता है।

श्री सराफ ने विवाह समारोहों में मद्यपान जैसी सामाजिक बुराइयों को रोकने तथा फिजूलखर्ची और दिखावे की संस्कृति पर अंकुश लगाने का आह्वान किया। समाज में अनुशासन, संस्कार और सादगी को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया गया। आगे कहा कि अपने स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना चाहिए और प्रधानमंत्री के राष्ट्र निर्माण के आह्वान को समाज के स्तर पर प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाना चाहिए। संगठन को मजबूत करने के लिए प्रत्येक प्रांत में अधिक शाखाओं के गठन तथा संगठनात्मक विस्तार पर जोर देने की बात कही।

सम्मेलन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री गिरधारी लाल गोयनका** ने बंगाल सहित विभिन्न क्षेत्रों में समाज की सक्रियता और संगठन के मंच को मजबूत करने की आवश्यकता पर विचार रखे।

निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री **श्री कैलाशपति तोदी** ने सुझाव दिया कि सम्मेलन की बैठकों में मारवाड़ी भाषा के अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, ताकि भाषा और संस्कृति से नई पीढ़ी का जुड़ाव मजबूत हो। श्री तोदी ने कहा कि देश ने

स्वतंत्रता के बाद उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन सामाजिक अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करने की आवश्यकता है।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री केदार नाथ गुप्ता** ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। उन्होंने माँ भारती की सुंदरता एवं तिरंगे की महत्ता पर आधारित एक भावपूर्ण कविता प्रस्तुत की, जिसे उपस्थित सदस्यों ने सराहा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता ने प्रख्यात कवि **श्री जय कुमार रुसवा** का परिचय कराया। श्री रुसवा ने अपने ओजस्वी देशभक्ति से परिपूर्ण वक्तव्य एवं कविताओं, हास्य एवं व्यंग्य कविताओं के माध्यम से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके संबोधन ने समारोह में राष्ट्रभक्ति और उत्साह का वातावरण और अधिक प्रबल कर दिया।

समारोह के अंत में सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री अनील मलावत** ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं उपस्थित सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों ने हमें स्वतंत्रता प्रदान की, लेकिन अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम आने वाली पीढ़ी को कैसा भारत सौंपते हैं। हमें ऐसा समाज और राष्ट्र बनाने के लिए कार्य करना होगा, जिसमें संस्कार, सेवा, स्वदेशी भावना, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, युवा शक्ति और सामाजिक एकता को सर्वोच्च प्राथमिकता मिले।

अंत में **'वंदे मातरम्'** एवं **राष्ट्रगान** के साथ समारोह का गरिमापूर्ण समापन हुआ। पूरे कार्यक्रम में राष्ट्रभक्ति, सामाजिक दायित्व, सांस्कृतिक संरक्षण और संगठन को सशक्त बनाने का संदेश प्रमुखता से उभरकर सामने आया।

इस अवसर पर सम्मेलन के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे, जिनमें मध्य प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष श्री शरद सरावगी, श्री शंकर लाल कारीवाल, श्री अरुण प्रकाश मल्लावत, श्री अजय गुप्ता, श्री नरेश डालमिया, श्री दामोदर प्रसाद बिदवातका, श्री राजेंद्र राजा, श्री संदीप कुमार सेक्सरिया, श्री बाबू लाल बंका, सी.ए. विष्णु कुमार तुलस्यान, श्री अरुण कुमार गाड़ोदिया, श्री शिव कुमार बागला, श्री सीताराम अग्रवाल, श्री पियूष क्याल, श्री राजेंद्र कलानी, श्री बिनोद कुमार लिहला, श्री राज कुमार अग्रवाल, श्री बिश्वनाथ भुवालका, श्री जुगल किशोर जाजोदिया, श्री दीपक सराफ, श्री हरीश कुमार शर्मा, सी.ए. विश्वनाथ अग्रवाल, श्री महेश पटवारी, श्री सज्जन बेरीवाल, श्री मधु सुदन सफ्फड़, श्री महेंद्र कलानी, श्रीमती शीला कलानी, श्री बृज मोहन धूत, श्री रतन कुमार सिकरिया, श्री सज्जन खंडेलवाल, श्री तपन कुमार गाड़ोदिया प्रमुख रूप से शामिल थे।

सम्मेलन समाचार

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला से सम्मेलन के प्रतिनिधिमंडल की भेंट

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** के नेतृत्व में समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने १३ अगस्त २०२६ को लोकसभा अध्यक्ष **श्री ओम बिरला** जी से उनके निवास स्थान पर भेंट की। इस मुलाकात का मुख्य उद्देश्य राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता दिलाने तथा भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में राजस्थानी भाषा को सम्मिलित करवाने की दिशा में प्रभावी पहल करना रहा।

प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका के साथ **श्री कन्हैया लाल जैन (पटवारी)**, KLJ Group Chairman, **श्री ललित नाहटा, श्री संपत नाहटा, श्री विपिन जैन, श्री दिनेश दोशी**, दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष **श्री लक्ष्मी पत भूतोडिया** सहित अन्य समाजबंधु शामिल थे।

भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल की ओर से लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी का पटका पहनाकर एवं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रतीक चिन्ह का मोमेंटो भेंट कर सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उन्हें सम्मेलन की मासिक पत्रिका 'समाज विकास' की प्रति भी भेंट की गई।

प्रतिनिधिमंडल ने लोकसभा अध्यक्ष **श्री ओम बिरला** जी के समक्ष राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित किए जाने तथा उसे संवैधानिक मान्यता प्रदान किए जाने का विषय प्रमुखता से रखा। इस संबंध में प्रतिनिधिमंडल की ओर से एक विस्तृत **ज्ञापन पत्र** भी श्री बिरला जी को सौंपा गया।

प्रतिनिधिमंडल ने अनुरोध किया कि राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता दिलाने की दिशा में आवश्यक पहल की जाए और इसे संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान दिलाने के प्रयासों को गति प्रदान की जाए।

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को अत्यंत ध्यानपूर्वक सुना और राजस्थानी भाषा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करवाने तथा उसे मान्यता दिलाने की दिशा में वे पूरा प्रयास करेंगे।

श्री बिरला जी ने यह भी आश्वासन दिया कि इस विषय को लेकर वे संबंधित अन्य मंत्री एवं मंत्रालयों में भी चर्चा करेंगे, ताकि राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता दिलाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके।

ज्ञात रहे अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन लंबे समय से समाज की भाषा, संस्कृति, परंपरा और विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति प्रतिबद्ध रहा है।

असम बाढ़ पीड़ितों की सहायता हेतु सम्मेलन को २१.१६ लाख रुपये से अधिक का सहयोग प्राप्त

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** की सम्मेलन के सभी माननीय सदस्यों से की गई अपील पर ऊपरी असम में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता एवं राहत कार्यों के लिए समाजबंधुओं द्वारा उत्साहपूर्वक आर्थिक सहयोग प्रदान किया। सम्मेलन परिवार के पूर्व एवं वर्तमान राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रांतीय एवं शाखा पदाधिकारियों, उद्योगपतियों तथा समाजबंधुओं ने मानवता और सेवा की भावना के साथ इस पुनीत अभियान में सहभागिता निभाई।

अब तक प्राप्त सहयोग राशि ₹२१,१६,५१० है। इस सहयोग से बाढ़ पीड़ित परिवारों तक भोजन, पेयजल, दवाइयाँ, वस्त्र एवं अन्य आवश्यक राहत सामग्री पहुँचाने में सहायता मिलेगी।

सहयोगकर्ताओं का विवरण

१.	श्री विजय किशोरपुरिया, पटना	– ₹५,००,०००
२.	श्री दिलीप कुमार चौधरी, कोलकाता	– ₹५,००,०००
३.	पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला, कोलकाता	– ₹२,००,०००
४.	अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन	– ₹१,००,०००
५.	श्री गिरधारी लाल गोयनका, कोलकाता	– ₹१,००,०००
६.	श्री अशोक कुमार जालान, ओडिशा	– ₹१,००,०००
७.	श्री जगदीश माहेश्वरी, कोलकाता	– ₹१,००,०००
८.	श्री संतोष सराफ, कोलकाता	– ₹५०,०००
९.	श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, रांची	– ₹५०,०००
१०.	श्री पवन कुमार गोयनका, दिल्ली	– ₹५०,०००
११.	श्री राकेश कुमार अग्रवाल (बंसल), पटना	– ₹५०,०००
१२.	पटना नगर शाखा, पटना	– ₹५०,०००
१३.	श्री केदार नाथ गुप्ता, कोलकाता	– ₹२५,०००
१४.	श्री पवन जालान, कोलकाता	– ₹२५,०००
१५.	श्री बसंत कुमार सुराणा, गुवाहाटी	– ₹२५,०००
१६.	सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, सिक्किम	– ₹२१,०००
१७.	श्री राजेंद्र कुमार बगड़िया, गिरिडीह	– ₹२१,०००
१८.	श्री बाबूलाल बंका, कोलकाता	– ₹२१,०००
१९.	श्री संजय हरलालका, कोलकाता	– ₹११,०००
२०.	श्री बिष्णु कांत अग्रवाल, बेगूसराय	– ₹११,०००
२१.	श्री विजय कुमार शर्मा, लखीसराय	– ₹१०,०००
२२.	श्री अनिल कुमार मलावत, कोलकाता	– ₹५,१००
२३.	श्री पवन बंसल, कोलकाता	– ₹५,१००
२४.	श्री कैलाश पति तोदी, हावड़ा	– ₹५,१००
२५.	श्री विश्वनाथ भुवालका, कोलकाता	– ₹५,१००
२६.	श्री दीपक चौधरी	– ₹५,१००
२७.	श्री पुरुषोत्तम मुरारका, वाराणसी	– ₹५,१००
२८.	श्री सी.ए. श्रवण केडिया, गिरिडीह	– ₹५,१००
२९.	दुमका जिला मारवाड़ी सम्मेलन, झारखंड	– ₹५,१००
३०.	श्री तोडराम अग्रवाल, दार्जिलिंग	– ₹५,१००
३१.	श्री राजेंद्र अग्रवाल, सूरत	– ₹५,०००
३२.	श्री महेश झुनझुनवाला, बेतिया	– ₹२,१०१
३३.	श्री पंकज शर्मा	– ₹२,१००
३४.	श्री नवीन	– ₹२,१००
३५.	श्री राजेश कुमार सिंघल, बोकारो	– ₹२,०००
३६.	श्री प्रकाश चौधरी, बैंगलोर	– ₹२,०००
३७.	श्री तोला राम	– ₹१,५००
३८.	श्री सज्जन के.	– ₹१,१००
३९.	श्री बजरंग सेठिया, रायगंज	– ₹१,१००
४०.	श्री सुरेश कमानी, कटक	– ₹१,१००
४१.	श्री सुरेंद्र बिहानी	– ₹१,१००
४२.	श्री श्रवण कुमार बाथवाल, झारखंड	– ₹१,१००
४३.	श्री प्रेम प्रकाश रूँगटा, बेगुसराय	– ₹१,१००
४४.	श्री रमन रुंगटा, बेगुसराय	– ₹१,१००
४५.	श्री अभिषेक जोशी, बेगुसराय	– ₹१,१००
४६.	श्री अशोक कुमार गुप्ता, विजयवाड़ा	– ₹१,१००
४७.	श्रीमती एकता	– ₹१,१००
४८.	श्री राजेंद्र	– ₹१,१००
४९.	श्री गोविंद प्रसाद रूँगटा	– ₹१,१००
५०.	श्री मनुज खाखलारी	– ₹१,१००
५१.	श्री उत्तम कुमार शर्मा	– ₹१,१००
५२.	श्री नरेश	– ₹१,१००
५३.	श्री देविंदर	– ₹१,१००
५४.	श्री नारायण	– ₹१,१००
५५.	श्रीमती पायल डागा	– ₹१,१००
५६.	अन्य सहयोगकर्ताओं द्वारा	– ₹१४,००९

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन सभी सहयोगकर्ताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है और विश्वास करता है कि समाज की यह सामूहिक सेवा भावना असम के बाढ़ पीड़ित परिवारों के लिए राहत, संबल और नई आशा का माध्यम बनेगी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोयनका के नेतृत्व में ऊपरी असम का दौरा

ऊपरी असम में आई भीषण बाढ़ से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। घर, दुकानें, व्यापारिक प्रतिष्ठान, गौशालाएं और आजीविका के साधन क्षतिग्रस्त हुए तथा बाढ़ का पानी उतरने के बाद प्रभावित परिवारों के सामने पुनर्वास और दैनिक जीवन को फिर से पटरी पर लाने की चुनौती खड़ी हो गई। इस गंभीर परिस्थिति की जानकारी मिलने पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** ने स्वयं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का प्रत्यक्ष दौरा करने का निर्णय लिया। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा तैयार राहत सामग्री एवं पुनर्वास किट के वितरण के उद्देश्य से ७ से ९ अगस्त २०२६ तक चला यह दौरा सेवा, संवेदना, पुनर्वास और संगठनात्मक संवाद का प्रेरणादायी अभियान बन गया।

७ अगस्त २०२६ : गुवाहाटी से सेवा अभियान की शुरुआत

७ अगस्त २०२६ को गुवाहाटी पहुंचते ही राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका सीधे किरणश्री ग्रांड होटल पहुंचे, जहां बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए राहत सामग्री ट्रकों में लोड की जा रही थी। उनके साथ राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा तथा प्रांतीय पदाधिकारी उपस्थित थे। प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय **श्री विनोद कुमार लोहिया**, प्रांतीय महामंत्री **श्री रमेश कुमार चांडक**, प्रांतीय संगठन मंत्री **श्री मनोज जैन काला**, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य **श्रीमती सरला काबरा**, गुवाहाटी महिला शाखा सचिव **श्रीमती मंजू भंसाली** एवं कोषाध्यक्ष **श्रीमती शांति कुंडलिया** ने उनका स्वागत किया। श्री गोयनका एवं उनकी धर्मपत्नी का असमिया परंपरा के अनुरूप फुलाम गामोछा एवं झापी पहनाकर अभिनंदन किया गया।

राहत अभियान को केवल तत्काल सहायता तक सीमित न रखते हुए पुनर्वास की आवश्यकता से जोड़ा गया। प्रभावित परिवारों की प्राथमिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किट में **बिस्तर, तकिया, मच्छरदानी, बेडशीट** एवं **तकिया कवर** शामिल किए गए। प्रति ट्रक **५०० गद्दे** एवं **५०० मेखला चादर** लोड किए गए। राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने एक ट्रक को फ्लैग-ऑफ कर **सोनारी, शिमलगुड़ी** एवं **नाजिर** के लिए रवाना किया। इससे एक दिन पूर्व एक अन्य ट्रक **टियोक, आमगुड़ी** एवं **शिवसागर** के लिए भेजा जा चुका था।

इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रतिनिधिमंडल ने कुम्हारपाड़ा स्थित सम्मेलन के निर्माणाधीन **महिला छात्रावास** का निरीक्षण किया और कार्य की प्रगति की जानकारी ली। तत्पश्चात असम माहेश्वरी भवन में ८ एवं ९ अगस्त को आयोजित होने वाले पूर्वोत्तर के प्रथम महिला अधिवेशन **'तेजस्विता'** की तैयारियों का निरीक्षण किया गया। सायंकाल प्रांतीय अध्यक्ष **श्री कैलाश काबरा** के निवास पर राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों की शिष्टाचार भेंट हुई तथा समसामयिक विषयों, सामाजिक मुद्दों एवं धुबड़ी शाखा से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

८ अगस्त २०२६ : तेजस्विता से ऊपरी असम की ओर

८ अगस्त २०२६ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने सपत्नीक 'तेजस्विता' **प्रथम महिला अधिवेशन** में उद्घाटनकर्ता एवं मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। कार्यक्रम के पश्चात लगभग ४ बजे वे राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा, प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय श्री विनोद कुमार लोहिया, प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक तथा धुबड़ी शाखा अध्यक्ष **श्री अनोप कुमार सेठिया** के साथ दो वाहनों के काफिले में ऊपरी असम के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर रवाना हुए।

८ अगस्त २०२६ को हैबरगांव जाने के रास्ते में चलती कार से राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने सामाजिक-धार्मिक संस्कार, धर्माचार्यों की भूमिका विषय पर आयोजित संगोष्ठी सांय ४.३० बजे से जूम के माध्यम से जुड़ कर अपने संबोधन में कहा कि समाज की वास्तविक उन्नति केवल आर्थिक समृद्धि से नहीं, बल्कि संस्कार, चरित्र एवं नैतिक मूल्यों से होती है। परिवार और समाज को सही दिशा देने में धर्माचार्यों की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। श्री गोयनका ने कहा कि वर्तमान समय में नई पीढ़ी अनेक चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे में धर्माचार्यों का मार्गदर्शन युवाओं को सत्य, सेवा, संयम, सद्भाव एवं संस्कारों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि धर्म को केवल पूजा तक सीमित न रखकर उसे आचरण, परिवार एवं सामाजिक जीवन में उतारना ही सच्चे संस्कारों की पहचान है।

लगभग ६:३० बजे दल नगांव के हैबरगांव स्थित मारवाड़ी भवन पहुंचा, जहां **नगांव शाखा** ने आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों–जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, अग्रवाल सभा, माहेश्वरी सभा, नगांव राजस्थानी युवक संघ, मारवाड़ी सम्मेलन चापरमुख शाखा एवं ढिंग शाखा–के पदाधिकारियों ने भी राष्ट्रीय पदाधिकारियों का अभिनंदन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने संगठन की मजबूती, समाज की एकता और सेवा कार्यों के विस्तार पर जोर देते हुए अधिकाधिक समाजबंधुओं को संगठन से जोड़ने का आह्वान किया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा ने मारवाड़ी भाषा में संगठन की शक्ति और सक्रिय कार्यकर्ताओं के महत्व पर विचार रखे।

नगांव से जोरहाट के लिए रवाना हुए दल को काजीरंगा में कठिन परिस्थिति का सामना करना पड़ा। अत्यधिक वर्षा के कारण सड़क खराब थी और राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा की गाड़ी के एक तरफ के दोनों टायर एक साथ फट गए। लगभग साढ़े तीन घंटे की मशक्कत के बाद सेकेंड हैंड टायर लगाकर वाहन आगे बढ़ सका। रात लगभग २ बजे रंगामाटी के ढाबे में भोजन हुआ और यह कठिन यात्रा साथियों के बीच हंसी-मजाक के कारण **"An Adventures Night in Kaziranga"** के रूप में यादगार बन गई। रात ३:४५ बजे दल जोरहाट के जीके पैलेस होटल पहुंचा।

९ अगस्त २०२६ : जोरहाट से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों तक सेवा का विस्तार

९ अगस्त की सुबह जोरहाट में समाजबंधुओं के साथ आत्मीय मिलन एवं जलपान के बाद प्रातः ९:३० बजे मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी स्थित मंदिर में दर्शन किए गए। इसके बाद टियोक के लिए काफिला रवाना हुआ। मंडलीय उपाध्यक्ष श्री अनिल केजरीवाल, पूर्व मंडलीय उपाध्यक्ष श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष श्री कन्हैयालाल हरलालका एवं सचिव श्री बाबूलाल सांखला भी साथ हो लिए।

टियोक : ६०० परिवारों तक राहत पहुंचाने का संकल्प

टियोक में मारवाड़ी सम्मेलन शाखा द्वारा राधा-कृष्ण मंदिर परिसर में बाढ़ राहत अभियान का शुभारंभ किया गया। लगभग ६०० बाढ़ प्रभावित परिवारों तक आवश्यक सामग्री पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया। प्रथम चरण में नगर क्षेत्र के १३० परिवारों को राहत सामग्री वितरित की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा तथा राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में अभियान को गति मिली।

प्रभावित परिवारों को तिरपाल, मच्छरदानी, बेडशीट, चादर, बाल्टी, फिनायल, ब्लीचिंग पाउडर, साबुन सहित अन्य उपयोगी सामग्री दी गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन विपदा के समय जरूरतमंदों के साथ खड़ा रहता है और आवश्यकता बढ़ने पर अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराने का भी प्रयास करेगा।

आमगुड़ी : राहत के साथ सामाजिक सुधार और संगठन पर संवाद

टियोक से लगभग ११:३० बजे चार वाहनों का काफिला आमगुड़ी के लिए रवाना हुआ। शाखा अध्यक्ष श्री दिनेश जैन की व्यवस्था में होटल बोब के कॉन्फ्रेंस हॉल में बैठक आयोजित हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा सहित राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं मंडलीय पदाधिकारियों का पारंपरिक असमिया गामोछा, झापी एवं सम्मान सामग्री से अभिनंदन किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने विपत्ति के समय मारवाड़ी समाज की सेवा परंपरा को रेखांकित करते हुए सामाजिक जीवन में सकारात्मक बदलाव की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने शादी-विवाह में अनावश्यक खर्च एवं दिखावे को कम करने तथा समाजहित में सकारात्मक परिवर्तन लाने का आह्वान किया। साथ ही बच्चों के लिए रोजगार एवं अवसर, शिक्षा और चिकित्सा सेवा जैसे क्षेत्रों में सम्मेलन की भूमिका को रेखांकित किया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा ने संगठन की सक्रियता एवं शाखाओं की भूमिका पर विचार रखे।

शिवसागर : राहत से पुनर्वास और संगठन के आत्ममंथन तक

दोपहर लगभग १:१५ बजे प्रतिनिधिमंडल शिवसागर पहुंचा, जहां रोटरी क्लब भवन में विशेष राहत एवं संवाद कार्यक्रम

आयोजित हुआ। ७० से अधिक समाजबंधु उपस्थित रहे। शाखा अध्यक्ष श्री प्रदीप खेमका ने बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों की जानकारी दी। प्रांतीय कार्यसमिति सदस्य **श्री रूपचंद करनानी** ने प्रथम दिन से किए गए राहत कार्यों का विवरण दिया। प्रशासन एवं सिविल डिफेंस के समन्वय से खाद्य सामग्री, कपड़े, मच्छरदानी, पानी, दूध एवं स्वच्छता सामग्री प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाई गई।

प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक ने समाज की विभिन्न संस्थाओं द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों को व्यापक मारवाड़ी समाज के साझा प्रयास से जोड़ने की आवश्यकता बताई। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन गोयनका ने शिवसागर के कार्यकर्ताओं के सेवा प्रयासों की सराहना की। इसी अवसर पर लालुक-दुलाहट-हारमोती शाखा को मंडल-सी की २२वीं नवीन शाखा के रूप में विकसित करने की दिशा में १५ आजीवन सदस्यों के आवेदन-पत्र एवं राशि राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपे गए। सेवा यात्रा के बीच संगठन विस्तार की यह महत्वपूर्ण उपलब्धि रही।

नाजिरा-गैलेकी : बाढ़ पीड़ा, गौसेवा और मानवीय संवेदना

सायं लगभग ४ बजे दल नाजिरा–गैलेकी के लिए रवाना हुआ। श्री कृष्ण गोवर्धनधारी गौशाला में सायं ५ से ६ बजे तक बाढ़ राहत समीक्षा बैठक हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा एवं प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक ने प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। प्रांत की ओर से एक जरूरतमंद परिवार को सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया।

बाढ़ के कारण नाजिरा क्षेत्र में पेयजल संकट उत्पन्न हो गया था। गौशाला में गौवंश भी पानी के अभाव से प्रभावित था। शिवसागर शाखा अध्यक्ष श्री प्रदीप खेमका ने प्रशासन के साथ समन्वय कर गौवंश के लिए तत्काल १०,००० लीटर पानी उपलब्ध कराया। राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रतिनिधिमंडल ने गौशाला का निरीक्षण किया, बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लिया तथा गौमाता को चारा खिलाकर सेवा की। सोनारी के जरूरतमंद समाजबंधुओं को भी सहायता राशि के चेक प्रदान किए गए।

शिमलगुड़ी : कार्यकर्ताओं के मनोबल को मिला संबल

नाजिरा से दल शिमलगुड़ी पहुंचा, जहां धर्मशाला में सायं ६:३० से ८ बजे तक शाखा अध्यक्ष श्री पवन मस्करा की अध्यक्षता में बैठक हुई। बाढ़ से हुए नुकसान, राहत कार्यों, जरूरतमंद परिवारों को दी गई नकद सहायता और भेजी गई राहत सामग्री की जानकारी साझा की गई। राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने शाखा कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निरंतर सेवा करने के लिए उनका अभिनंदन किया।

वापसी यात्रा : कठिनाइयों के बीच भी सेवा का कारवां जारी

रात्रि ८:१५ बजे शिमलगुड़ी से काफिला रवाना हुआ। मोरान, सोनारी, शिवसागर, नॉर्थ लखीमपुर एवं बंदरदेवा के साथी अपने-अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए। वापसी के दौरान टियोक के पास पुनः एक वाहन का टायर खराब हुआ। श्री विनोद कुमार लोहिया की गाड़ी की स्टेपनी लगाकर वाहन को जोरहाट तक पहुंचाया गया। जोरहाट में प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री माखनलाल गढाणी दो नए टायर लेकर पहले से तैयार थे। रंगामाटी में भोजन के साथ वाहन के तीनों टायरों की फिटिंग एवं मरम्मत कराई गई।

लगभग दो घंटे बाद दल गुवाहाटी के लिए रवाना हुआ। १० अगस्त २०२६ को प्रातः लगभग ६:०५ बजे श्री विनोद कुमार लोहिया ने प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक को उनके घर पहुंचाया। श्री बसंत सुराणा ने धुबड़ी शाखा अध्यक्ष को श्री कैलाश काबरा के निवास पर तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका को उनके बड़े भाई श्री रमेश जी गोयनका के निवास पर पहुंचाया। शाम की फ्लाइट से राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका दिल्ली के लिए रवाना हुए।

सोशल मीडिया पेज से जुड़ें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सोशल मीडिया में उपस्थिति फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से प्रारंभ हो चुकी है। सभी समाज-बंधुओं से विनम्र निवेदन है कि फेसबुक : AIMF1935 व इंस्टाग्राम : allindiamarwarifederation_ को अधिक से अधिक संख्या में लाइक/फॉलो करें। इसके द्वारा हम आपसी संवाद एवं संपर्क को बढ़ावा देंगे एवं इससे सम्मेलन की सूचनाओं का आदान-प्रदान भी संभव हो पाएगा। सम्मेलन के सभी प्रांत, शाखा एवं समाज से जुड़े सभी समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि इस सुविधा का लाभ उठाएं तथा अपने सूचना/विचार एवं कार्यक्रम की फोटो पोस्ट करने के लिए राष्ट्रीय कार्यालय में व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल (aimf1935@gmail.com) में भेज सकते हैं, ताकि उपयुक्त जानकारियों को हम एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम! राम!!

– **केदार नाथ गुप्ता**, राष्ट्रीय महामंत्री

श्री महेश बंग प्रांतीय अध्यक्ष बने

महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की आमसभा स्थानीय वेलकम होटल सभागृह में ९ अगस्त २०२६ को उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष **श्री निकेश गुप्ता** की अध्यक्षता में आयोजित इस आमसभा में प्रमुख अतिथि के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री रमेशचंद्र बंग (हिंगणा), पूर्व कैबिनेट मंत्री **श्री जयप्रकाश मुंदड़ा** (वसमत), पूर्व विधायक **श्री गोपीकिशन बाजोरिया**, पूर्व विधायक **श्री बबनराव चौधरी**, मनपा स्थायी समिति सभापति **श्री विजय अग्रवाल**, मारवाड़ी सम्मेलन के प्रसारक एवं नगरसेवक **श्री वीरेंद्रकुमार धोका** (जालना), प्रांतीय कोषाध्यक्ष **श्री शैलेंद्र कागलीवाल** तथा शाखाध्यक्ष **श्री सुरेश अग्रवाल** 'गुरुजी' सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ **छत्रपति शिवाजी महाराज** एवं **महाराणा प्रताप** की प्रतिमाओं के पूजन से हुआ। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष **श्री निकेश गुप्ता** ने अपने कार्यकाल के दौरान किए गए विभिन्न सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यों तथा संगठन के विस्तार के लिए किए गए प्रयासों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

शाखाध्यक्ष **श्री सुरेश अग्रवाल** 'गुरुजी' ने स्वागत भाषण दिया।

आमसभा में सम्मेलन के आगामी कार्यक्रमों, संगठन के विस्तार तथा विभिन्न सामाजिक विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने सम्मेलन द्वारा किए जा रहे विभिन्न सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत एवं गतिशील बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

आमसभा के उत्तरार्ध में वर्ष २०२६-२८ के लिए नए अध्यक्ष का चुनाव किया गया। चुनाव अधिकारी के रूप में **श्री जयप्रकाश मुंदड़ा** ने चुनाव प्रक्रिया का संचालन किया। इसमें नागपुर के श्री महेश बंग को प्रांतीय अध्यक्ष तथा अकोला के **श्री निकेश गुप्ता** को कार्याध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई।

नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष **श्री महेश बंग** ने अपनी नियुक्ति पर उपस्थित सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने संगठन को और अधिक गतिशील एवं मजबूत बनाने के लिए विभिन्न सामाजिक एवं संगठनात्मक उपक्रम चलाने की गवाही दी। सभा अत्यंत सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

इस आमसभा का संचालन **श्री संतोष छाजेड़** ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन श्री श्याम शर्मा ने किया।

इस अवसर पर सर्वश्री मदन मालपाणी, गंगाबिसन कांकर, उमेश पंचारिया, श्रीनिवास पांडे, भरत गुर्जर, सुदेश अटल, मनोज अग्रवाल, गोविंद राठी, हेमंत शर्मा, अशोक व्यास, पूर्व जिलाधिकारी रामनारायण गगरानी, मनीष तवरावाला, सुभाष देविदान, राजेश भांगड़िया, अनिल गोठी, ब्रिजमोहन झवर, डॉ. सुभाष गांधी, प्रदीप मालानी, हनुमान अग्रवाल, महेश भक्कड़, महावीर जांगीड़, दिनेश परलोन, रामेश्वर सोमानी, संतोष अग्रवाल, कैलास वर्मा, सिद्धार्थ रुहाटिया, निलेश अग्रवाल, श्रीकांत गोयनका, संजय खंडेलवाल, सुनील वर्मा, श्यामसुंदर खंडेलवाल, दिलीप खत्री, जयप्रकाश चांडक, अश्विन कटारिया, हरीश खंडेलवाल, निलेश मेहता, बजरंगलाल अग्रवाल, सुमित मुरारका, अभिषेक सोनालावाला, राजकुमार शर्मा, महेंद्र खेतान, मनोज अग्रवाल (शेलू), रितिक अग्रवाल एवं केतन अग्रवाल सहित महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

श्री महेश बंग : संक्षिप्त परिचय

श्री महेश बंग का जन्म ३० जून १९६९ को वाशिम, महाराष्ट्र में हुआ। आपके पिता **श्री रमेश चंद्र बंग** हैं तथा माता स्वर्गीय **श्रीमती राजकुंवर देवी बंग** थीं। आपका पैतृक गांव मुंडवा, नागौर, राजस्थान है। आपने महाराष्ट्र से बी.कॉम. तक की शिक्षा प्राप्त की।

२३ अप्रैल १९९४ को आपका विवाह अमरावती निवासी **श्रीमती अरुणा बंग** के साथ हुआ। आपके तीन बच्चे हैं। बड़ी पुत्री शिवानी का विवाह हो चुका है। आपके जुड़वां बच्चे **सारंग** एवं **नंदिनी** हैं। सारंग वर्तमान में अमेरिका में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ नौकरी भी कर रहे हैं, जबकि नंदिनी बेंगलुरु में कार्यरत हैं।

श्री महेश बंग पिछले लगभग ३० वर्षों से व्यवसाय के क्षेत्र में सक्रिय हैं। ऑटोमोबाइल्स, किराना, सीड्स एवं फर्टिलाइजर्स तथा एजुकेशन इंस्टीट्यूट के विभिन्न व्यवसायों से जुड़े रहते हुए आपने अपने व्यावसायिक जीवन में उल्लेखनीय पहचान बनाई है। व्यवसाय के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों के निर्वहन को भी आपने सदैव प्राथमिकता दी है।

श्री महेश बंग का व्यक्तित्व सक्रिय, दूरदर्शी एवं सहज है। समाजसेवा के प्रति आपकी प्रतिबद्धता शिक्षा, संस्कृति, स्वास्थ्य, खेल एवं जनकल्याण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर दिखाई देती है। आपने अनेक सामाजिक एवं सेवा संस्थाओं के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के लिए उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

आप वर्ष २०२५ में **अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन** से जुड़े। आपके संगठनात्मक अनुभव, सक्रियता एवं सर्वस्वीकार्य व्यक्तित्व को देखते हुए आपको **महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन** के **प्रांतीय अध्यक्ष** पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया तथा आपने इस दायित्व का पदभार ग्रहण किया। संगठन के प्रति आपकी सक्रियता एवं समर्पण के माध्यम से आप सम्मेलन के कार्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

आप यशवंतराव चव्हाण सेंटर, नागपुर; सार्थक फाउंडेशन तथा मारवाड़ी फाउंडेशन, नागपुर के अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। साथ ही आप अखिल भारतवर्षीय बंग परमार्थ ट्रस्ट, मुंडवा, राजस्थान के उपाध्यक्ष एवं श्री संत गमाजी महाराज एज्युकेशन सोसायटी के कोषाध्यक्ष हैं।

इसके अतिरिक्त आप बाबासाहेब केदार सूत गिरणी लिमिटेड एवं सद्गुरु साईं समिति के संचालक हैं तथा MIA Sports & Recreation Club के संस्थापक हैं। विभिन्न संस्थाओं में अपनी सक्रिय सहभागिता के माध्यम से आप सामाजिक सेवा, शिक्षा, खेल एवं जनकल्याण के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं।

प्रांतीय समाचार : महाराष्ट्र

परली बैजनाथ में संगठनात्मक दौरा संपन्न

महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री **श्री रमेशचंद्र बंग**, नागपुर तथा निवर्तमान अध्यक्ष एवं कार्याध्यक्ष **श्री निकेश गुप्ता**, अकोला का परली बैजनाथ में यशस्वी संगठनात्मक दौरा संपन्न हुआ। दौरे की शुरुआत भगवान श्री बैजनाथ के ज्योतिर्लिंग मंदिर में अभिषेक एवं पूजन से हुई। इसके पश्चात सर्वसमावेशक समाज प्रतिनिधियों की सभा आयोजित की गई, जिसमें दोनों पदाधिकारियों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर श्री रमेश बंग एवं श्री निकेश गुप्ता द्वारा शाल एवं बुके देकर सम्मान किया गया। वैद्यनाथ बैंक के संचालक नियुक्ति हेतु सर्वश्री **विजय वाकेकर**, **संदिप लाहोटी**, **डॉ. कुलभूषण जैन** तथा नगर परिषद सदस्य चुनाव हेतु **सौ. पूजा प्रितेश तोतला, सौ. शिल्पा जयंपाल लाहोटी** का सत्कार किया गया। तीसरे सदस्य **सचिन सारडा** बाहरगांव थे।

सभा को संबोधित करते हुए श्री रमेशचंद्रजी बंग एवं श्री निकेशजी गुप्ता ने समाजबंधुओं से महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन से जुड़ने तथा परली बैजनाथ में शाखा स्थापित करने का आह्वान किया। समाजबंधुओं ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए शीघ्र शाखा प्रारंभ करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर पांडुसेठ सोनी, प्रा.के.आर. बंग सर, रामकिशन लड्डा, नंदकिशोर तोतला, विजयसेठ वाकेकर, भिकुलाल भंसाली, ओमप्रका तापड़िया, नंदकिशोर होलाणी, जगदीश सारडा, श्यामजी तोषनीवाल, रमेश सारडा, विनोद लड्डा, कैलाश तोतला, कचरुलाल उपाध्याय, हनुमान ओझा, जयपाल लाहोटी, ओमप्रकाश सारडा, राजेंद्र सोनी, बालकिशन सोनी, अशोक सेठ भाला, शितल पोकर्णा, गोविंदप्रसाद झंवर, कुशल गुप्ता, अनीश अग्रवाल, प्रा.आर. एस. बांगड़, सतीश बंग, सुरेश अग्रवाल, संदीप सेठ लाहोटी, ओमप्रकाश भूतड़ा, कुलभूषण जैन, प्रितम बोरा, अनिल मोदाणी, अशोक लोढ़ा, प्रितेश तोतला, रतन कोठारी, नरेंद्र पटेल, हरीश पटेल, योगेश जाजू, सचिन तोतला, जगदीश मंत्री, केदार सारडा, जगदीश सोमाणी, भारत बंग, हरिप्रसाद सारडा, जयप्रकाश लड्डा, मुकेश कलंत्री, महावीर बडेरा, धर्मचंद बडेरा एवं डॉ. पुनमचंद कांकरिया प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम का प्रास्ताविक धरमचंद बडेरा ने, संचालन डॉ. पुनमचंद कांकरिया ने तथा आभार प्रदर्शन रमेश सारडा ने किया।

स्वागत एवं सम्मान

महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री **श्री रमेशचंद्र बंग**, नागपुर तथा निवर्तमान अध्यक्ष एवं कार्याध्यक्ष **श्री निकेश गुप्ता**, अकोला ने जिंतुर के प्रसिद्ध उद्योगपति एवं महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष **श्री ब्रिजगोपाल तोष्णीवाल** के निजी निवास पर सदिच्छा भेंट की।

इस अवसर पर श्री रमेशचंद्र बंग एवं श्री निकेश गुप्ता ने श्री ब्रिजगोपाल तोष्णीवाल का शाल एवं श्रीफल भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया तथा उन्हें महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा के प्रदेशाध्यक्ष पद की नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएँ दीं।

प्रांतीय समाचार : कर्नाटक

आस्था और आनंद से सजी चौथी देवदर्शन यात्रा

मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि, कर्नाटक-बैंगलोर की चौथी देवदर्शन यात्रा १९ अगस्त २०२६ को अध्यक्षा माया अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित हुई। यात्रा का शुभारंभ कोटिलिंगेश्वर में ५१३ शिवलिंगों की श्रद्धापूर्वक स्थापना के साथ हुआ, जिसने इस आयोजन को विशेष आध्यात्मिक पहचान दी।

यात्रा के दौरान कोटिलिंगेश्वर, सोमेश्वर, कोलारम्मा, नरसिंह तीर्थ श्रीपादराज मठ एवं भोगनंदीश्वर मंदिर के दर्शन किए गए। पूजा-अर्चना, मधुर भजनों, मेडिटेशन एवं वनभोज के साथ हाउजी, अंताक्षरी और मनोरंजक खेलों ने यात्रा को भक्तिमय होने के साथ-साथ आनंदमय और यादगार बना दिया।

इस आयोजन की सफलता में सचिवा शालिनी, सलाहकार मंजू अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष हेमलता सांवरिया सहित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

अध्यक्षा माया ने कहा कि ऐसी यात्राएं धार्मिक आस्था के साथ-साथ सदस्यों में प्रेम, सौहार्द और सामाजिक जुड़ाव को मजबूत करती हैं। सभी के सहयोग से यह चौथी देवदर्शन यात्रा सफल एवं अविस्मरणीय रही।

श्रावण मास की महिमा

श्रावण मास, जिसे सामान्य बोलचाल में सावन का महीना कहा जाता है, हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष माना गया है। यह महीना भगवान शिव की आराधना, तप, संयम, भक्ति और प्रकृति के नवजीवन का प्रतीक है। पुराणों और धार्मिक परंपराओं में सावन से जुड़ी अनेक कथाएँ मिलती हैं।

१. समुद्र मंथन और भगवान शिव का नीलकंठ स्वरूप

श्रावण मास की सबसे प्रसिद्ध पौराणिक कथा समुद्र मंथन से जुड़ी है। देवताओं और असुरों ने अमृत प्राप्त करने के लिए समुद्र मंथन किया। मंथन के दौरान सबसे पहले अत्यंत घातक हलाहल विष निकला। उसके प्रभाव से समस्त सृष्टि संकट में पड़ गई।

देवताओं और ऋषियों ने भगवान शिव से रक्षा की प्रार्थना की। भगवान शिव ने संसार को बचाने के लिए उस विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। विष के प्रभाव से उनका कंठ नीला पड़ गया और वे नीलकंठ कहलाए।

मान्यता है कि विष की गर्मी को शांत करने के लिए देवताओं ने भगवान शिव पर जल अर्पित किया। इसी कारण सावन में शिवलिंग पर जलाभिषेक करने की परंपरा विशेष रूप से प्रचलित हुई। भक्त गंगाजल, दूध, बेलपत्र आदि अर्पित कर भगवान शिव से सुख, शांति और कल्याण की प्रार्थना करते हैं।

२. सावन और भगवान शिव का संबंध

धार्मिक मान्यता के अनुसार सावन भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। इस महीने में शिव आराधना करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है। सोमवार भगवान शिव को समर्पित माना गया है और सावन के सोमवारों का विशेष महत्व है।

भक्त प्रातः स्नान करके शिवलिंग पर जल, दूध, दही, घी, शहद, बेलपत्र, धतूरा और आक के पुष्प अर्पित करते हैं।

"ॐ नमः शिवाय" का जाप करते हुए भगवान शिव की उपासना की जाती है।

३. माता पार्वती की तपस्या और सावन

सावन का संबंध माता पार्वती और भगवान शिव के विवाह से भी जोड़ा जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी।

कहा जाता है कि माता पार्वती की तपस्या और भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें स्वीकार किया। इसी कारण सावन में विशेष रूप से कुंवारी कन्याएँ अच्छे वर की प्राप्ति और विवाहित महिलाएँ अपने पति तथा परिवार के सुख-समृद्धि के लिए शिव-पार्वती की पूजा करती हैं।

४. कांवड़ यात्रा की परंपरा

सावन में कांवड़ यात्रा का भी विशेष धार्मिक महत्व है। श्रद्धालु पवित्र नदियों से जल लेकर पैदल यात्रा करते हैं और उस जल से अपने क्षेत्र के शिव मंदिरों में भगवान शिव का अभिषेक करते हैं।

कांवड़ियों द्वारा "बोल बम" और "हर हर महादेव" का जयघोष वातावरण को शिवमय बना देता है। यह यात्रा श्रद्धा, तपस्या, अनुशासन और संकल्प का प्रतीक मानी जाती है।

५. शिवलिंग पर जल चढ़ाने का आध्यात्मिक अर्थ

शिवलिंग पर जल चढ़ाना केवल एक धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि इसके पीछे गहरा आध्यात्मिक संदेश भी माना जाता है।

जल शीतलता और शांति का प्रतीक है। भगवान शिव के नीलकंठ स्वरूप से जुड़ी कथा हमें यह संदेश देती है कि जीवन में विष अर्थात् कठिनाइयाँ, कटुता और नकारात्मकता आए तो उन्हें अपने भीतर धारण करके भी समाज और संसार के प्रति कल्याणकारी बने रहना चाहिए।

६. सावन और प्रकृति का नवजीवन

सावन केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक दृष्टि से भी विशेष है। वर्षा के कारण धरती हरी-भरी हो जाती है। नदियाँ, तालाब और जलस्रोत पुनः जीवंत होने लगते हैं। पेड़-पौधों में नई हरियाली आती है।

इसलिए सावन को प्रकृति के पुनर्जन्म और जीवन के नवसंचार का महीना भी कहा जा सकता है। भारतीय संस्कृति ने धर्म और प्रकृति को अलग-अलग नहीं देखा; सावन इसका सुंदर उदाहरण है।

७. नाग पंचमी और अन्य पर्व

श्रावण मास में कई महत्वपूर्ण पर्व आते हैं, जिनमें नाग पंचमी, श्रावण सोमवार, मंगला गौरी व्रत, रक्षाबंधन, जन्माष्टमी आदि प्रमुख हैं। अलग-अलग क्षेत्रों में सावन से जुड़ी स्थानीय परंपराएँ भी देखने को मिलती हैं।

विशेषकर महिलाओं के लिए सावन का महीना उत्सव और लोकसंस्कृति से भी जुड़ा है। झूले, सावन के गीत, मेहंदी, हरियाली और पारिवारिक मिलन भारतीय लोकजीवन में इस महीने को विशेष बनाते हैं।

सावन का मूल संदेश

पौराणिक कथाओं और धार्मिक परंपराओं को देखें तो श्रावण मास हमें कई महत्वपूर्ण संदेश देता है-

शिव हमें त्याग और लोककल्याण की प्रेरणा देते हैं।

नीलकंठ की कथा विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखना सिखाती है।

पार्वती की तपस्या संकल्प, श्रद्धा और साधना का संदेश देती है।

कांवड़ यात्रा अनुशासन और आस्था का प्रतीक है।

जलाभिषेक शांति और शीतलता का संदेश देता है। हरियाली और वर्षा प्रकृति के संरक्षण तथा उसके प्रति कृतज्ञता की प्रेरणा देती है। इस प्रकार श्रावण मास केवल भगवान शिव की पूजा का महीना नहीं, बल्कि त्याग, तपस्या, संयम, श्रद्धा, प्रकृति-प्रेम और लोककल्याण की भारतीय भावना को समझने का अवसर है।

इसीलिए भारतीय धार्मिक परंपरा में कहा जाता है-"हर हर महादेव" का स्मरण करते हुए सावन मनुष्य को अपने भीतर की नकारात्मकता का त्याग कर जीवन में शांति, करुणा और सद्भाव का संचार करने की प्रेरणा देता है।

सर्वप्रथम किसने बांधी राखी?

ये बात हैं तब की जब दानवेन्द्र राजा बलि अश्वमेध यज्ञ करा रहे थे। तब नारायण ने राजा बलि को छलने के लिये वामन अवतार लिया और तीन पग में सब कुछ ले लिया।

तब उसे भगवान ने पाताल लोक का राज्य रहने के लिये दे दिया तब उसने प्रभु से कहा की कोई बात नहीं मैं रहने के लिये तैयार हूँ। पर मेरी भी एक शर्त होगी।

भगवान अपने भक्तों की बात कभी टाल नहीं सकते।

उन्होने कहा ऐसे नहीं प्रभु आप छलिया हो पहले मुझे वचन दे की जो मांगूंगा वो आप दोगे। नारायण ने कहा दूँगा दूँगा दूँगा

जब त्रिबाचा करा लिया तब बोले बलि की मैं जब सोने जाऊँ तो जब उठूं तो जिधर भी नजर जाये उधर आपको ही देखूं।

नारायण ने अपना माथा ठोका और बोले इसने तो मुझे पहरेदार बना दिया हैं ये सब कुछ हार के भी जीत गया है।

पर कर भी क्या सकते थे वचन जो दे चुके थे।

ऐसे होते होते काफी समय बीत गया। उधर बैकुंठ में लक्ष्मी जी को चिंता होने लगी नारायण के बिना। उधर नारद जी का आना हुआ, लक्ष्मी जी ने कहा नारद जी आप तो तीनों लोकों में घूमते हैं क्या नारायण को कही देखा आपने

तब नारद जी बोले की पाताल लोक में हैं राजा बलि के पहरेदार बने हुये हैं।

तब लक्ष्मी जी ने कहा मुझे आप ही राह दिखाये की कैसे मिलेंगे?

तब नारद ने कहा आप राजा बलि को भाई बना लो और रक्षा का वचन लो और पहले त्रिबाचा करा लेना दक्षिणा में जो मांगूंगी वो देंगे।

और दक्षिणा में अपने नारायण को माँग लेना।

लक्ष्मी जी सुन्दर स्त्री के भेष में रोते हुये पहुँची

बलि ने कहा क्यों रो रहीं हैं आप

तब लक्ष्मी जी बोली की मेरा कोई भाई नहीं है इसलिए मैं दुखी हूँ

तब बलि बोले की तुम मेरी धरम की बहिन बन जाओ

तब लक्ष्मी ने त्रिबाचा कराया और बोली मुझे आपका ये पहरेदार चाहिये जब ये माँगा

तो बलि पीटने लगे अपना माथा और सोचा

धन्य हो माता पति आये सब कुछ ले गये और ये महारानी ऐसी आयीं की उन्हे भी ले गयीं।

तब से ये रक्षाबन्धन शुरू हुआ था।

और इसी लिये जब कलावा बाँधते समय मंत्र बोला जाता हैं .... येन बद्धो राजा बलि दानबेन्द्रो महाबला तेन त्वाम प्रपद्यये रक्षे माचल माचल:

ये मंत्र हैं - रक्षा बन्धन अर्थात वह बन्धन जो हमें सुरक्षा प्रदान करे, सुरक्षा किस से हमारे आंतरिक और बाहरी शत्रुओं से रोग ऋण से। राखी का मान करे।

गुस्से की दवा

एक धनवान सेठ था, उसकी नेहा नाम की एक ही बेटी थी। लाड प्यार से पाल कर बड़ा किया। घर में नौकर चाकर, किसी चीज़ की कमी नहीं थी।

जब बेटी नेहा, सयानी हो गयी तो एक अच्छा सा, सुयोग्य वर देखकर उसकी शादी कर दी गयी। ससुराल में, माता पिता, ननंद और पति देव, छोटा परिवार था। पहला दिन नेहा ने सुबह उठते ही चाय का प्याला माँगा तो पतिदेव रमेश ने प्यार से कहा कि- 'यहां पर सब काम हम स्वयं ही करते हैं।'

नेहा, यह सुनकर बहुत हैरान हुई कि यहां तो एक भी नौकर नहीं है। किसी तरह रसोई में गयी और अपने लिए चाय बना कर लायी। यहां पर सबके नियम बंधे हुए थे। सुबह की सैर, पहले स्नान फिर पूजा फिर भोजन।

उसे यह सब देख बहुत कठिन लग रहा था। एक दिन तो निकल गया परंतु आदत न होने के कारण उसे बात बात पर गुस्सा आ जाता था।

उसकी इस आदत से पूरा परिवार परेशान था। नेहा की वजह से परिवार में उसके सामने कम से कम बोलने का माहौल बना रहता था। नेहा सब समझ रही थी कि मेरी वजह से सब परेशान हैं परंतु उसे भी समझ नहीं आ रहा था कि वो करे तो करे क्या। एक दिन नेहा के दरवाजे एक साधू आया। नेहा ने साधू को अपनी समस्या बताई।

नेहा ने कहा- 'महाराज! मुझे बहुत जल्दी गुस्सा आ जाता है। मैं चाहकर भी अपने गुस्से पर नियंत्रण नहीं रख पाती। कोई उपाय बताइये।' साधु ने अपने झोले से एक दवा की शीशी निकालकर उसे दी और बताया कि 'जब भी गुस्सा आये। इसमें से चार बूंद दवा अपनी जीभ पर डाल लेना। १० मिनट तक दवा को मुंह में ही रखना है।'

'१० मिनट तक मुंह नहीं खोलना है, नहीं तो दवा असर नहीं करेगी।' महिला ने साधू के बताए अनुसार दवा का प्रयोग शुरू किया। सात दिन में ही उसको महसूस होने लगा कि उसकी गुस्सा करने की आदत पहले से बहुत कम हो गयी है। एक मास बाद वह साधु फिर उसके दरवाजे आया तो नेहा उसके पैरों में गिर पड़ी। उसने कहा, 'महाराज! आपकी दवा से मेरा क्रोध पर पूरा नियंत्रण हो गया है। अब मुझे गुस्सा नहीं आता और मेरे परिवार में शांति का माहौल रहता है।'

तब साधू महाराज ने उसे बताया कि वह कोई दवा नहीं थी। उस शीशी में केवल पानी भरा था।

शिक्षाः

गुस्से का इलाज केवल चुप रहकर ही किया जा सकता है। क्योंकि गुस्से में व्यक्ति उल्टा सीधा बोलता है, जिससे विवाद बढ़ता है। इसलिए क्रोध का इलाज केवल मौन है।

।ॐ का रहस्य।

हिन्दू धर्म में ओम एक 'विशेष ध्वनि' का शब्द है। तपस्वी और ध्यानियों ने जब ध्यान की गहरी अवस्था में सुना की कोई एक ऐसी ध्वनि है जो लगातार सुनाई देती रहती है शरीर के भीतर भी और बाहर भी। हर कहीं, वही ध्वनि निरंतर जारी है और उसे सुनते रहने से मन और आत्मा शांती महसूस करती है तो उन्होंने उस ध्वनि को नाम दिया ओम। आओ जानते हैं इसका रहस्य और चमत्कार।

अनहद नाद : इस ध्वनि को अनाहत कहते हैं। अनाहत अर्थात जो किसी आहत या टकराहट से पैदा नहीं होती बल्कि स्वयंभू है। इसे ही नाद कहा गया है। ओम की ध्वनि एक शाश्वत ध्वनि है जिससे ब्रह्मांड का जन्म हुआ है। ॐ एक ध्वनि है, जो किसी ने बनाई नहीं है। यह वह ध्वनि है जो पूरे कण-कण में, पूरे अंतरिक्ष में हो रही है और मनुष्य के भीतर भी यह ध्वनि जारी है। सूर्य सहित ब्रह्मांड के प्रत्येक गृह से यह ध्वनि बाहर निकल रही है।

ब्रह्मांड का जन्मदाता : शिव पुराण मानता है कि नाद और बिंदु के मिलन से ब्रह्मांड की उत्पत्ति हुई। नाद अर्थात ध्वनि और बिंदु अर्थात शुद्ध प्रकाश। यह ध्वनि आज भी सतत जारी है। ब्रह्म प्रकाश स्वयं प्रकाशित है। परमेश्वर का प्रकाश। इसे ही शुद्ध प्रकाश कहते हैं। संपूर्ण ब्रह्मांड और कुछ नहीं सिर्फ कंपन, ध्वनि और प्रकाश की उपस्थिति ही है। जहां जितनी ऊर्जा होगी वहां उतनी देर तक जीवन होगा। यह जो हमें सूर्य दिखाई दे रहा है एक दिन इसकी भी ऊर्जा खत्म हो जाने वाली है। धीरे-धीरे सबकुछ विलिन हो जाने वाला है। बस नाद और बिंदु ही बचेगा।

ओम शब्द का अर्थ : ॐ शब्द तीन ध्वनियों से बना हुआ है- अ, उ, म...। इन तीनों ध्वनियों का अर्थ उपनिषद में भी आता है। अ मतलब अकार, उ मतलब ऊंकार और म मतलब मकार। 'अ' ब्रह्मा का वाचक है जिसका उच्चारण द्वारा हृदय में उसका त्याग होता है। 'उ' विष्णु का वाचक हैं जिसाक त्याग कंठ में होता है तथा 'म' रुद्र का वाचक है और जिसका त्याग तालुमध्य में होता है।

ओम का आध्यात्मिक अर्थ : ओ, उ और म- उक्त तीन अक्षरों वाले शब्द की महिमा अपरम्पार है। यह नाभि, हृदय और आज्ञा चक्र को जगाता है। यह ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतीक भी है और यह भू: लोक, भूव: लोक और स्वर्ग लोग का प्रतीक है। ओंकार ध्वनि के १०० से भी अधिक अर्थ दिए गए हैं।

मोक्ष का साधन : ओम ही है एकमात्र ऐसा प्रणव मंत्र जो आपको अनहद या मोक्ष की ओर ले जा सकता है। धर्मशास्त्रों के अनुसार मूल मंत्र या जप तो मात्र ओम ही है। ओम के आगे या पीछे लिखे जाने वाले शब्द गोण होते हैं। प्रणव ही महामंत्र और जप योग्य है। इसे प्रणव साधना भी कहा जाता है। यह अनादि और अनंत तथा निर्वाण, कैवल्य ज्ञान या मोक्ष की अवस्था का प्रतीक है। जब व्यक्ति निर्विचार और शून्य में चला जाता है तब यह ध्वनि ही उसे निरंतर सुनाई देती रहती है।

मोक्ष का साधन : ओम ही है एकमात्र ऐसा प्रणव मंत्र जो आपको अनहद या मोक्ष की ओर ले जा सकता है। धर्मशास्त्रों के अनुसार मूल मंत्र या जप तो मात्र ओम ही है। ओम के आगे या पीछे लिखे जाने वाले शब्द गोण होते हैं। प्रणव ही महामंत्र और जप योग्य है। इसे प्रणव साधना भी कहा जाता है। यह अनादि और अनंत तथा निर्वाण, कैवल्य ज्ञान या मोक्ष की अवस्था का प्रतीक है। जब व्यक्ति निर्विचार और शून्य में चला जाता है तब यह ध्वनि ही उसे निरंतर सुनाई देती रहती है।

प्रणव की महत्ता : शिव पुराण में प्रणव के अलग-अलग शाब्दिक अर्थ और भाव बताए गए हैं- 'प्र' यानी प्रपंच, 'ण' यानी नहीं और 'व:' यानी तुम लोगों के लिए। सार यही है कि प्रणव मंत्र सांसारिक जीवन में प्रपंच यानी कलह और दुःख दूर कर जीवन के अहम लक्ष्य यानी मोक्ष तक पहुंचा देता है। यही कारण है ॐ को प्रणव नाम से जाना जाता है। दूसरे अर्थों में प्रणव को 'प्र' यानी यानी प्रकृति से बने संसार रूपी सागर को पार कराने वाली 'ण' यानी नाव बताया गया है। इसी तरह ऋषि-मुनियों की दृष्टि से 'प्र' अर्थात प्रकर्षेण, 'ण' अर्थात नयेत और 'व:' अर्थात युष्मान् मोक्षम इति वा प्रणवः बताया गया है। जिसका सरल शब्दों में मतलब है हर भक्त को शक्ति देकर जनम-मरण के बंधन से मुक्त करने वाला होने से यह प्रणवः है।

स्वत: ही उत्पन्न होता है जाप : ॐ के उच्चारण का अभ्यास करते-करते एक समय ऐसा आता है जबकि उच्चारण करने की आवश्यकता नहीं होती आप सिर्फ आंखों और कानों को बंद करके भीतर उसे सुनें और वह ध्वनि सुनाई देने लगेगी। भीतर प्रारंभ में वह बहुत ही सूक्ष्म सुनाई देगी फिर बढ़ती जाएगी। साधु-संत कहते हैं कि यह ध्वनि प्रारंभ में झींगुर की आवाज जैसी सुनाई देगी। फिर धीरे-धीरे जैसे बीन बज रही हो, फिर धीरे-धीरे ढोल जैसी थाप सुनाई देने लग जाएगी, फिर यह ध्वनि शंख जैसी हो जाएगी और अंत में यह शुद्ध ब्रह्मांडीय ध्वनि हो जाएगी।

शारीरिक रोग और मानसिक शांति हेतु : इस मंत्र के लगातार जप करने से शरीर और मन को एकाग्र करने में मदद मिलती है। दिल की धड़कन और रक्तसंचार व्यवस्थित होता है। इससे शारीरिक रोग के साथ ही मानसिक बीमारियां दूर होती हैं। काम करने की शक्ति बढ़ जाती है। इसका उच्चारण करने वाला और इसे सुनने वाला दोनों ही लाभांवित होते हैं।

सृष्टि विनाश की क्षमता : ओम की ध्वनि में यह शक्ति है कि यह इस ब्रह्मांड के किसी भी गृह को फोड़ने या इस संपूर्ण ब्रह्मांड को नष्ट करने की क्षमता रखता है। यह ध्वनि सूक्ष्म से भी सूक्ष्म और विराट से भी विराट होने की क्षमता रखती है।

जब भगवान ने बनाई स्त्री

जब भगवान स्त्री की रचना कर रहे थे तब उन्हें काफी समय लग गया। छठा दिन था और स्त्री की रचना अभी अधूरी थी।

इसलिए देवदूत ने पूछा- भगवान, आप इसमें इतना समय क्यों ले रहे हो?

भगवान ने जवाब दिया- क्या तुमने इसके सारे गुणधर्म देखे हैं, जो इसकी रचना के लिए जरूरी हैं।

यह हर प्रकार की परिस्थितियों को संभाल सकती है। यह एकसाथ अपने सभी बच्चों को संभाल सकती है एवं खुश रख सकती है। यह अपने प्यार से घुटनों की खरोंच से लेकर टूटे दिल के घाव भी भर सकती है। यह सब सिर्फ अपने दो हाथों से कर सकती है। इसमें सबसे बड़ा गुणधर्म यह है कि बीमार होने पर अपना ख्याल खुद रख सकती है एवं १८ घंटे काम भी कर सकती है।

देवदूत चकित रह गया और आश्चर्य से पूछा कि भगवान क्या यह सब दो हाथों से कर पाना संभव है?

भगवान ने कहा- यह मेरी अद्‌भुत रचना है।

देवदूत ने नजदीक जाकर स्त्री को हाथ लगाया और कहा- भगवान यह तो बहुत नाजुक है।

भगवान ने कहा- हां, यह बाहर से बहुत ही नाजुक है, मगर इसे अंदर से बहुत मजबूत बनाया है। इसमें हर परिस्थितियों का संभालने की ताकत है। यह कोमल है पर कमजोर नहीं है।

देवदूत ने पूछा- क्या यह सोच भी सकती है?

भगवान ने कहा- यह सोच भी सकती है और मजबूत होकर मुकाबला भी कर सकती है।

देवदूत ने नजदीक जाकर स्त्री के गालों को हाथ लगाया और बोला- भगवान ये तो गीले हैं। लगता है इसमें से कुछ बह रहा है।

भगवान बोले- यह इसके आंसू हैं।

देवदूत- आंसू किसलिए?

भगवान बोले- यह भी इसकी ताकत है। आंसू इसको फरियाद करने, प्यार जताने एवं अपना अकेलापन दूर करने का तरीका है।

देवदूत- भगवान आपकी रचना अद्‌भुत है। आपने सब कुछ सोचकर बनाया है। आप महान हैं।

भगवान बोले- यह स्त्रीरूपी रचना अद्‌भुत है। यही हर पुरुष की ताकत है, जो उसे प्रोत्साहित करती है। वे सभी को खुश देखकर खुश रहती हैं, हर परिस्थिति में हंसती रहती हैं। उसे जो चाहिए, वह लड़कर भी ले सकती है। उसके प्यार में कोई शर्त नहीं है। उसका दिल टूट जाता है, जब अपने ही उसे धोखा दे देते हैं, मगर हर परिस्थितियों से समझौता करना भी जानती है।

देवदूत- भगवान आपकी रचना संपूर्ण है।

भगवान बोले- ना, अभी इसमें एक त्रुटि है।

'यह अपना महत्व भूल जाती है।'

प्रेम एहसास और अपनापन

एक बार जब प्रभु श्रीरामजी, लक्ष्मण जी व सीता जी के साथ चित्रकूट पर्वत की ओर जा रहे थे, तो वहां की राह बहुत ही पथरीली और कंटीली थी तभी प्रभु श्रीराम जी के चरणों में एक कांटा चुभ गया।

लेकिन वो नाराज नही हुए और न ही क्रोधित हुए बल्कि हाथ जोड़कर धरती मां से एक अनुरोध करने लगे।

श्रीराम जी बोले - माँ मेरी एक विनम्र प्रार्थना है आपसे।

धरती माता जी बोली - 'प्रभु जी आज्ञा नहीं आदेश दीजिये मुझ दासी को।'

'मां, मेरी बस यही विनती है की जब भरत मेरी खोज में इस पथ से गुजरे, तो तुम नर्म हो जाना। कुछ पल के लिए अपने आंचल के ये पत्थर और कांटे छुपा लेना। मुझे कांटा चुभा सो चुभा, पर मेरे भरत के पांव में आघात मत करना', विनम्र भाव से श्रीराम जी बोले।

श्रीराम जी को यूं व्यग्र देखकर धरती माँ दंग रह गई।

धरती मां ने पूछा - भगवन, धृष्टता क्षमा हो, पर क्या भरत जी आपसे अधिक सुकुमार हैं ?

जब आप इतनी सहजता से सब सहन कर गए, तो क्या कुमार भरत जी नहीं कर पाएंगे? फिर उनको लेकर आपके मन में ऐसी व्याकुलता क्यों ?

श्रीराम जी बोले' - नहीं नहीं! माताजी। आप मेरे कहने का अभिप्राय नही समझीं। भरत को यदि कांटा चुभा तो वह उसके पांव को नहीं, उसके ह्मदय को चोट कर देगा।'

ह्रदय को चोट? ऐसा क्यों प्रभुजी?' धरती मां जिज्ञासा घुले स्वर में पूछी।

अपनी पीड़ा से नहीं माँ बल्कि यह सोचकर की इसी पथरीली और कंटीली राह से मेरे भ्राता राम गुजरे होंगे और ये शूल उनके पगों में भी चुभे होंगे।

मैया, मेरा भरत कल्पना में भी मेरी पीड़ा सहन नही कर सकता इसलिए उसकी उपस्थिति में आप कमल पंखुड़ियों जैसी कोमल बन जाना।

संदेश :- इसीलिए कहा गया है की रिश्ते खून से नही, परिवार से नही, समाज से नही, मित्रता से नही, व्यवहार से नही बनते, बल्कि सिर्फ और सिर्फ 'एहसास' से ही बनते और निभाए जाते हैं।

जहां एहसास ही नहीं आत्मीयता ही नहीं, वहां अपनापन कहां से आएगा?

रामायण का सन्देश

शिव कुमार टेकरीवाल कनार्टक के अध्यक्ष निर्वाचित

कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की आमसभा २४ जुलाई २०२६ को सौहार्दपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई। संगठन की एकता, सामाजिक उत्तरदायित्व और सेवा भावना को समर्पित इस बैठक में वर्ष २०२६-२८ के लिए **श्री शिव कुमार टेकरीवाल** को सर्वसम्मति से सम्मेलन का नया अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। उनके निर्वाचन पर उपस्थित सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में सम्मेलन समाजहित, संगठन सुदृढ़ीकरण और जनसेवा के नए आयाम स्थापित करेगा।

आमसभा की अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष **श्री सीताराम अग्रवाल** ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कार्यकाल के दौरान संगठन द्वारा किए गए सामाजिक, सेवा एवं संगठनात्मक कार्यों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था की वास्तविक शक्ति उसके कार्यकर्ताओं की निष्ठा, सहयोग और सेवा-भाव में निहित होती है।

बैठक के दौरान बैंगलोर महिला परिधी शाखा की अध्यक्षा **श्रीमती माया अग्रवाल** ने अध्यक्ष पद के लिए वर्तमान महामंत्री **श्री शिव कुमार टेकरीवाल** के नाम का प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव का समर्थन मारवाड़ी सम्मेलन बेंगलुरु शाखा के अध्यक्ष **श्री पंकज जालान**, बेंगलुरु प्रोफेशनल शाखा के सचिव **श्री महेश अग्रवाल** सहित सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने किया। इसके पश्चात ध्वनि मत से सर्वसम्मति के साथ श्री टेकरीवाल को सम्मेलन का नया अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष का सम्मान अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **डॉ. सुभाष अग्रवाल** ने पुष्पमाला पहनाकर किया तथा उनके सफल, सक्रिय और जनकल्याणकारी कार्यकाल की मंगलकामना की। उपस्थित सदस्यों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उनका अभिनंदन करते हुए संगठन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का विश्वास व्यक्त किया।

इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन बेंगलुरु शाखा के सचिव **श्री स्नेह कुमार जाजू** एवं कोषाध्यक्ष **श्री मनीष अग्रवाल** ने शाखा की वार्षिक गतिविधियों, सेवा परियोजनाओं और सामाजिक कार्यक्रमों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

अपने संक्षिप्त उद्बोधन में नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री शिव कुमार टेकरीवाल ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह दायित्व उनके लिए सम्मान के साथ-साथ समाज के प्रति एक पवित्र उत्तरदायित्व भी है। उन्होंने कहा कि संगठन की शक्ति उसकी सामूहिक सोच, पारदर्शिता, सेवा-भाव और संस्कारों में निहित है। सभी को साथ लेकर समाजहित, युवा सशक्तिकरण, महिला सहभागिता और सेवा कार्यों को नई गति प्रदान करना उनकी प्राथमिकता होगी।

श्री शिव कुमार टेकड़ीवाल: संक्षिप्त परिचय

श्री शिव कुमार टेकड़ीवाल का जन्म ९ नवंबर १९६१ को भागलपुर, बिहार में हुआ। आपके पैतृक गांव का संबंध झुंझुनू (राजस्थान) से है। आपके पिता स्व. **श्री सत्यनारायण टेकड़ीवाल** एवं माता **श्रीमती सुलोचना देवी टेकड़ीवाल** हैं। आपकी प्रारंभिक एवं औपचारिक शिक्षा भागलपुर में ही संपन्न हुई।

वर्ष १९८० में आपका विवाह मालदा निवासी **श्रीमती संतोष देवी टेकड़ीवाल** के साथ हुआ। वर्ष १९९४ में आप बेंगलुरु आ गए और यहीं अपने व्यवसायिक जीवन की नई शुरुआत की। आपने मेसर्स **पवन सिल्क कंपनी** की स्थापना कर व्यवसाय के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई।

श्री शिव कुमार टेकड़ीवाल का व्यक्तित्व सहज, सरल और आत्मीय है। समाज का प्रत्येक व्यक्ति–चाहे वह वरिष्ठ हो, युवा हो, महिला हो अथवा नया सदस्य–आपसे बिना किसी औपचारिकता के सहजता से मिल सकता है। आप धैर्यपूर्वक सभी की बात सुनते हैं और यथासंभव समाधान खोजने का प्रयास करते हैं। आपकी यही सरलता, विनम्रता और सहयोग की भावना आपको समाज के विभिन्न वर्गों में सम्मान एवं विश्वास का पात्र बनाती है।

श्री शिव कुमार टेकड़ीवाल का सामाजिक जीवन अत्यंत व्यापक एवं सक्रिय रहा है। आपने स्वयं को किसी एक संस्था तक सीमित न रखते हुए विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा संगठनों के माध्यम से समाजसेवा में निरंतर योगदान दिया है।

आप वर्ष १९८७ में बिहार प्रांत से अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से जुड़े। बेंगलुरु आने के बाद कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन में आपकी सक्रिय भूमिका निरंतर बढ़ती गई। आपने लगातार तीन प्रांतीय अध्यक्षों के कार्यकाल में प्रांतीय महामंत्री के रूप में संगठन को अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। आपके संगठनात्मक अनुभव, सक्रियता एवं सर्वस्वीकार्य व्यक्तित्व को देखते हुए आपको कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया और आपने पदभार ग्रहण किया।

सम्मेलन के अतिरिक्त आप श्री दादी धाम प्रचार समिति के अध्यक्ष हैं। साथ ही श्री सालासर बालाजी सेवा समिति, इस्कॉन इंटरनेशनल, विश्व हिंदू परिषद (कर्नाटक) तथा फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल्स सोसायटी (एकल अभियान) जैसे प्रतिष्ठित सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों से भी सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

आप मारवाड़ी युवा मंच (आर), बेंगलुरु के संस्थापक, भोले शंकर सेवा समिति के पूर्व अध्यक्ष, श्री राजराजेश्वरी नगर नागरिक समिति के पूर्व अध्यक्ष, कर्नाटक मारवाड़ी समाज के पूर्व उपाध्यक्ष तथा अग्रवाल समाज (कर्नाटक) और इंटरनेशनल वैष्णव फेडरेशन (कर्नाटक) के पूर्व कार्यकारिणी सदस्य भी रह चुके हैं।

श्री शिव कुमार टेकड़ीवाल एवं श्रीमती संतोष देवी टेकड़ीवाल के दो पुत्र **श्री संदीप टेकड़ीवाल** एवं **श्री सुमित टेकड़ीवाल** तथा एक पुत्री श्रीमती खुशबु बंसल हैं। तीनों का विवाह संपन्न हो चुका है। वर्तमान में आप अपने दोनों पुत्रों के साथ व्यवसाय में सक्रिय रहते हुए बेंगलुरु में निवास कर रहे हैं। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार की ओर से आपको हार्दिक बधाई।

प्रांतीय समाचार : तेलंगाना

श्री गोविन्द राठी तेलंगाना प्रांत के अध्यक्ष बने

९ अगस्त २०२६ को हशमतगंज, सुल्तान बाजार में 'राठी निवास' पर तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की **साधारण सभा** का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए प्रादेशिक सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री रामप्रकाश भण्डारी** ने सम्मेलन की गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के मार्गदर्शन में प्रादेशिक सम्मेलन के सदस्य समाज के प्रति अपने दायित्व निर्वहन का हर सम्भव प्रयास कर रहे है। समय-समय पर मारवाड़ की सनातन परम्पराओं की महत्ता और सांस्कृतिक धरोहर के प्रति नयी पीढ़ी को जागरूक करने के लिये जो कार्यक्रम आयोजित किये गये है उससे युवा वर्ग में समाज के प्रति चेतना जागृत हुई है।

प्रांतीय महामंत्री **श्री अमित लड्ढा** ने विगत बैठक की संक्षिप्त कार्यविवरण सदस्यों को सुनाया जिसे पारित किया गया। तत्पश्चात अध्यक्ष **श्री रामप्रकाश भण्डारी** ने सम्मेलन के संविधान के अनुसार आगामी सत्र के लिये सम्मेलन के सदस्य **श्री कमल किशोर जाजू** को अध्यक्षीय चुनाव कराने के लिए चुनाव अधिकारी नियुक्त किया।

चुनाव अधिकारी श्री कमल किशोर जाजू ने उपस्थित सदस्यों को बताया कि प्रादेशिक सम्मेलन के अध्यक्ष पद के चुनाव हेतु नामांकन आमंत्रित किए। अध्यक्ष पद हेतु **श्री लक्ष्मीनारायण राठी** द्वारा प्रस्तावित एवं **श्री हरिप्रसाद कालिया** द्वारा अनुमोदित **श्री गोविन्द राठी** सभा के समक्ष आया। चुनाव अधिकारी द्वारा सभा में उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा केवल एक ही नाम प्रस्तावित होने पर चुनाव अधिकारी द्वारा सर्वसम्मति से आगामी सत्र हेतु गोविन्द राठी को तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष को बधाई देते हुए श्री रामप्रकाश भण्डारी ने तत्काल प्रभाव से सम्मेलन का कार्यभार सौंपा।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री गोविन्द राठी ने कहा कि वे अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के शीर्ष नेतृत्व के मार्गदर्शन में प्रादेशिक संगठन का प्रदेश के जिला स्तर तक पहुँचाने के लिए सकारात्मक कदम उठायेंगे।

साधारण सभा में पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री रमेश कुमार बंग, निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री रामप्रकाश भण्डारी, गोविन्द राठी, श्री सुमित राठी, श्री युगलकिशोर वर्मा, श्री बसंत डालिया, श्री रामदेव करवा, श्री विष्णुप्रकाश राठी, श्री दिनेश कुमार तोषनीवाल, श्री घनश्याम बंग, श्री दिनेश कुमार बंग, श्री दीपक भाटी, श्री रमेशचन्द्र लाहोटी, श्री हरिप्रसाद कालिया, श्री लक्ष्मीनारायण राठी, श्री कमलकिशोर जाजू, श्री दिनेश बजाज, श्री हनुमानदास सारडा, श्री सुमेश कुमार बंग, सीए कन्हैयालाल राठी, श्री दीपक कुमार बंग, श्री कैलाश मंत्री, श्री अमित कुमार लड्ढा, श्री प्रीतम जाजू, श्री रामनिवास असावा, श्री श्रीनिवास लोया, श्री घनश्याम तोषनीवाल, श्री नवल डांगरा एवं अन्य उपस्थित रहें।

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION
(A Trust of All India Marwari Federation)

उच्च शिक्षा कोष

समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

विगत १५ वर्षों में देश के विभिन्न भागों के सैंकड़ों छात्र-छात्राओं को करीब साढ़े ४ करोड़ रुपयों का दिया जा चुका है अनुदान

उदारहृदय समाजबंधुओ का मिल रहा है तहेदिल से साथ

आप भी बढ़ाएँ सहयोग का हाथ समाज के सर्वांगीण विकास में बनें भागीदार!

आर्थिक सहयोग हेतु :
A/c Name : Marwari Sammelan Foundation
A/C Higher Education Fund, A/c No. : 912010008929768
Bank : Axis Bank Ltd.
Branch : Paddapukur, Kolkata-700020
IFSC Code : UTIB0001311

सम्पर्क करें :
MARWARI SAMMELAN FOUNDATION
4B, Duckback House (4th Floor)
41, Shakespeare Sarani, Kolkata - 700017
Ph : 033-4004 4089, Mb : 86973 17557
Web : www.marwarisammelan.com
Email : aimf1935@gmail.com

छात्र/छात्राएँ निःशुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें
ईंजीनियरिंग, टेक्निकल, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर-उच्च शिक्षा के लिये छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेधावी एवं जरुरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता :
(क) १७ और २५ वर्षो के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओं में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।
(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय आठ लाख रुपये तक होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया :
(क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रो, प्रवेश के प्रमाण, पासपोर्ट साइज के दो फोटो, पहचान पत्र एवं पते का कोई एक प्रमाण, कोर्स फीस (फीस संरचना एवं संस्थान के बैंक खाते का विवरण, पूरे परिवार का एक फोटो, पारिवारिक आय प्रमाणपत्र, अभिभावक का पुनर्भुगतान पत्र, प्रस्तावक का अनुशंसा पत्र एवं प्रांतीय अध्यक्ष द्वारा अनुशंसा पत्र।
(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जा सकती है।
(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्र-छात्राओं के लिए सुरक्षित है।

आवेदन करें :
चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
५बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७,
फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : msfkolkata@gmail.com

डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया
चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति

संतोष सराफ
संयोजक, उच्च शिक्षा उपसमिति

ऊपरी असम की बाढ़ त्रासदी : ५२ घंटे की सेवा यात्रा

ऊपरी असम में आई भीषण बाढ़ ने अनेक परिवारों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। ऐसे कठिन समय में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन ने केवल राहत सामग्री उपलब्ध कराने तक स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि पीड़ित समाजबंधुओं के बीच पहुँचकर उनका मनोबल बढ़ाने का भी कार्य किया। इसी उद्देश्य से प्रांतीय अध्यक्ष **श्री कैलाश काबरा** एवं प्रांतीय महामंत्री **श्री रमेश कुमार चांडक** ने २५ से २७ जुलाई २०२६ तक लगभग ५२ घंटे में **८०० किलोमीटर** की सेवा यात्रा कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का व्यापक दौरा किया।

यात्रा के दौरान चापरमुख से **मंडल-डी** के सहायक मंत्री **श्री विकास अग्रवाल** भी प्रतिनिधिमंडल से जुड़े। विभिन्न स्थानों पर मंडलीय पदाधिकारी, शाखा अध्यक्ष, कार्यकर्ता एवं समाजबंधुओं ने भी प्रतिनिधिमंडल का साथ देकर राहत कार्यों की जानकारी साझा की।

सेवा यात्रा का प्रथम पड़ाव बोकाखात रहा, जहाँ मंडलीय उपाध्यक्ष **श्री दिनेश भिलवाड़िया** एवं **श्री मनोज बजाज** की उपस्थिति में नवगठित शाखा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में संगठन विस्तार, आगामी कार्यक्रमों तथा अगस्त माह में शाखा के शपथ ग्रहण समारोह के आयोजन पर सहमति बनी।

इसके बाद प्रतिनिधिमंडल डेरगांव पहुँचा, जहाँ शाखाध्यक्ष **श्री ओमप्रकाश सोमानी** यात्रा में सम्मिलित हुए। जोरहाट में **मंडल-बी** के उपाध्यक्ष **श्री अनिल केजरीवाल** एवं मंडलीय सहायक मंत्री **श्री नागर रतावा** भी साथ जुड़े। इसी दौरान शिवसागर शाखाध्यक्ष **श्री प्रदीप खेमका** की सुपुत्री द्वारा बाढ़ पीड़ितों के लिए भेजी गई राहत सामग्री प्रतिनिधिमंडल को सौंपी गई, जिसने नई पीढ़ी के सेवा संस्कारों का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया।

टीयोक पहुँचने पर शाखाध्यक्ष **श्री रामअवतार बिहानी** एवं उनकी टीम बड़े स्तर पर राहत सामग्री तैयार कर प्रभावित क्षेत्रों में भेजने में जुटी मिली। शाखा सचिव **श्री बीजू तुनवाल** नाव के माध्यम से जलमग्न क्षेत्रों में राहत वितरण कर रहे थे। प्रांतीय उपाध्यक्ष **श्री माखनलाल गट्टानी**, वरिष्ठ उपाध्यक्ष **श्री कामाख्या प्रसाद चांडक** एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ राहत कार्यों की समीक्षा की गई तथा सम्मेलन की ओर से राहत कार्यों के लिए ₹५०,००० की सहयोग राशि प्रदान की गई।

आमगुड़ी में शाखाध्यक्ष **श्री दिनेश जैन** तथा मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष **श्री रोहित अग्रवाल** सहित समाज के वरिष्ठजनों एवं कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत बैठक हुई। प्रतिनिधिमंडल ने बाढ़ प्रभावित परिवारों एवं व्यापारियों से मिलकर उनका हाल जाना तथा उन्हें हर संभव सहयोग का विश्वास दिलाया। सम्मेलन द्वारा शाखा को ₹५०,००० तथा एक अत्यंत जरूरतमंद परिवार को ₹१०,००० की तत्काल सहायता प्रदान की गई। इसी दौरान हाल ही में दिवंगत स्वर्गीय ऋषभ लोहिया के परिजनों से मिलकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। **श्री नन्दकिशोर सारडा** के निवास पर भोजन उपरांत अन्य समाज परिवारों से भी भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना गया।

इसके पश्चात प्रतिनिधिमंडल शिवसागर पहुँचा, जहाँ शाखाध्यक्ष **श्री प्रदीप खेमका** द्वारा प्रशासन एवं सिविल डिफेंस के साथ किए जा रहे राहत कार्यों की जानकारी प्राप्त की गई। मारवाड़ी मिलन मंदिर में लगभग १५० सदस्यीय NDRF टीम के ठहरने की व्यवस्था तथा श्याम मंदिर परिसर में मारवाड़ी युवा मंच द्वारा संचालित राहत शिविर का निरीक्षण किया गया। प्रांत की ओर से पूर्व में क्षेत्र का दौरा कर चुके **डॉ. महेश जैन, श्री राजकुमार अग्रवाल, श्री पवन मोर** एवं **श्री अनिल पोद्दार** के प्रयासों की भी सराहना की गई। इस अवसर पर श्री प्रदीप खेमका, श्री दिनेश जैन एवं श्रीमती संध्या खेमका का सम्मान किया गया। मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष श्री अंकुश केडिया एवं श्री संजय चित्तावत ने राहत शिविर की जानकारी दी। सम्मेलन की ओर से शिवसागर शाखा को ₹४५,००० तथा पेयजल व्यवस्था हेतु ₹५,००० की सहायता प्रदान की गई।

नाजिरा में अधिकांश पदाधिकारी राहत कार्यों में व्यस्त होने

के कारण संयुक्त बैठक शिमलगुड़ी में श्री पवन मस्करा के निवास पर आयोजित की गई। बैठक में बाढ़ से सर्वाधिक प्रभावित तीन परिवारों को तत्काल ₹१,२५,००० (₹५०,००० + ₹५०,००० + ₹२५,०००) की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। शिमलगुड़ी एवं नाजिरा शाखा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का सम्मान भी किया गया। सुरक्षा कारणों से सोनारी का दौरा स्थगित कर शाखाध्यक्ष एवं प्रांतीय सलाहकार **श्री अनुप सिंह राजपूत** से दूरभाष पर चर्चा की गई। **श्री सुभाष अग्रवाल** ने देर रात तक प्रतिनिधिमंडल का मार्गदर्शन किया।

वापसी यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने जखलाबंधा-कालियाबार शाखा में शाखाध्यक्ष **श्री संजय तोष्णीवाल**, सचिव **श्री अजय बुच्चा** एवं समाजबंधुओं के साथ **'हर घर सम्मेलन' अभियान, युवा सहभागिता** एवं **संगठन विस्तार** पर चर्चा की। मीसा में **श्री विजय चमड़िया** एवं **श्री रमेश चमड़िया** से मुलाकात हुई, जहाँ **श्री विजय चमड़िया** ने अपने परिवार के दो सदस्यों को सम्मेलन का आजीवन सदस्य बनाने की घोषणा की। नौगांव में समाजबंधुओं से संक्षिप्त संवाद तथा रोहा में शाखाध्यक्ष **श्री मंतुराम शर्मा**, सचिव **श्री संदीप खाटूवाला**, **श्री दिलीप खेतान** एवं **श्री शिव शर्मा** के साथ बैठक कर आगामी शिलांग कार्यसमिति बैठक में अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया।

लगातार ५२ घंटे तक चली इस सेवा यात्रा में प्रतिनिधिमंडल ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया, राहत कार्यों का मूल्यांकन किया, विभिन्न शाखाओं का मनोबल बढ़ाया, जरूरतमंद परिवारों तक आर्थिक सहायता पहुँचाई तथा संगठन विस्तार को नई गति प्रदान की। यह यात्रा केवल राहत कार्यों का निरीक्षण नहीं थी, बल्कि समाज के प्रति संवेदनशीलता, सेवा-भाव, संगठन की शक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व का जीवंत उदाहरण बनकर उभरी।

विशेष राहत तथा संवाद कार्यक्रम आयोजित

असम में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता एवं उनके साथ मजबूती से खड़े रहने के उद्देश्य से मारवाड़ी सम्मेलन, शिवसागर शाखा द्वारा रोटरी क्लब में एक विशेष राहत एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ७० से अधिक समाज बंधुओं एवं सदस्यों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरुआत शिवसागर शाखा के अध्यक्ष **श्री प्रदीप खेमका** के स्वागत संबोधन से हुई।

इसके पश्चात शाखा के प्रांतीय पदाधिकारी **श्री रूपचंद करनानी** ने शिवसागर शाखा द्वारा बाढ़ राहत के दौरान किए गए विभिन्न सेवा कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि शाखा द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में **खाद्य सामग्री, कपड़े, मच्छरदानी, पानी, स्वच्छता सामग्री, दूध** सहित आवश्यकता अनुसार अनेक प्रकार की राहत सामग्री पहुंचाई गई है।

कार्यक्रम में प्रांतीय महामंत्री **श्री रमेश चांडक** ने असम की गंभीर बाढ़ स्थिति पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस समय सबसे बड़ी आवश्यकता प्रभावित परिवारों तक सही समय पर सही सहायता पहुंचाने की है। उन्होंने कहा कि 'सेवा प्रचार के लिए नहीं, जिम्मेदारी के लिए है।'

बाढ़ प्रभावित छात्राओं को स्कूल किट वितरित

१३ अगस्त २०२६ आमगुड़ी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी युवा मंच एवं मारवाड़ी समाज के संयुक्त तत्वावधान में बाढ़ प्रभावित १३० छात्राओं को स्कूल बैग, कॉपी, पेन एवं पानी की बोतल सहित आवश्यक शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ छात्राओं द्वारा **डॉ. भूपेन हजारिका** के प्रसिद्ध गीत **"मानुहे मनुहर बाबे"** की प्रस्तुति से हुआ। विद्यालय अध्यक्ष ने समाज एवं सम्मेलन के जनहित कार्यों की सराहना करते हुए आपदा के समय सहयोग को मानवता की सच्ची सेवा बताया तथा नंद किशोर शारदा एवं सोहन लाल मुंद्रा को कृतज्ञता-पत्र देकर सम्मानित किया।

मारवाड़ी सम्मेलन शाखा अध्यक्ष **श्री दिनेश जैन** ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किए गए राहत कार्यों की जानकारी दी। सम्मेलन के कोषाध्यक्ष **श्री पवन चांडक** सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में थाना प्रभारी श्री मृदुल हजारिका, शिक्षण संस्थानों के पदाधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

'तेजस्विता' महिला अधिवेशन संपन्न

'मारवाड़ी केवल एक नाम नहीं, बल्कि संस्कृति, संस्कार और स्वाभिमान की पहचान है' : पवन गोयनका

'मातृत्व, नेतृत्व और कर्तृत्व की मूरत हैं महिलाएं' : कैप्टन मीरा सिद्धार्थ दवे

नारी शक्ति, सम्मान एवं उत्थान को समर्पित **'तेजस्विता' प्रथम महिला अधिवेशन** का आयोजन ८ एवं ९ अगस्त २०२६ को छत्रीबाड़ी स्थित असम माहेश्वरी भवन में भव्य रूप से संपन्न हुआ। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के इतिहास में पहली बार आयोजित इस दो दिवसीय अधिवेशन का आतिथ्य मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा ने किया, जबकि मानिकचंद ज्वेलर्स का सहयोग रहा। अधिवेशन में पूर्वोत्तर प्रांत की २० महिला शाखाओं से ३०० से अधिक महिलाओं ने भाग लिया।

उद्घाटन सत्र में अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन गोयनका** मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री बसंत सुराणा, श्रीमती अरुणा सरावगी** एवं **श्रीमती खुशबू दम्मानी** विशिष्ट अतिथि रहीं। प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय **श्री विनोद लोहिया**, महामंत्री **श्री रमेश चांडक**, मंडलीय उपाध्यक्ष **श्री सुशील गोयल**, शाखा अध्यक्ष **श्रीमती संतोष शर्मा** तथा स्वागत अध्यक्ष **श्रीमती सरोज मित्तल** भी मंचासीन थीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं असम में आई बाढ़ में दिवंगत लोगों की आत्मा की शांति के लिए एक मिनट का मौन रखकर किया गया। गुवाहाटी महिला शाखा की कार्यकारिणी सदस्यों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। शाखा अध्यक्ष श्रीमती संतोष शर्मा ने अतिथियों एवं विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं का स्वागत करते हुए आयोजन की सफलता में सभी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन गोयनका ने कहा कि "मारवाड़ी केवल एक नाम नहीं, बल्कि संस्कृति, संस्कार और स्वाभिमान की पहचान है।" उन्होंने मेहनत, ईमानदारी एवं संस्कारों के साथ आगे बढ़ने तथा अपनी संस्कृति और परंपराओं को सहेजकर रखने का आह्वान किया। उन्होंने 'तेजस्विता' को महिलाओं की प्रतिभा एवं नेतृत्व को मंच देने वाली सराहनीय पहल बताते हुए आयोजकों को बधाई दी।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा ने समाज में बढ़ती प्री-वेडिंग शूट जैसी कुरीतियों पर चिंता व्यक्त करते हुए नई पीढ़ी को संस्कार एवं मर्यादाओं के अनुरूप सकारात्मक दिशा देने की आवश्यकता बताई। श्रीमती खुशबू दम्मानी ने महिलाओं को अपने सपनों को लक्ष्य में बदलने का आह्वान किया, जबकि श्रीमती अरुणा सरावगी ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर **'तेजस्विता' गीत** एवं **'सुबोधिनी'** पुस्तक का विमोचन किया गया। नारी सशक्तिकरण सत्र में सूरत से पधारीं मुख्य वक्ता कैप्टन मीरा सिद्धार्थ दवे ने अपने प्रेरक जीवन-सफर एवं अनुभव साझा करते हुए कहा कि महिलाएं मातृत्व, नेतृत्व और कर्तृत्व की मूरत हैं। उन्होंने महिलाओं की सामर्थ्य और आत्मविश्वास के विभिन्न आयामों पर प्रेरक संबोधन दिया तथा प्रतिभागियों के सवालों के प्रभावी उत्तर दिए।

९ अगस्त को अधिवेशन का समापन हुआ। समापन समारोह में पूर्व सांसद **श्री कवीन ओझा**, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष **श्रीमती जूरी शर्मा बरदलै, सीए रागिनी गोयल** सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। दूसरे दिन जागरूकता, सशक्तिकरण एवं व्यक्तित्व विकास से जुड़े विभिन्न सत्र आयोजित किए गए।

दो दिवसीय अधिवेशन की सफलता में मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 'तेजस्विता' ने महिलाओं को संगठन से जोड़ने, उनकी प्रतिभा को मंच देने तथा समाज में महिला नेतृत्व को मजबूत करने का प्रभावी संदेश दिया।

बाढ़ प्रभावित परिवारों को २०० राहत किट वितरित

१३ अगस्त २०२६ को पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की नाज़िरा-गेलकी शाखा द्वारा श्री गोवर्धनधारी गौशाला, नाज़िरा में बाढ़ प्रभावित जरूरतमंद परिवारों के लिए २०० राहत किटों का वितरण किया गया। प्रत्येक किट में मैट्रेस, पिल्लो, बेड कवर, पिल्लो कवर, मच्छरदानी, त्रिपाल, टी-शर्ट, मेखला चादर, चायपत्ती एवं नारियल तेल सहित आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई।

सेवा कार्य का नेतृत्व शाखा अध्यक्ष **श्री अजय कुमार लाहोटी** एवं सचिव **श्री नन्दकिशोर करनानी** ने किया। आयोजन को सफल बनाने में श्री अमित अग्रवाल, मिंटू खेतान, राजेश गोयनका, सांवरमल अग्रवाला, दुर्गा प्रसाद अग्रवाला, ताराचंद अग्रवाला, शुभम लाहोटी, आशुतोष लाहोटी, अशोक जलान, राम करनानी, आयुष हरलालका, अंकित अग्रवाला तथा गौशाला अध्यक्ष श्री गोपाल हरलालका का विशेष सहयोग रहा।

महिला सदस्यों में श्रीमती किरण अग्रवाला, श्रीमती शालिनी लाहोटी, श्रीमती प्रभा लाहोटी, श्रीमती परी हरलालका, श्रीमती जयश्री हरलालका एवं श्रीमती सोनू शर्मा ने भी सक्रिय सहभागिता निभाते हुए सेवा कार्य को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

चित्रांकन प्रतियोगिता आयोजित

मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा, मारवाड़ी युवा मंच नगांव शाखा, शिखर शाखा, समृद्धि शाखा एवं मारवाड़ी सम्मेलन नगांव महिला शाखा के संयुक्त तत्वावधान में हैबरगांव स्थित स्वर्गीय मेघराज अग्रवाल स्मृति भवन में ८०वें स्वतंत्रता दिवस का समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी **श्री देवकीनंदन बजाज** ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर सम्मेलन सचिव **श्री विजयराज किल्ला**, युवा मंच अध्यक्ष **श्री गौतम मुंदड़ा**, शिखर शाखा सचिव शुभम सिवोटिया, समृद्धि शाखा अध्यक्ष श्वेता जयदीप अग्रवाल एवं महिला शाखा उपाध्यक्ष **श्री रिंकु गोंदड़ा** ने मुख्य अतिथि का सम्मान किया।

सम्मेलन उपाध्यक्ष गोपाल पोद्दार एवं महिला शाखा सचिव **श्रीमती विनीता खाटूवाला** ने स्वागत भाषण दिया। इसके बाद बच्चों एवं सदस्यों ने देशभक्ति गीतों और नृत्यों की प्रस्तुति से वातावरण को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया।

चित्रांकन प्रतियोगिता में १०० से अधिक बच्चों ने तीन आयु वर्गों में भाग लिया। ग्रुप ए में कुंजन अग्रवाल, कृषिका अग्रवाल एवं दिव्यांश पोद्दार, ग्रुप बी में चार्बी अग्रवाल, ख्याति पोद्दार एवं गतिक अग्रवाल तथा ग्रुप सी में रोशनी गिनोड़िया, जीवेश आलमपुरिया एवं निष्ठा अग्रवाल ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को प्रमाणपत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

स्वतंत्रता दिवस पर पूर्वोत्तर प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन, बिजनी महिला शाखा की अध्यक्ष सुनीता अग्रवाल द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। **ध्वजारोहण** के पश्चात उपस्थित सभी सदस्यों ने एक साथ **राष्ट्रगान** का गायन किया। इसके बाद सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गीत **'वंदे मातरम'** का गायन किया। तत्पश्चात शाखा की सदस्यों ने मार्च पास्ट में भाग लेकर लौट रहे स्कूली विद्यार्थियों के बीच चॉकलेट एवं छोटे-छोटे राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए। बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखते ही बन रहा था। इस पहल के माध्यम से शाखा ने देशभक्ति की भावना को बच्चों तक पहुंचाने और हर घर में तिरंगे के सम्मान का संदेश देने का प्रयास किया। बिजनी महिला शाखा ने 'हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा' की भावना की सराहना की।

शाखाओं द्वारा संयुक्त रूप से ध्वजारोहण

देश के ८०वें स्वतंत्रता दिवस पर मोरान की चार सामाजिक संस्थाओं 'श्री राधाकृष्ण विवाह भवन समिति, मारवाड़ी सम्मेलन मोरानहाट शाखा, मोरान मारवाड़ी महिला समिति एवं मारवाड़ी युवा मंच मोरानहाट शाखा' के संयुक्त तत्वावधान में श्री राधाकृष्ण विवाह भवन परिसर में सामूहिक **ध्वजारोहण** किया गया। कार्यक्रम में समाजबंधुओं, मातृशक्ति, युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्री राधाकृष्ण विवाह भवन समिति के कार्यकारिणी सदस्य श्री पवन मोर के संचालन में चारों संस्थाओं के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से राष्ट्रध्वज फहराया।

इस अवसर पर श्री राधाकृष्ण विवाह भवन समिति के अध्यक्ष श्री प्रह्लाद तोदी, कार्यकारी अध्यक्ष श्री बिनोद भरतिया एवं पूर्व अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश गाड़ोदिया, मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बिनोद अग्रवाल एवं सचिव श्री छगनलाल मारोड़िया, मोरान मारवाड़ी महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती प्रभा अग्रवाल एवं सह-सचिव श्रीमती सपना अग्रवाल तथा मारवाड़ी युवा मंच, मोरानहाट शाखा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ध्वजारोहण के बाद सामूहिक परिचर्चा में देश की प्रगति, राष्ट्र निर्माण एवं युवा पीढ़ी की जिम्मेदारियों पर विचार व्यक्त किए गए। मातृशक्ति, युवाओं एवं बच्चों ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। अंत में सभी को उपहार एवं जलपान कराया गया।

कामरूप शाखा ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

८०वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा के तत्वावधान में मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा, मारवाड़ी सम्मेलन महिला गुवाहाटी शाखा एवं मारवाड़ी महिला एकता मंच के सहयोग से आठगांव चाबीपुल प्राथमिक विद्यालय में **स्वतंत्रता दिवस समारोह** आयोजित किया गया। समारोह में प्रांतीय अध्यक्ष **श्री कैलाश काबरा**, उपाध्यक्ष मुख्यालय **श्री विनोद लोहिया**, प्रांतीय कोषाध्यक्ष **श्री दिनेश गुप्ता**, संगठन मंत्री **श्री मनोज काला**, सह मंत्री मंडल **ई. निरंजन सीकरिया** एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक **श्री हरिधन काकोती** सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मारवाड़ी महिला सम्मेलन गुवाहाटी की अध्यक्ष **श्री संतोष शर्मा** एवं उनकी टीम तथा मारवाड़ी महिला एकता मंच की अध्यक्ष **श्रीमती सरोज मित्तल** एवं उनकी टीम ने भी समारोह में सहभागिता की। कार्यक्रम का सफल संचालन संयोजक **श्री बिनोद शर्मा** एवं प्रभात शर्मा ने किया।

'आया सावन झूम के' कार्यक्रम संपन्न

मारवाड़ी सम्मेलन की **जोरहाट शाखा** की महिलाओं द्वारा तीज पर्व के उपलक्ष्य में १६ अगस्त २०२६ को **'आया सावन झूम के'** कार्यक्रम का भव्य आयोजन मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी स्थित अग्रसेन मिलन मंदिर में आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर सोलह श्रृंगार एवं जोड़ी कमाल की सहित विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

कार्यक्रम का शुभारंभ बिंदिया मोहता द्वारा गणेश वंदना से हुआ। इसके पश्चात मंडल उपाध्यक्ष श्री अनिल केजरीवाल, शाखा अध्यक्ष श्री कन्हैयालाल हरलालका एवं सचिव श्री बाबूलाल सांखला ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। शाखा अध्यक्ष श्री कन्हैयालाल हरलालका ने उपस्थित सभी महिलाओं को तीज पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

सोलह श्रृंगार प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार **श्रीमती चंदा जोशी** तथा द्वितीय पुरस्कार श्रीमती सुनीता तिवाड़ी ने प्राप्त किया। वहीं जोड़ी कमाल की प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार **श्रीमती रेखा शर्मा** एवं **श्रीमती प्रीति शर्मा** की जोड़ी ने जीता। द्वितीय पुरस्कार श्रीमती रेखा बाहेती एवं श्रीमती शोभा बाहेती की जोड़ी को मिला, जबकि श्रीमती शारदा राठी एवं श्रीमती रेखा शर्मा की जोड़ी तृतीय स्थान पर रही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती शांति मालपानी ने की। कार्यक्रम की संयोजक श्रीमती हेमा शर्मा एवं श्रीमती सीमा मालपानी रहीं।

केंद्रीय कारागार में बांटे खाद्य सामग्री के पैकेट

मारवाड़ी सम्मेलन की जोरहाट शाखा, रोटरी क्लब जोरहाट और अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन के संयुक्त तत्वाधान में जोरहाट के केंद्रीय कारागार और महेंद्र नगर खुला कारागार में स्वतंत्रता दिवस पर फल एवं मिठाई वितरण का कार्यक्रम रखा गया। इस दौरान मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री कन्हैयालाल हरलालका, सचिव श्री बाबूलाल सांखला, संयोजक श्री रामप्रसाद बेड़िया और श्री प्रदीप अग्रवाला सहित मंडल बी के पदाधिकारी श्री अनिल केजड़ीवाल, श्री नागर रतावा के अलावा मारवाड़ी महिला सम्मेलन जोरहाट शाखा की अध्यक्ष श्रीमती सविता ठंढारिया, श्रीमती प्रतिमा भड़ेच, डॉ सुनीता अग्रवाल और रोटरी क्लब के पदाधिकारियों में श्री उमेश शर्मा की मौजूदगी में लगभग ५०० कैदी और जेल स्टाफ वगैरह को मिलाकर ६०० लोगो के लिए मिठाई, फल, नमकीन आदि के पैकेट वितरित किए गए। इस दौरान समाज के वरिष्ठ व्यक्ति सर्वश्री ताराचंद मोदी, गौरीशंकर गिनोड़िया, राजेंद्र अग्रवाल, जुगल राठी, रमेश राठी, राजेश झंवर, लीलाधर शर्मा सहित सम्मेलन के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे। साथ ही जेल के पुस्तकालय का अवलोकन कर सम्मेलन की तरफ से किताबें दान में देने का आश्वासन दिया गया।

गोल्डन स्माइल २.० कार्यक्रम संपन्न

११ अगस्त २०२६ को पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन, **गुवाहाटी मेट्रो शाखा** द्वारा **"गोल्डन स्माइल २.०"** कार्यक्रम शाखा उपाध्यक्ष **श्री पीयूष गनेरिवाल** जी के निवास पर उनकी पूजनीय माताजी **श्रीमती मंजू गनेरिवाल** जी के सान्निध्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सदस्यों ने माताजी के साथ आत्मीय संवाद कर उनके जीवन-अनुभवों, संस्कारों एवं आध्यात्मिक विचारों से प्रेरणा प्राप्त की।

माताजी ने वर्तमान मारवाड़ी समाज में उभर रही कुरीतियों एवं कमियों पर चिंता व्यक्त करते हुए जागरूकता और सुधार के कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन सामूहिक एवं एकजुट प्रयासों से ही संभव है।

शाखा अध्यक्ष **श्री अमित कुमार कंसल** ने कहा कि वरिष्ठजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनके अनुभव नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने माताजी के सुझावों का स्वागत करते हुए भविष्य में सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की बात कही।

कार्यक्रम के संयोजक **श्री अमित शर्मा** एवं **श्री सुदर्शन गरोड़िया** ने माताजी को असमिया फुलाम गमछा, स्मृति-चिह्न एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया। शाखा सचिव **श्री नवीन हरलालका** ने आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री राजेश मित्तल, श्री विकास अग्रवाल, श्री रमेश सराफ, श्री अनिल शर्मा, श्री अनुराग पोद्दार एवं श्री बिनीत अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा। शाखा उपाध्यक्ष श्री पीयूष गनेरिवाल एवं श्रीमती शिखा गनेरिवाल ने सभी सदस्यों के लिए जलपान की व्यवस्था की।

उत्कल की सेवा एवं सामाजिक गतिविधियां

उत्कल प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं इसकी विभिन्न शाखाओं द्वारा इस माह सामाजिक सेवा, जनकल्याण, पर्यावरण संरक्षण, संगठन विस्तार एवं राहत कार्यों से जुड़े अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। सम्मेलन की शाखाओं ने सेवा भावना के साथ समाजहित में सक्रिय सहभागिता निभाई।

सेवा एवं सामाजिक कार्य

१. तितलागढ़ शाखा द्वारा श्रावण के प्रथम सोमवार को कांवरिया सेवा शिविर आयोजित किया गया, जिसमें विधायक श्री नवीन जैन एवं परिषद अध्यक्ष श्रीमती ममता जैन ने भी योगदान दिया।

२. बरगढ़ महिला शाखा द्वारा दादी मंदिर स्थित शिव मंदिर में जलसाई एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

३. खरियार शाखा द्वारा श्रावण के प्रत्येक रविवार को पातालगंगा में विशाल कांवरिया सेवा शिविर लगाए गए।

४. तितलागढ़ शाखा द्वारा श्रावण के द्वितीय सोमवार को भी कांवरिया सेवा शिविर आयोजित किया गया।

५. जूनागढ़ शाखा द्वारा प्रत्येक रविवार बुजुर्गों के घर जाकर उनका आशीर्वाद लेने तथा उनके कुशलक्षेम की जानकारी लेने की पहल की गई।

६. बेलपहाड़ शाखा एवं लखनपुर एमसीएल के संयुक्त तत्वावधान में १,३७५ पौधों का वृक्षारोपण किया गया।

७. प्रांतीय अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा जूनागढ़ एवं कलमपुर शाखाओं का दौरा किया गया।

८. प्रांतीय महासचिव एवं पदाधिकारियों ने झारबांध, पदमपुर, सोहेला एवं पाइकमाल शाखाओं का दौरा किया। इस दौरान श्री दीनदयाल अग्रवाल ने शिक्षा कोष में ₹२१,००० देने तथा कन्या विवाह हेतु श्री रमेश अग्रवाल ने ₹५०,००० और श्री दीनदयाल अग्रवाल ने ₹१,००,००० देने की घोषणा की।

९. श्री अशोक जालान द्वारा राष्ट्रीय बाढ़ राहत कोष में ₹१,००,००० की सहायता प्रदान की गई।

१०. श्री धर्मेंद्र मोर की अध्यक्षता में बालेश्वर शाखा द्वारा बाढ़ राहत कार्य चलाया गया। इसमें प्रांत की ओर से प्रांतीय अध्यक्ष श्री सुभाष अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अशोक जालान, मुख्यालय उपाध्यक्ष श्री मंगतू रामजी अग्रवाल, झलक चेयरमैन श्री विजय केडिया, कटक जोन उपाध्यक्ष श्री रोहित लिहाला तथा बृजराजनगर शाखा अध्यक्ष श्री राजेश अग्रवाल ने भी सहयोग किया।

११. बरगढ़ शाखा द्वारा चकरभाटा गांव में पहुँचकर बाढ़ पीड़ितों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया गया।

१२. स्वरोजगार योजना के अंतर्गत तितलागढ़ शाखा द्वारा दो जरूरतमंद लोगों को ₹१०,००० की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

१३. बरगढ़ शाखा के आतिथ्य में बरगढ़ जोन की बैठक संपन्न हुई, जिसमें जोन की सभी ११ शाखाओं के ८० प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

१४. पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर अग्रवाल द्वारा प्रदत्त वाटर कूलर का बरगढ़ गवर्नमेंट हॉस्पिटल में लोकार्पण किया गया।

१५. संबलपुर शाखा द्वारा कचहरी चौक में वाटर कूलर का लोकार्पण किया गया।

१६. संबलपुर शाखा द्वारा बाढ़ पीड़ितों को वस्त्र एवं भोजन सामग्री प्रदान की गई।

१७. संबलपुर शाखा की महिला सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

१८. श्री राम गौ सेवा सदन में तितलागढ़ शाखा द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया।

१९. मुख्यालय उपाध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा तुषरा, तितलागढ़ एवं लुइसिंगा शाखाओं का दौरा किया गया।

प्रस्तावित कार्यक्रम

आगामी कार्यक्रमों के तहत बरगढ़ शाखा द्वारा १५ अगस्त को वाटर कूलर का लोकार्पण तथा १६ अगस्त को जलसाई एवं प्रसाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

संबलपुर शाखा द्वारा २१ एवं २२ अगस्त को विराट व्यापार मेला 'उड़ान-२' का आयोजन किया जाएगा। इसमें २१ अगस्त को AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) विषय पर विशेष कार्यशाला भी आयोजित होगी।

१५ अगस्त को सम्मेलन की सभी शाखाओं द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में ध्वजारोहण किया जाएगा।

१५ सितंबर को सम्मेलन के माध्यम से गुजरात से ५२ सदस्यीय दल के मण का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री वितरित

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, बालासोर शाखा ने बाढ़ प्रभावित बईंचा पंचायत में राहत अभियान चलाकर जरूरतमंद परिवारों के बीच आवश्यक सामग्री का वितरण किया। सम्मेलन की ओर से प्रभावित परिवारों को १५० त्रिपाल, ३०० पैकेट ब्रेड तथा १०० किलोग्राम मुढ़ी (मुरमुरा) सहित अन्य जरूरी सामग्री उपलब्ध कराई गई।

सम्मेलन के पदाधिकारियों ने बताया कि बाढ़ प्रभावित परिवारों तक समय पर राहत पहुंचाना संस्था की प्राथमिकता है। इसी क्रम में शुक्रवार को बईंचा पंचायत में ५०० से अधिक बाढ़ पीड़ितों के लिए ताजा उपमा तैयार कर वितरित किया जाएगा।

राहत अभियान में बालासोर शाखा अध्यक्ष श्री डी.पी. मोरे, सचिव श्री गौरव राठी, वरिष्ठ सदस्य श्री प्रकाश पोद्दार, श्री नवल अग्रवाल, श्री शेखर सिंघानिया, श्रीमती बबीता मोरे, श्रीमती रचना मोरे, श्री संतोष सिंघानिया तथा श्रीमती सरिता खंडेलवाल सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

संस्था ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य स्थिति बहाल होने तक राहत अभियान जारी रखा जाएगा। साथ ही समाज के सक्षम लोगों से आपदा प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए आगे आने की अपील की गई।

चार शाखाओं का सफल सांगठनिक दौरा

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय महासचिव **श्री किशन लाल अग्रवाल** के नेतृत्व में बरगढ़ मंडल के उपाध्यक्ष **श्री विनोद अग्रवाल** एवं मंडल सचिव **श्री आनंद विरमीवाल** ने सोहेला, पदमपुर, पाइकमाल एवं झारबंध शाखाओं का सांगठनिक दौरा किया। चारों शाखाओं में सदस्यों का उत्साह देखने को मिला तथा संगठन को मजबूत बनाने एवं सामाजिक सहभागिता बढ़ाने पर चर्चा हुई।

बैठकों में बुजुर्गों के सम्मान, बच्चों में संस्कार एवं पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने पर जोर दिया गया। प्रांतीय महासचिव श्री किशन लाल अग्रवाल ने शाखाओं में समाज सुधार एवं व्यक्तित्व विकास से संबंधित मोटिवेशनल कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया।

दौरे के दौरान झारबंध में निर्माणाधीन अग्रसेन भवन का निरीक्षण किया गया, जबकि पदमपुर में धर्मशाला के समीप अग्रसेन भवन निर्माण की योजना पर चर्चा हुई।

समाजसेवा के क्षेत्र में **श्री दीनदयाल अग्रवाल** (भारती मेडिकल) ने जरूरतमंद परिवारों की पुत्रियों के विवाह हेतु ₹१,०१,००० तथा जरूरतमंद एवं मेधावी विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा के लिए ₹२१,००० सहयोग देने की घोषणा की। **श्री रमेश अग्रवाल**, पदमपुर ने भी कन्या विवाह हेतु ₹५०,००० सहयोग की घोषणा की।

पाइकमाल शाखा में संगठनात्मक एकता पर चर्चा हुई तथा आगामी सत्र में शाखा का चुनाव शीघ्र कराने का आश्वासन **श्री सुरेश अग्रवाल** ने दिया। सोहेला शाखा में देर रात बैठक होने के बावजूद सदस्यों का उत्साह एवं आत्मीयता उल्लेखनीय रही।

दौरे के समापन पर **श्री किशन लाल अग्रवाल** ने सभी शाखाओं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सदस्यों का स्नेह एवं सहयोग सम्मेलन को एक परिवार की तरह मजबूत बना रहा है।

सोहेला सड़क दुर्घटना पर मारवाड़ी सम्मेलन ने जताई संवेदना

सोहेला में हुई हृदयविदारक सड़क दुर्घटना में पिता-पुत्र के निधन पर उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने गहरी संवेदना व्यक्त की। प्रांतीय अध्यक्ष **डॉ. सुभाष अग्रवाल** ने घटना की जानकारी लेते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की।

प्रांतीय महासचिव **श्री किशन लाल अग्रवाल** के नेतृत्व में बरगढ़ मंडल उपाध्यक्ष **श्री विनोद अग्रवाल**, मंडल सचिव **श्री आनंद विरामिवाल**, प्रांतीय संयोजक **श्री किशोर अग्रवाल** एवं **श्री मनोज लाठ** ने सोहेला पहुंचकर दिवंगत पिता-पुत्र को **श्रद्धांजलि** दी और परिवार से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया।

इस अवसर पर सोहेला शाखा अध्यक्ष श्री चंद्र कुमार अग्रवाल, प्रांतीय सदस्य श्री ललित अग्रवाल, श्री रमेश अग्रवाल, श्री दीपक अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सम्मेलन ने ईश्वर से शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

सदस्य क्यों बने?

देश के सभी भागों से सम्पर्क स्थापना।

रोजगार सहायता, व्यापार सहयोग, स्वास्थ्य सहयोग, उच्च शिक्षा सहयोग कार्यक्रम का लाभ।

समाज सुधार, संस्कार संस्कृति चेतना कार्यक्रम से जुड़ना।

मायड़ भाषा के प्रचार-प्रसार में भागीदारी।

सामाजिक सुरक्षा, भाईचारा की भावना का विकास।

समाज में विभिन्न घटकों को एकजुट होकर **म्हारी चाह - संगठित समाज** के नारे को सार्थक करना।

व्यक्ति विकास-व्यक्ति चला जाता है उसकदा व्यक्तित्व रह जाता हैं।

समाज विकास में अवदान के अवसर।

राष्ट्र की उन्नति में भागीदारी।

बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री वितरण

बाढ़ प्रभावित चकरकेंद अंचल में उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, बरगढ़ शाखा द्वारा अध्यक्ष **श्री दिलीप कुमार सांवड़िया** के नेतृत्व में राहत सेवा अभियान चलाया गया। इस दौरान बाढ़ से प्रभावित जरूरतमंद परिवारों के बीच आवश्यक खाद्य सामग्री एवं दैनिक उपयोग की वस्तुओं का वितरण किया गया।

सम्मेलन के सदस्यों ने प्रभावित परिवारों तक पहुंचकर पोहा, गुड़, चावल, दाल, चीनी, बिस्कुट, साबुन, फल, मोमबत्ती, माचिस सहित अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की। सदस्यों ने परिवारों का हालचाल जाना और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

सेवा अभियान में उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय महासचिव **श्री किशन लाल अग्रवाल**, प्रांतीय संयोजक **श्री किशोर अग्रवाल**, शाखा उपाध्यक्ष **श्री दशरथ अग्रवाल, श्री अजय रेखानी, श्री विजय अग्रवाल, श्री विष्णु धानुका, श्री अशोक अग्रवाल (अधिवक्ता), श्री मनोज लाठ, श्री अमर अग्रवाल, श्री संतोष सांवड़िया** सहित शाखा के अनेक सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

शाखा अध्यक्ष **श्री दिलीप कुमार सांवड़िया** ने कहा कि प्राकृतिक आपदा की घड़ी में पीड़ित मानवता की सेवा करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। मारवाड़ी सम्मेलन आगे भी जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। उन्होंने समाज के सक्षम लोगों से सेवा कार्यों में आगे बढ़कर सहयोग करने की अपील की।

बाढ़ पीड़ितों की सहायता

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन **बालेश्वर शाखा** द्वारा १५ गांवों में त्रिपाल एवं सुख खाद्य सामग्री वितरण का कार्यक्रम स्थानीय विधायक के तत्वावधान में सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

प्रत्येक गांव के सरपंच, जिला परिषद सदस्य एवं अन्य गणमान्य सदस्यों को जरूरतमंद सामान बांटे गए। प्रत्येक गांव तक पहुंचना संभव नहीं था, क्योंकि जल भराव अत्यधिक है। प्रोटोकॉल के तहत, केवल अधिकृत लोगों को ही सरकारी बोट एवं गांव के गणमान्य व्यक्तियों के साथ सामग्री ले जाने की अनुमति है।

इस परिस्थिति में जो उचित एवं सही लगा, बालेश्वर शाखा के अध्यक्ष महोदय के तत्वावधान में यह सेवा कार्य किया गया। उपमा, घुघनी एवं अन्य खाद्य सामग्री विभिन्न गांवों में वितरण किया गया।

प्रथम मंडलीय सभा आयोजित

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, ओडिशा प्रांत की **प्रथम मंडलीय सभा** का भव्य आयोजन बरगढ़ शाखा के आतिथ्य में होटल गणपति में संपन्न हुआ। सभा में बरगढ़ मंडल की सभी ११ शाखाओं से लगभग ८० सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पूरे आयोजन में संगठनात्मक एकता, सामाजिक समर्पण एवं सेवा भावना का प्रभावी प्रदर्शन देखने को मिला।

कार्यक्रम का शुभारंभ बरगढ़ सरकारी अस्पताल में निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष **श्री श्याम सुंदर अग्रवाल** के सौजन्य से **'अमृत धारा योजना'** के शुभारंभ के साथ हुआ। इसके बाद बरगढ़ शाखा के अध्यक्ष **श्री दिलीप कुमार सांवड़िया** ने स्वागत उद्बोधन दिया। सभा का कुशल संचालन निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष **श्री दिनेश अग्रवाल** ने किया।

सभा में मंडल की सभी ११ शाखाओं के अध्यक्षों ने अपनी-अपनी शाखाओं की गतिविधियों एवं कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा भविष्य की योजनाओं और सुझावों से अवगत कराया। प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल ने प्रांत स्तर पर संचालित विभिन्न सेवा एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए सभी शाखाओं से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

प्रांतीय महासचिव **श्री किशन लाल अग्रवाल** ने शिक्षा विकास ट्रस्ट एवं स्वरोजगार योजना की विस्तार से जानकारी दी और समाज के अधिकाधिक लोगों को इन योजनाओं से जोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही पुरी में मारवाड़ भवन के निर्माण की योजना है। साथ ही भुवनेश्वर एवं संबलपुर में समाज के छात्रों के लिए छात्रावास बनाने की योजना पर भी जानकारी दी।

निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर अग्रवाल ने समाजहित, संगठन की मजबूती तथा नई पीढ़ी को सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया। मंच पर मंडलीय उपाध्यक्ष श्री विनोद अग्रवाल, मंडलीय सचिव श्री आनंद बिरमीवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल (बोलांगीर), प्रांतीय संयोजक श्री किशोर अग्रवाल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री जगदीश गोलपुरिया सहित अनेक प्रांतीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भारतीय संस्कृति एवं परंपरा के अनुरूप सभी अतिथियों का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया, जिसकी सभी ने सराहना की। बरगढ़ शाखा अध्यक्ष श्री दिलीप कुमार सांवड़िया ने प्रांतीय अध्यक्ष, निवर्तमान एवं पूर्व प्रांतीय अध्यक्षों तथा समस्त प्रांतीय पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी मार्गदर्शन एवं सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की।

इस अवसर पर प्रांतीय राजनीतिक चेतना प्रमुख **श्री सुनील अग्रवाल (पद्मपुर)** ने शिक्षा विकास ट्रस्ट के लिए ₹५०,००० सहयोग की घोषणा की, जिसका उपस्थित सदस्यों ने तालियों के साथ स्वागत किया।

बरगढ़ शाखा की उत्कृष्ट मेजबानी एवं आयोजन व्यवस्था सभा का विशेष आकर्षण रही।

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

IAC SINCE 1959

POWERING 47 COUNTRIES ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- INSULATOR HARDWARE FITTINGS UPTO 1200 kV HVAC & 800 kV HVDC
- AB CABLE & OPGW FITTINGS
- POLE / DISTRIBUTION LINE HARDWARE
- EARTHING, STAY & TOWER ACCESSORIES
- HTLS CONDUCTOR ACCESSORIES & SUB-ZERO HARDWARE FITTINGS
- SUBSTATION CLAMPS & CONNECTORS
- CONDUCTOR, INSULATOR & HARDWARE TESTING FACILITY
- AB CABLES, COVERED CONDUCTORS AND ADSS CABLE ACCESSORIES

Transmission and distribution line hardwares | HTLS Conductor Testing
www.iacelectricals.com
info@iacelectricals.com
701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

GAMCO
LET'S GROW
(Golden Goenka Group)

BUILDING A UNIQUE PORTFOLIO OF ASSETS

Creating sustainable value for all stakeholders

- Multi-Asset Investments
- Capital Market Investments
- Real Estate
- Warehousuing
- Structured Finaring & Secured Lending
- Investments in Emerging Companies

At Gamco, our vision is to stay successful through strategic multi-asset investments and sustainable value creation. Our distinctive asset curation strategy makes us unique among listed companies.

GAMCO LIMITED

25A S.P. Mukherjee Road, Kolkata-700025
Phone: 03324750073
Email: gamcoltd@gamco.co.in
Website: www.gamco.co.in

प्रांतीय समाचार : उत्कल

प्रांतीय अध्यक्ष का बलांगीर दौरा

स्थानीय राधारानी पाड़ा स्थित मारवाड़ी सेवा सदन में २६ जुलाई २०२६ उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष **डॉ. सुभाष अग्रवाल** के बलांगीर आगमन पर मारवाड़ी सेवा सदन में कोर सदस्यों एवं प्रांतीय सदस्यों की एक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में शिक्षा के विकास, सदस्यता विस्तार तथा संगठन की जनकल्याणकारी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में पुरी में प्रस्तावित मारवाड़ भवन के लिए भूमि चिह्नित करने की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ करने पर भी जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि यह परियोजना समाज के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध होगी। बैठक की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष **श्री सुशील अग्रवाल** ने की।

अंत में महा सचिव **श्री कन्हैया लाल अग्रवाल** ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। सम्मेलन ने कहा कि समाज के हर वर्ग, विशेषकर बुजुर्गों एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के साथ खड़ा रहना संगठन का प्रमुख उद्देश्य है।

जल फिल्टर एवं वाटर कूलर भेंट

ओडिशा प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की बरगढ़ शाखा ने समाजसेवा की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए बरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए शीतल एवं स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की।

पूर्व पश्चिम ओडिशा अध्यक्ष **श्री श्याम सुंदर अग्रवाल** ने अपनी स्वर्गीय धर्मपत्नी **श्रीमती निर्मला अग्रवाल** की स्मृति में अस्पताल को **जल फिल्टर एवं वाटर कूलर (अमृतधारा)** भेंट किया। आयोजित कार्यक्रम में मशीन का उद्घाटन उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष **डॉ. सुभाष चंद्र अग्रवाल** ने वरिष्ठ चिकित्सक **डॉ. राधेश्याम अग्रवाल** एवं अस्पताल प्रबंधक **श्री देबाशीष मिश्रा** की उपस्थिति में किया।

इस अवसर पर राज्य महासचिव श्री किशन लाल अग्रवाल, आईपीसी श्री दिनेश अग्रवाल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर अग्रवाल, बरगढ़ शाखा अध्यक्ष श्री दिलीप स्वाड़िया, श्री किशोर अग्रवाल, मंडल उपाध्यक्ष श्री विनोद अग्रवाल तथा मंडल सचिव श्री आनंद बिरमिवाल सहित सम्मेलन के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

प्रांतीय समाचार : बिहार

मारवाड़ी सम्मेलन प्रतिनिधिमंडल का ब्लड सेन्टर दौरा

२५ जुलाई २०२६ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन गोयनका** ने अपनी टीम के साथ **मां वैष्णो देवी सेवा समिति** द्वारा संचालित **मां ब्लड सेंटर** का दौरा किया। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष **श्री राकेश बंसल**, प्रांतीय महामंत्री **श्री अंजनी सुरेका**, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष **श्री कमल नोपानी** एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विनोद तोदी** सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन गोयनका** ने कहा कि रक्त किसी व्यक्ति के शरीर में पहुंचकर उसका जीवन बचाता है, इसलिए इससे बड़ी मानव सेवा कोई नहीं हो सकती। उन्होंने मां वैष्णो देवी सेवा समिति एवं मां ब्लड सेंटर की पूरी टीम तथा सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया और निरंतर सेवा कार्य जारी रखने की शुभकामनाएं दीं।

श्री विनोद तोदी ने ब्लड सेंटर की स्थापना से अब तक की सेवा यात्रा का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्ष २०१९ में जमीन खरीदने के समय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से भी सहयोग प्राप्त हुआ था। उन्होंने सेंटर द्वारा जरूरतमंदों को रक्त एवं प्लाज्मा उपलब्ध कराने की सेवाओं की सराहना की।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री राजकुमार मिश्रा** ने सेंटर की सेवा भावना और व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए भविष्य में भी सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने जरूरतमंदों तक रक्त एवं प्लाज्मा पहुंचाने को महत्वपूर्ण मानव सेवा बताया।

राष्ट्रीय महामंत्री **श्री केदारनाथ गुप्ता** ने रक्तदान को केवल दान नहीं, बल्कि समाज के प्रति दायित्व, प्रेम और बंधुत्व का प्रतीक बताया।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य **श्री बाबूलाल बंका** ने सेंटर को आधुनिक एवं सुव्यवस्थित बताते हुए इसके सदस्यों का अभिनंदन किया।

इस अवसर पर संस्था की ओर से ६८६ सामूहिक विवाह, ८२ थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के बोन मैरो ट्रांसप्लांट तथा जरूरतमंद कैंसर मरीजों के लिए आश्रम सहित विभिन्न सेवा परियोजनाओं की भावी योजनाओं की जानकारी दी गई।

मां ब्लड सेंटर द्वारा १६०६ दिनों में २५,४६६ यूनिट रक्त की सेवा तथा १,४०० से अधिक लोगों में समय से पहले हेपेटाइटिस बी और सी की पहचान किए जाने की जानकारी दी गई। भविष्य में सेंटर में न्यूक्लिक एसिड टेस्ट की सुविधा शुरू करने का लक्ष्य भी बताया गया।

टीप टीप तीज तंबोला फेस्ट–२०२६ का संपन्न

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, **तापी उड़ान शाखा** द्वारा आयोजित **"TIP TIP TEEJ TAMBOLA FEST 2026"** हर्षोल्लास, उत्साह एवं पारंपरिक रंगों के साथ भव्य रूप से वेसु स्थित 'निओन डिस्क' में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में भाग लेकर हरियाली तीज के पर्व को उल्लासपूर्वक मनाया।

तापी उड़ान शाखा की अध्यक्षा **श्रीमती मनीषा कजारिया** ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय विधायक **श्रीमती संगीता बेन पाटिल** एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में की गरिमामयी उपस्थिति रही। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में **श्रीमती राधा अग्रवाल** एवं **श्रीमती कुसुम अग्रवाल** उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में रोमांचक तंबोला, १६ श्रृंगार रैंप वॉक, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, मनोरंजक खेल, संगीत एवं नृत्य ने सभी का मन मोह लिया।

इस अवसर पर **'सावन सुंदरी'**, **'हरियाली दीवा'** एवं **'तीज रत्न'** जैसे विशेष सम्मान प्रदान किए गए। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार एवं स्मृति-चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

अध्यक्षा मनीषा कजारिया ने सभी सहयोगियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं तथा हमारी संस्कृति, परंपरा, सामाजिक एकता एवं आपसी सौहार्द को और मजबूत बनाते हैं।

कार्यक्रम का सफल आयोजन एवं संचालन तापी उड़ान शाखा की दिशा अग्रवाल, रश्मि लाठ, अनीता भालोटिया, साधना अग्रवाल, रमा अग्रवाल, नीता भट्टर, सरिता अग्रवाल, नीता बोथरा एवं पूरी टीम के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सबा स निवेदन है आपणां घरा में टाबरां सागै अर आपसरी में मायड़ भासा मारवाड़ी में ही बोल बतलावण करो।

गौ सेवा सम्पन्न

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की सूरत शाखा की ओर से १२ अगस्त २०२६, अमावस्या के पावन अवसर पर पंचमुखी गौशाला (डाईमार्ट के बगल में) में गौ सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में **गौ सेवा कर** समाज की सेवा, संवेदना एवं धार्मिक-सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष श्री सुशील अग्रवाल, सचिव श्री शिवकुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री रमेश मोदी, संयोजक श्री राजेंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री राजा अग्रवाल, श्री सुनील अग्रवाल, श्री विशाल अग्रवाल, श्री अंकुर अग्रवाल, श्री विनोद जिंदल, श्रीमती मीना देवी, श्रीमती सरोज देवी एवं श्रीमती मंजू देवी सहित अनेक गणमान्य समाजबंधुओं की सादर उपस्थिति रही।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की सूरत शाखा की ओर से २ अगस्त २०२६ को आशीर्वाद एवेन्यू सोसायटी के ई-टावर कार्यालय में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुँचकर स्वास्थ्य परामर्श एवं चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर में विशेषज्ञ श्री संतोष नाहटा ने एक्यूप्रेशर एवं सु-जोक पद्धति के माध्यम से मरीजों का उपचार किया तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श प्रदान किया। होम्योपैथिक परामर्श की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

शिविर में शाखा अध्यक्ष श्री सुशील अग्रवाल, सचिव श्री शिवकुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री रमेश मोदी, शिविर संयोजक श्री राजेंद्र अग्रवाल, श्री विमल अग्रवाल, श्री कन्हैयालाल वेद एवं श्री राजीव गुप्ता सहित अनेक समाजबंधुओं की सक्रिय उपस्थिति रही।

११ सदस्यीय पंचायत समिति का गठन

परिवार और समाज के भीतर उत्पन्न होने वाले विवादों को अदालत या पुलिस तक पहुंचने से पहले बातचीत और आपसी सहमति के माध्यम से सुलझाने की दिशा में पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने महत्वपूर्ण पहल की है। सम्मेलन ने सामाजिक, पारिवारिक, वैवाहिक एवं संपत्ति संबंधी विवादों के समाधान के लिए ११ सदस्यीय पंचायत समिति का गठन किया है। समिति का उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच संवाद स्थापित कर विवादों का सौहार्दपूर्ण एवं सामाजिक स्तर पर समाधान कराने का प्रयास करना है।

विवाद सामने आने पर समिति दोनों पक्षों को अपने समक्ष बुलाकर उनकी बात सुनेगी। समिति के अनुभवी सदस्य आपसी बातचीत एवं मध्यस्थता के माध्यम से समाधान का रास्ता तलाशेंगे। यदि किसी विवाद का संबंध किसी विशेष शाखा क्षेत्र से होगा, तो संबंधित शाखा के अध्यक्ष एवं सचिव को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में समिति की बैठक में शामिल किया जाएगा। समिति की बैठक में कम से कम चार सदस्यों की उपस्थिति आवश्यक होगी।

दोनों पक्षों में सहमति बनने की स्थिति में विवाद का समाधान समाज के स्तर पर कराने का प्रयास किया जाएगा। इस पहल से छोटे एवं पारिवारिक विवादों को न्यायालय और पुलिस तक पहुंचने से पहले ही सुलझाने में मदद मिलेगी। इससे समय और धन की बचत के साथ-साथ लंबी कानूनी प्रक्रिया के बोझ को भी कम किया जा सकेगा। साथ ही, आपसी संवाद के माध्यम से परिवारों में रिश्तों को बनाए रखने, भाईचारा बढ़ाने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने में सहायता मिलेगी। विशेष रूप से युवाओं और परिवारों के बीच विवादों का शांतिपूर्ण समाधान खोजने की संस्कृति विकसित करने की दिशा में भी यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

पंचायत समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यः

संयोजक : सुरेश कुमार अग्रवाल (साकची)

जिला अध्यक्ष : मुकेश मित्तल (कदमा)

जिला महासचिवः प्रदीप कुमार मिश्रा (साकची)

सदस्यः महिंदर साबू (सोनारी), किशोर गोलछा (जुगसलाई), सीए रमाकांत गुप्ता (बिस्टुपुर), मंजू खंडेलवाल (साकची), सत्यनारायण अग्रवाल 'मुन्ना' (जुगसलाई), दिलीप गोयल (जुगसलाई), श्रीराम सरोज, अधिवक्ता (भालूबासा) एवं रामजी शर्मा (जुगसलाई)।

पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन की यह पहल समाज में विवादों के शांतिपूर्ण एवं संवाद आधारित समाधान की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। इससे सामाजिक संस्थाओं की भूमिका केवल सेवा और संगठन तक सीमित न रहकर परिवार एवं समाज में सौहार्द बनाए रखने में भी प्रभावी हो सकेगी।

सुमित अग्रवाल हत्याकांड में डीजीपी को लिखा पत्र

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन ने रामगढ़ निवासी सुमित अग्रवाल की हत्या के मामले में त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष **श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल** ने झारखंड के **पुलिस महानिदेशक** को पत्र भेजकर हत्याकांड की शीघ्र जांच, सभी आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पत्र की प्रति रामगढ़ की विधायक **श्रीमती ममता देवी** को भी भेजी गई है। पत्र में कहा गया है कि **श्री सुमित अग्रवाल** परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनकी हत्या से परिवार गंभीर आर्थिक और सामाजिक संकट में है। उनकी बुजुर्ग मां, पत्नी और दूधमुंहे बच्चे के भविष्य को देखते हुए सरकार से उचित मुआवजा तथा पत्नी को योग्यता के अनुरूप सरकारी नौकरी देने की मांग की गई है। सम्मेलन ने कहा कि इस घटना से समाज में असुरक्षा की भावना बढ़ी है और पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय मिलना चाहिए। प्रांतीय संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता **श्री संजय सर्राफ** ने बताया कि झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से पीड़ित परिवार को तत्काल सहायता के रूप में ११ हजार रुपये की आर्थिक मदद प्रदान की गई है।

रामगढ़ जिला अंतर्गत शाखा पदाधिकारियों की प्रथम बैठक संपन्न

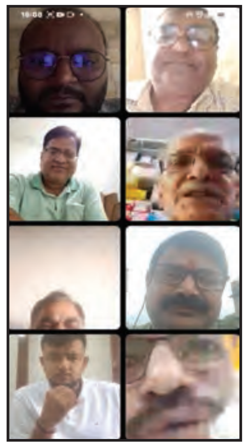

रामगढ़ जिला अंतर्गत मारवाड़ी सम्मेलन की २३ जुलाई २०२६ को विभिन्न शाखाओं के अध्यक्ष एवं मंत्रियों की प्रथम बैठक प्रांतीय अध्यक्ष **श्री सुरेश अग्रवाल** की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में प्रांतीय अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल एवं प्रांतीय महामंत्री **श्री विनोद जैन** ने अपने विचार रखते हुए बताया कि सभी सदस्यों को प्रमाण-पत्र निर्गत करने का प्रयास किया जा रहा है।

बैठक का संचालन करते हुए जिला महामंत्री **श्री प्रकाश पटवारी** ने सभी शाखाओं से सदस्यता सूची का शुद्धिकरण करने तथा शाखाओं की कार्यकारिणी का गठन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक शाखा का सक्रिय एवं सुव्यवस्थित होना आवश्यक है।

बैठक में भुरकुंडा शाखा अध्यक्ष श्री उमेश राजगढ़िया, मंत्री श्री सुनील अग्रवाल, पतरातु शाखा मंत्री श्री प्रमोद केजरीवाल, कुजू शाखा अध्यक्ष श्री रोहित पनसारी, मंत्री श्री संतोष अग्रवाल तथा रामगढ़ शाखा मंत्री श्री आयुष अग्रवाल ने अपनी-अपनी समस्याओं एवं सुझावों को रखा।

शाखा पदाधिकारियों ने प्रांतीय पदाधिकारियों के साथ जिला स्तरीय बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव भी रखा, जिस पर सकारात्मक विचार-विमर्श किया गया।

प्रांतीय समाचार : झारखंड

निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर

मारवाड़ी सम्मेलन **बेरमो शाखा** की ओर से सम्मेलन के चिकित्सा शिविर प्रभारी **श्री भवानी अग्रवाल** की देखरेख में स्थानीय श्री अग्रसेन भवन, फुसरो में १ अगस्त २०२६ को **निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर** का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन स्वर्गीय अमित कुमार राईका की पुण्यस्मृति में उनके परिवारजनों के सौजन्य से किया गया।

शिविर का उद्घाटन **श्री सुशांत राईका** एवं **श्री सुमित राईका** ने चिकित्सक **डॉ. यू. के. नाग** को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित करते हुए किया। डॉ. नाग ने शिविर में दर्जनों मरीजों की जांच कर उन्हें निःशुल्क दवाएं प्रदान कीं।

इस अवसर पर सम्मेलन के महामंत्री **श्री कृष्ण कुमार चांडक** ने बताया कि प्रत्येक माह की पहली तारीख को यह निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाता है।

सम्मेलन अध्यक्ष **श्री छीतरमल अग्रवाल** ने **डॉ. उत्तम कुमार नाग** एवं **श्री अग्रसेन स्मृति भवन ट्रस्ट** के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाजहित में निरंतर निःशुल्क चिकित्सा सेवा प्रदान करना सराहनीय कार्य है।

शिविर में मारवाड़ी सम्मेलन अध्यक्ष श्री छीतरमल अग्रवाल, संगठन मंत्री श्री पवन अग्रवाल, श्री राजेश राठी, श्री संजय अग्रवाल, बेरमो बीस सूत्री उपाध्यक्ष सह सम्मेलन के बेरमो शाखा महामंत्री श्री कृष्ण कुमार चांडक, चिकित्सा शिविर प्रभारी श्री भवानी अग्रवाल, श्री उमेश सिंह सहित अन्य समाजबंधु उपस्थित रहे।

छोटे बच्चों के बीच स्वतंत्रता दिवस का पालन

मारवाड़ी सम्मेलन भालूबासा शाखा द्वारा अपने राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी १५ अगस्त को ८० वां स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर बाराद्वारी देवनगर स्थित गांधी आश्रम में रहने वाले छोटे बच्चों के बीच आजादी की खुशी में झंडा, नाश्ता, फल, मिठाई, फ्रूटी, चिप्स, बिस्कुट की सेवा का वितरण कर वहाँ के बच्चों के मासूम से चेहरों पर एक छोटी सी मुस्कान लाने का प्रयास किया गया। यह कार्यक्रम शाखा अध्यक्ष पंकज छावछरिया के नेतृत्व में संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि भालूबासा शाखा अपने गठन कार्यकाल से ही लगातार यह कार्यक्रम करते आ रही है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सचिव मालीराम अग्रवाल, पवन अग्रवाल, रामअवतार वेगराजका, सीए पवन अग्रवाल, विश्वनाथ अग्रवाल, रामरतन खण्डेलवाल, नवीन अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, विमल अग्रवाल, मनोज खेमका, उमेश अग्रवाल, रतन अग्रवाल, विकास अग्रवाल, कमल अग्रवाल, संजय मोदी आदि उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय कार्यालय, मारवाड़ी भवन, रांची में ८०वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर **राष्ट्रीय ध्वजारोहण समारोह** अपार श्रद्धा, उत्साह और राष्ट्रभक्ति के माहौल में आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम प्रांतीय अध्यक्ष **श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल** और जिला अध्यक्ष **श्री सज्जन पाड़िया** के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। सबसे पहले सभी ने एक साथ मिलकर **'वंदे मातरम्'** का गायन किया। इसके बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और एकत्र सभी लोगों ने राष्ट्रगान गाकर देश के प्रति अपनी निष्ठा और सम्मान प्रकट किया।

इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि भारत आज लगातार प्रगति और उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है, लेकिन राष्ट्र को और अधिक मजबूत तथा विकसित बनाने के लिए हर नागरिक को राष्ट्रहित और समाजहित में अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि समाज को नई दिशा देने के लिए नशामुक्ति अभियान, सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने और संगठन को मजबूत करने की दिशा में विशेष रूप से काम करने की आवश्यकता है। सामाजिक सुधार की हर पहल राष्ट्र की उन्नति में बड़ा योगदान देगी।

स्वतंत्रता दिवस पर मारवाड़ी भवन स्थित मारवाड़ी सहायक समिति के कार्यालय में समिति के उपाध्यक्ष श्री कौशल राजगढ़िया ने राष्ट्रीय ध्वजारोहण करके सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं और बधाई दीं। समारोह में सम्मेलन के पदाधिकारी, सदस्यगण तथा समाज के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। यह जानकारी प्रांतीय संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने दी।

सदस्य कैसे बने?

१. देश के २४ प्रांतो की प्रांतीय सम्मेलनों से सम्पर्क करें।
२. सदस्यता आवेदन प्रांतीय या राष्ट्रीय कार्यालय सदस्यता शुल्क के साथ भेंजे।
३. अधिक जानकारी के लिए www.marwarisammelan.com को देखें एवं सदस्यता आवेदन पत्र डाउनलोड करें।
४. राष्ट्रीय कार्यालय के संपर्क सूत्र पते –
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, ४बी, डकबैक हाउस (चौथा तल), ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-७०००१७ या व्हाट्सएप नं.- ८६९७३१७५५७ एवं ई-मेल- aimf1935@gmail.com पर संपर्क करे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह संपन्न

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, रायपुर शाखा एवं धरोहर शाखा के संयुक्त तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आदरणीय **श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया** जी के कर-कमलों से **ध्वजारोहण** किया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने राष्ट्रध्वज को सलामी देते हुए राष्ट्रगान के साथ देश की एकता, अखंडता एवं गौरव के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

समारोह में रायपुर शाखा एवं धरोहर शाखा के पदाधिकारीगण तथा सम्मेलन के सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर स्वतंत्रता दिवस की खुशियां साझा कीं और राष्ट्रहित में सेवा, समाज एवं संस्कृति के प्रति अपने दायित्वों को और अधिक मजबूती से निभाने का संकल्प लिया।

ऑक्सीजन थेरेपी शिविर का आयोजन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की छत्तीसगढ़ प्रदेश इकाई के तत्वावधान में रायपुर में दो दिवसीय १५-१६ अगस्त २०२६ को **ऑक्सीजन थेरेपी कार्यक्रम** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया** जी ने किया।

कार्यक्रम में संस्था के प्रांतीय एवं शाखा पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उपस्थित रहकर सक्रिय सहयोग दिया और आयोजन को सफल बनाया। इस अवसर पर लगभग २५० लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। परीक्षण एवं थेरेपी से लाभान्वित लोगों ने संतुष्टि व्यक्त की।

कार्यक्रम में रायपुर शाखा अध्यक्ष श्री आनंद अग्रवाल, धरोहर शाखा अध्यक्ष श्री कैलाश चौकड़िया, छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष श्री अमर बंसल, सचिव श्री गिरधर गोपाल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री सुरेश चौधरी, श्री संजय शर्मा, श्री रवि सिंघानिया, श्री ललित बंसल, श्री कमल गुप्ता, श्री नवीन भुसानिया एवं श्री संजय सिंघी सहित संस्था के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

हार्ट अटैक को कैसे पहचाने

आप सभी धीरे-धीरे वृद्ध हो रहे हैं, इसलिए आप सबको सतर्क हो जाना चाहिए। कृपया एक मिनट निकालकर यह संदेश पढ़ें। यह आपके, आपके परिवार, पड़ोसियों और दोस्तों के लिए उपयोगी हो सकता है।

पुराने सहपाठियों की एक पुनर्मिलन सभा हुई थी। एक महिला उस दिन एक बारबेक्यू पार्टी में अचानक फिसल कर गिर गईं। दोस्तों ने उन्हें डॉक्टर को दिखाने को कहा, लेकिन उन्होंने कहा, "मैं ठीक हूँ।" उन्हें लगा कि शायद नई सैंडल की वजह से ईंट से टकराकर वे गिर पड़ी होंगी। सबने उन्हें संभाला, खाने की प्लेट दी और वे बाकी समय हँसती-बतियाती रहीं।

लेकिन बाद में उनके पति ने सभी को फोन कर बताया कि उन्हें अस्पताल ले जाया गया है और शाम ६ बजे उनका निधन हो गया – क्योंकि पार्टी के दौरान ही उन्हें स्ट्रोक (आघात) हुआ था।

अगर वहाँ मौजूद लोग स्ट्रोक के लक्षण पहचान पाते, तो शायद उनकी जान बचाई जा सकती थी।

स्ट्रोक से पहले कुछ चेतावनी संकेत होते हैं और समय पर इलाज मिल जाए तो जान बचाई जा सकती है। एक न्यूरोसर्जन ने बताया कि यदि वे तीन घंटे के भीतर स्ट्रोक के मरीज तक पहुँच जाएँ, तो मरीज को पूरी तरह ठीक किया जा सकता है।

स्ट्रोक की पहचान कैसे करें?

तीन सरल चरण याद रखें: S, T, और R

S - Smile (मुस्कुराना): मरीज से कहें मुस्कुराने को। अगर चेहरा एक तरफ झुक जाए, तो समझिए खतरा है।

T - Talk (बोलना): मरीज से कहें एक सामान्य वाक्य बोलने को, जैसे "आज आसमान साफ़ है।" अगर वह ठीक से नहीं बोल पा रहा है, तो यह भी संकेत है।

R - Raise (हाथ उठाना): कहें कि दोनों हाथ उठाए। अगर एक हाथ नीचे गिर रहा है या उठा नहीं पा रहा है, तो यह भी संकेत है।

एक और संकेत: मरीज से कहें जीभ बाहर निकाले। अगर जीभ एक ओर मुड़ जाए, तो यह भी स्ट्रोक का लक्षण हो सकता है।

इनमें से कोई भी लक्षण दिखाई दे तो बिना देर किए फौरन एम्बुलेंस या नज़दीकी अस्पताल में संपर्क करें और सभी लक्षण विस्तार से बताएं।

नोट : यह एक संकलित जानकारी है। पाठकगण अपने चिकित्सक से राय ले सकते है।

"संस्कृति, संस्कार और संगठन का सशक्त संकल्प"

सम्मेलन की पहचान - संस्कार एवं संस्कृति
सम्मेलन का दायरा - सर्वसमाज एवं संस्थान
सम्मेलन का संकल्प - एक मजबूत संगठन

सम्मेलन के लक्ष्य - समाज सुधार एवं राष्ट्र निर्माण
सम्मेलन के हितेषी - समाज के ज्ञानी और दानी
सम्मेलन की ताकत - मातृशक्ति, युवाशक्ति एवं समाज बंधु

सम्मेलन के स्तंभ - संगठन, शिक्षा, सहयोग एवं सम्मान
सम्मेलन के प्रयास - संस्कार-संस्कृति एवं मायड़ भाषा का प्रचार-प्रसार
सम्मेलन का प्रारब्ध - पुरखों और संस्कृति का सम्मान

सम्मेलन की चाह - संगठित समाज
सम्मेलन का सपना - पूरे विश्व में मान

- **पवन कुमार गोयनका** (राष्ट्रीय अध्यक्ष)

आलेख

मैं जिस मारवाड़ी समाज को जानता हूँ

– डॉ. लक्ष्मीनंदन बोरा

("अखोमर मारवाड़ी समाज" में प्रकाशित असम के एक अन्यतम लेखक, प्रबंधकार, असम साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीनंदन बोरा के लेख का उमेश खंडेलिया द्वारा हिंदी रूपांतरण)

मैं गाँव का रहने वाला हूँ। मेरे गाँव के निकट कुकुराबाही नामक स्थान पर एक मारवाड़ी दुकानदार रहते थे। उनकी एक छोटी-सी किराना दुकान थी। पूरे इलाके में लोग उन्हें स्नेहपूर्वक "भेरू केंया" के नाम से जानते थे। इसी प्रकार खालै गाँव में एक अन्य मारवाड़ी व्यापारी थे, जिन्हें लोग 'पुनिया केंया' कहते थे। उन दिनों हमारे ग्रामीण समाज में मारवाड़ियों को सामान्यतः 'केंया' कहकर पुकारा जाता था। नगाँव जिले के हैबर गाँव में रहने वाले एक प्रतिष्ठित व्यापारी लालचंद टोडी भी 'लालिया केंया' के नाम से प्रसिद्ध थे। वे जूट खरीदकर कोलकाता भेजते थे। इसी व्यापार के कारण छोटे-छोटे ग्रामीण व्यापारियों से उनका घनिष्ठ संबंध था। मेरे बहनोई स्वर्गीय साकीराम हजारिका भी ऐसे ही एक व्यापारी थे, जो गाँवों से जूट खरीदकर बैलगाड़ी से लालचंद टोडी की दुकान तक पहुँचाते थे। मेरे उपन्यास 'गंगाचिलनीर पाखि' के एक पात्र में उनकी झलक भी मिलती है।

आज पीछे मुड़कर देखता हूँ तो लगता है कि लालिया केंया, पुनिया केंया और भेरू केंया जैसे लोगों को केवल 'मारवाड़ी' कहकर अलग पहचान देना कठिन था। वे असमिया समाज के साथ इतने घुल-मिल गए थे कि उनकी पहचान स्थानीय समाज का ही अभिन्न अंग बन चुकी थी। जिस प्रकार ज्योतिप्रसाद अग्रवाला को कोई 'बाहरी' नहीं मान सकता, उसी प्रकार इन लोगों को भी अलग समुदाय का प्रतिनिधि भर नहीं कहा जा सकता। उन्होंने अपनी मेहनत, व्यवहार और आत्मीयता से असम की मिट्टी को अपनाया और स्वयं भी उसी के हो गए। आज भी असम के अनेक गाँवों और कस्बों में रहने वाले असंख्य मारवाड़ी परिवार असमिया समाज की सांस्कृतिक धारा के साथ एकाकार होकर राज्य की समृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

यह तथ्य भी स्मरणीय है कि महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की अमर कृति 'कीर्तन घोषा' का प्रथम मुद्रण हरिबिलास अग्रवाला ने कलकत्ता में कराया था। इसी प्रकार रूपकुँवर ज्योतिप्रसाद अग्रवाला की रचनाओं का हिंदी अनुवाद कर उन्हें व्यापक पाठक-वर्ग तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य डिब्रूगढ़ के प्रसिद्ध उद्योगपति देवप्रसाद बागड़ोदिया ने किया। जब मैं असम साहित्य सभा का अध्यक्ष था, तब अनेक शाखा साहित्य सभाओं से मेरा परिचय हुआ। कई स्थानों पर अध्यक्ष या सचिव अग्रवाला, जैन अथवा हिम्मतसिंका जैसे परिवारों से थे। गुवाहाटी फैंसी बाजार शाखा साहित्य सभा के अध्यक्ष रामनिरंजन गोयनका थे। किशोर जैन असम साहित्य सभा के एक अत्यंत सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं। समय-समय पर नंदकिशोर माहेश्वरी, उमेश खंडेलिया, छबीलाल जैन जैसे अनेक नाम सुनने को मिलते हैं, जो असमिया भाषा, साहित्य और संस्कृति के गहरे अध्येता होने के साथ-साथ सामाजिक संगठनों में भी उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। स्वर्गीय चगनलाल जैन के साहित्यिक अवदान से असम का शायद ही कोई साहित्य-प्रेमी अपरिचित होगा। इसी प्रकार स्वर्गीय हीरालाल पटवारी की असम-प्रेम की अनेक कथाएँ आज लोककथाओं का रूप ले चुकी हैं।

समय के साथ मारवाड़ी समाज में भी व्यापक परिवर्तन आया है। व्यापार के स्वरूप बदले हैं, जीवनशैली बदली है और नई पीढ़ी की सोच भी बदली है। दूसरी ओर असम की जनसंख्या संरचना में भी तीव्र परिवर्तन हुआ है। विभिन्न समुदाय अब अनेक क्षेत्रों में समूहों के रूप में बस गए हैं। ऐसी परिस्थिति में अनेक बाहरी समुदायों के युवाओं के लिए असमिया भाषा और संस्कृति से जुड़े बिना भी जीवन और व्यापार चलाना संभव हो गया है। किंतु यह सुखद है कि मारवाड़ी समाज में ऐसी दूरी व्यापक रूप से नहीं आई। आज भी अधिकांश मारवाड़ी परिवार स्थानीय समाज से संवाद बनाए रखते हैं और असम की सांस्कृतिक चेतना के साथ स्वयं को जोड़कर चलते हैं।

एक बार मुझे नगाँव में हनुमान जयंती समारोह में आमंत्रित किया गया। निमंत्रण देने स्वयं मेरे सहपाठी गोपाल अग्रवाला गुवाहाटी आए थे। वहाँ पहुँचकर मैंने देखा कि आयोजन अत्यंत भव्य था। मैं और अधिवक्ता पद्म बोरा को छोड़कर वहाँ लगभग सभी लोग मारवाड़ी समाज से थे। किंतु मुझे सबसे अधिक आश्चर्य और प्रसन्नता इस बात से हुई कि पूरे कार्यक्रम का संचालन असमिया भाषा में किया जा रहा था। यह केवल भाषा का प्रयोग नहीं था, बल्कि उस भूमि और समाज के प्रति सम्मान का सजीव उदाहरण था।

गुवाहाटी के मारवाड़ी समाज में मैंने एक और विशिष्ट गुण देखा है, जिसने मुझे अत्यंत प्रभावित किया। वह है–आत्मविश्लेषण की क्षमता। वे अपनी कमियों को स्वीकार करने और उनसे सीखने का साहस रखते हैं। मारवाड़ी युवकों की एक पत्रिका (युवा शक्ति) निकलती थी। उसके संपादक ने मेरे उपन्यास 'विपन्न विन्मय' को धारावाहिक रूप में प्रकाशित करने की अनुमति माँगी। उस उपन्यास के अधिकांश पात्र मारवाड़ी समाज से थे और उसकी पृष्ठभूमि गुवाहाटी का गणेशगुड़ी क्षेत्र था। मैंने उनसे कहा कि इस पुस्तक में मारवाड़ी समाज की कुछ कमजोरियों और विसंगतियों का भी चित्रण है। इस पर संपादक ने मुस्कराकर उत्तर दिया–"इसी कारण हमने इस उपन्यास का चयन किया है। यदि दूसरों की दृष्टि में हमारी कुछ कमियाँ हैं, तो उन्हें जानना और समझना भी हमारे लिए आवश्यक है।" यह उत्तर उनके समाज की सकारात्मक मानसिकता और आत्मसुधार की भावना का प्रमाण है।

मेरे अनुभव में मारवाड़ी समाज अत्यंत कर्मठ, गतिशील और व्यावहारिक है। उनकी आर्थिक सफलता के पीछे व्यापार संबंधी जानकारी एकत्र करने की क्षमता, दूरदर्शिता, जोखिम उठाने का साहस, व्यवसाय के प्रति समर्पण और सबसे बढ़कर पारस्परिक सहयोग की भावना है। वे एक-दूसरे का हाथ थामकर आगे बढ़ते हैं। यही कारण है कि भारत के व्यापार जगत में उन्होंने अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। The Marwaris नामक एक शोधग्रंथ पढ़ने का अवसर मिला था। उसमें भी यही निष्कर्ष सामने आया कि उनकी सफलता का सबसे बड़ा आधार आपसी विश्वास, संगठन और सहयोग की संस्कृति है।

मारवाड़ी समाज का एक और उल्लेखनीय गुण है–शिक्षा के प्रति उसका व्यावहारिक दृष्टिकोण। वे केवल डिग्री प्राप्त करने के लिए नहीं पढ़ते, बल्कि जीवन और व्यवसाय में उसका उपयोग करने के उद्देश्य से अध्ययन करते हैं। इसलिए वे वाणिज्य, चार्टर्ड अकाउंटेंसी, प्रबंधन, विधि, चिकित्सा, अभियांत्रिकी तथा अन्य व्यावसायिक विषयों को प्राथमिकता देते हैं। उनका उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं, बल्कि अपनी योग्यता का विस्तार कर आत्मनिर्भर बनना होता है। यदि हमारे युवा भी शिक्षा को केवल रोजगार नहीं, बल्कि कौशल और उद्यमिता का माध्यम मानें, तो बेरोज़गारी की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है।

आज मारवाड़ी समाज की बेटियाँ भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित कर रही हैं। असमिया साहित्य में स्नातकोत्तर स्तर पर प्रथम श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली मारवाड़ी छात्राएँ भी रही हैं। अनेक युवतियाँ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में अध्ययन कर रही हैं। फिर भी शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्हें प्रायः नौकरी करने की अनुमति नहीं मिलती। इसका कारण स्पष्ट नहीं है। इसे केवल परंपरावाद कहकर भी नहीं टाला जा सकता। एक बार मैंने गुवाहाटी के एक प्रतिष्ठित मारवाड़ी परिवार के मुखिया से पूछा कि उनकी बेटी आईआईटी से पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी करेगी या नहीं। उन्होंने अंग्रेज़ी में उत्तर दिया–"That depends upon the husbands he chooses." अर्थात, "यह उस पति पर निर्भर करेगा, जिससे वह विवाह करेगी।"

मुझे लगा, यह उत्तर वास्तव में कोई उत्तर नहीं था। समाज तब पूर्ण प्रगति करता है, जब वह अपनी बेटियों को भी केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि अपनी प्रतिभा और क्षमता के अनुरूप जीवन का स्वतंत्र मार्ग चुनने का अवसर भी देता है।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

श्री सतपाल अग्रवाल
ग्राम- खरियाल, पोस्ट-
डीसीसी, थाना- डानकुनी,
जिला- हुगली – ७१२३१०,
प. बं.
मो. ९८३०९५०८५५

श्री सुमित कुमार अग्रवाल
द्वारा - साईं इंडस्ट्रीज
रूपरा रोड,
कालाहांडी- ७६६१०१,
ओडिशा
मो. ७६८२८३५३८३

श्री अशोक कुमार अग्रवाल
पाइन वुड, जस्ती स्क्वायर
अपार्टमेंट्स, पांडुरंगापुरम,
विशाखापत्तनम- ५३०००३,
आंध्र प्रदेश
मो. ९०५२३७११११

श्री परितोष झुनझुनवाला
हाउस नंबर, बीओ ७७,
झुनझुनवाला हाउस
बड़ालाल स्ट्रीट, अपर बाजार
राँची – ८३४००१, झारखण्ड
मो. ९७०९९७८२२८

श्री पवन कुमार झुनझुनवाला
हाउस नंबर, बीओ ७७,
झुनझुनवाला हाउस
बड़ालाल स्ट्रीट, अपर बाजार
रांची-८३४००१, झारखंड
मो. ९४३१९५७८८२,
८२७१९३२५१६

श्री ललित गांधी
बिजनेस हाउस, १६७७,
ई, मेन रोड, राजारामपुरी,
१०वीं लेन, कोल्हापुर –
४१६००८, महाराष्ट्र
मो. ९४२०६५००००

संरक्षक सदस्य

श्री अभिषेक अग्रवाल
मेसर्स - एरिना इक्विपमेंट्स प्रा. लि.
७वीं मंजिल, कमरा नंबर-
७१३, ३२ इजरा स्ट्रीट,
कोलकाता - ७००००१
मो. ९८३०९८१६३२

श्री गजानन्द भालोटिया
४३, सी.एच. एरिया
रोड नंबर- १२, नॉर्थ वेस्ट
सोनारी, पूर्वी सिंहभूम –
८३१०११, झारखंड
मो. ९३३४८०५२८८

श्री जय प्रकाश शर्मा
पेबल बे अपार्टमेंट्स
बी-२०६, गौतम बुद्ध मार्ग
बरियातू, रांची – ८३४००१,
झारखंड
मो. ९३३४३६०५५५

श्री कैलाश राठी
अंबड, जालना
जालना - ४३१२०४
महाराष्ट्र

श्रीमती कुसुम भंडारी
सीजे - १९५, सेक्टर - २
प्रथम तल,
साल्ट लेक सिटी
कोलकाता - ७०००९१
मो. ९८३००७११०३

श्री पवन कुमार पाटोदिया
एच.एम.पी. हाउस,
५वीं मंजिल, कमरा नंबर-
५०४, ४, फेयरली प्लेस
कोलकाता - ७००००१
मो. ९८३००३६०००

श्री प्रदीप महावीर शर्मा (सोती)
बी/५०१, ग्रेस बिल्डिंग
वसंत मार्वेल, बोरीवली
(पूर्व), मुंबई – ४०००६६,
महाराष्ट्र
मो. ९३२०६६८०९५

श्री संजय राठी
वृंदावन, प्लॉट नं.- ६०,
गेट नं.- २, मंथा रोड,
प्रीति सुधानगर, जालना –
४३१२०३, महाराष्ट्र
मो. ९९२३४५५८१७

श्री सौरव कुमार अग्रवाल
मेसर्स - भारत ऑटो सर्विस
अम्बेडकर चौक,
मिरचाईबाड़ी, कटिहार -
८५४१०९, बिहार
मो. ९४३१२२४४४४

श्री सुभाष चंद्र गुप्ता
मेसर्स- एन.एस. ट्रेडिंग कंपनी
जालान कॉम्प्लेक्स
गेट नंबर ३, लेफ्ट लेन - ६
हावड़ा - ७११४११, प.बं.
मो. ९८३१०८९५००

श्री सूर्य कांत गुप्ता
२०८, मैग्नम हाउस ॥
करमपुरा, मिलन सिनेमा
पश्चिम दिल्ली - ११००१५,
दिल्ली
मो. ९८१०८२००७४

श्रीमती उषा देवी अग्रवाल
अम्बेडकर चौक,
मिरचाईबाड़ी
कटिहार – ८५४१०९,
बिहार
मो. ९४३०५८२८१३

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्रीमती राजू सिंघी उत्सव गार्डन, सती जयमती रोड, अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ६००३९४४३००	**श्री रामनिवास प्रजापत** राहा बाज़ार, राहा नगाँव, असम मो. ८३९९९२५६१०	**श्रीमती रीना अग्रवाल** शिवम नगर, उत्तर बोंगाईगाँव, बोंगाईगाँव, असम मो. ७००२७४७१४५	**श्रीमती रितिका शर्मा** सूर्या वाटिका अपार्टमेंट धीरेनपाड़ा, गुवाहाटी, असम मो. ८९२९६४४५८८	**श्रीमती रोशनी जैन** ए-सेक्टर मेन रोड, नहरलगुन, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९८६३६५८६३०
श्री राम चंद्र चौधरी एल.आई. बाली रोड, धेमाजी, असम मो. ७००२७१७५२४	**श्रीमती रंजना देवी गोयनका** लोखरा रोड, हनुमान मंदिर के सामने, गुवाहाटी, असम मो. ७००२७९८८३६	**श्रीमती रेखा बजाज** चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ७००२२६८९०३	**श्रीमती रितु अग्रवाल** राधिका अपार्टमेंट अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ९७०६०४००६६	**श्रीमती रुक्मणी शर्मा** पान बाजार फ्लाईओवर ए.टी. रोड, गुवाहाटी, असम मो. ९२०७०९३८४७
श्री राम धन अग्रवाल नेहरू रोड, पोस्ट - डूमडूमा तिनसुकिया, असम मो. ९४३५००३७१४	**श्रीमती रंजना पारीक** गांधी बस्ती, गुवाहाटी, असम मो. ७००२५०६४६४	**श्रीमती रेखा गोयल** सूर्या वाटिका अपार्टमेंट गुवाहाटी, असम मो. ९४३५१९६४९४	**श्रीमती रितु डागा** रेलवे स्टेशन के पास सिलापथार, धेमाजी, असम मो. ७०१४४६०६८७	**श्री साहिल अग्रवाल** चारू मार्केट, एस.आर.सी.बी. रोड फैंसी बाजार, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५०४१०६४
श्री राम नारायण अग्रवाल एम.जी. रोड, नतुन बाजार जागीरोड, मोरीगाँव, असम मो. ९४३५०६४२४८	**श्री रंजीत कुमार सुराना** बिरुबाड़ी, कामरूप, असम मो. ९४३५४०३९८६	**श्रीमती रेखा पुजारी** छत्रीबाड़ी, गुवाहाटी, असम मो. ७००२७०२२२९	**श्रीमती रितु जैन** सेक्टर- ए, नहरलगुन ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८७९४६८४८२३	**श्री सज्जन बंसल** मेसर्स-श्री श्याम एंटरप्राइजेज स्टेशन रोड, धेमाजी, असम मो. ९२०७१८५२००
श्री राम निवास झँवर मेसर्स - इलेक्ट्रिकल एंटरप्राइजेज सिलापथार, धेमाजी, असम मो. ७८९६१७५९००	**श्री रंजीत लोहिया** ओल्ड ए.टी. रोड, हैबरगाँव नगाँव, असम मो. ९४३५०६१०२६	**श्रीमती रेखा शर्मा** गनी हजारिका मार्केट, एन. टी. रोड, लखीमपुर, असम मो. ९३६५०५४५८३	**श्रीमती रितु पोद्दार** एम.जी. रोड, फैंसी बाजार, गुवाहाटी, कामरूप, असम	**श्री सज्जन केजरीवाल** टी.एस. लेन, शांतिपारा डिब्रूगढ़ टाउन, डिब्रूगढ़, असम मो. ९४३५०३१००१
श्री राम निवास महेश्वरी मोरीधल, धेमाजी, असम मो. ९९५४३००४३५	**श्रीमती रंजीता कंकड़िया** टोकोबारी काली मंदिर, गुवाहाटी, असम मो. ९५०८७५९३१२	**श्रीमती रेनू अग्रवाल** लैम्ब रोड, कॉर्नर कैफे के पास, गुवाहाटी, असम मो. ९७०६०६२२५०	**श्रीमती रितु सांखला** नारायण नगर, गुवाहाटी, असम मो. ९७०७६६६७६७	**श्री साकेत जालान** ए.टी. रोड, चार्ली डेरगाँव, गोलाघाट, असम मो. ७८९६७१४७४८
श्रीमती रामा गट्टानी आकाशदीप कॉम्प्लेक्स, ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ७००५७४२४०२	**श्रीमती रंजना अग्रवाल** बड़ा बाज़ार, राम मंदिर के पास, बोंगाईगाँव, असम मो. ७६३८०१६९२१	**श्रीमती रेनू मोदी** ए.के. आजाद रोड, चार्ली, रिहाबारी, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५०४८४३७	**श्रीमती रिया जैन** नाहरलगुन, ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८७९४०२४४५०	**श्री समीर गोयल** चेंबर रोड, तिनसुकिया, असम मो. ९४३५१३६७४३
श्री रमन अग्रवाल २९७, माकुम रोड तिनसुकिया, असम मो. ९४३५००२१९१	**श्रीमती रंजू माहेश्वरी** सी.आर. स्टील के पास, हारमोती, लखीमपुर, असम मो. ८६३८१६४७३०	**श्रीमती रीता अग्रवाल** फाटाशिल अंबारी, काली मंदिर, गुवाहाटी, असम मो. ८२५४०३३३११	**श्री रॉबिन पेरीवाल** कालापहाड़, कामरूप, असम मो. ७६६३०३००००	**श्रीमती सम्पति देवी अग्रवाल** अरुणा ब्लॉक, आशि प्राइड एफ.ए. रोड, गुवाहाटी, असम मो. ९४०१९५५०५६
श्री रामावतार पारीक राहा बाजार, राहा नगाँव, असम मो. ६०००६९९४४३	**श्री रंजू साह** लखीमपुर, असम मो. ९४३५०८५४२५	**श्रीमती रीता लाखोटिया** चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ७००२३३६९१७	**श्री रोहित अग्रवाल** सरोजिनी अपार्टमेंट, बीरूबाड़ी, कामरूप, असम मो. ८६३८८०३६००	**श्री संदीप अग्रवाल** मेसर्स – अग्रवाल स्टोर जालान नगर, डिब्रूगढ़, असम मो. ७००२६१३२१६
श्री रमेश कुमार अग्रवाल द्वारा - गोयल डिस्ट्रीब्यूटर्स डेरगाँव, गोलाघाट, असम मो. ९४३५०९४१५२	**श्रीमती रश्मि चोखानी** आलू गोदाम वाली गली, अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ९६७५९५०६६६	**श्रीमती रीता सराफ** अक्षय रामका बिल्डिंग कामरूप, असम मो. ९४३५५५०९२४	**श्री रोहित जैन** उदय पुष्प वाटिका ए.सी. चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९९०३६१२८२१	**श्री संदीप अग्रवाल** ए.टी. रोड, जागीरोड मोरीगाँव, असम मो. ८३९९९३०५७१
श्री रमेश कुमार तापड़िया मेसर्स - बीके एजेंसी जागीरोड, मोरीगाँव, असम मो. ९४३५७२२२२१	**श्रीमती रश्मि पंसारी** बी.बरूआ रोड, उल्लुबाड़ी गुवाहाटी, असम मो. ९९५४५२३७४५	**श्री रितेश अगरवाला** डूंगरमल हनुमान बक्स, ढाकापट्टी, नगाँव, असम मो. ९४३५०६२०३६	**श्री रूप चंद प्रजापत** उत्तर बोंगाईगाँव, बोंगाईगाँव, असम मो. ९८६४१२१५९६	**श्री संदीप जैन** यूको बैंक के पास, ढेकियाजुली, सोनितपुर, असम मो. ७९७६१४३११६
श्री रमेश पोद्दार हैबरगाँव पुलिस स्टेशन के पास, नगाँव, असम मो. ९४३५०६१३६८	**श्री रवि शर्मा** गोलाघाट, असम मो. ८८११८५२४६०	**श्री रितेश कुमार मिसरूक** एन.सी. रोड, तेजपुर सोनितपुर, असम मो. ९६७८०८१४४८	**श्रीमती रोशनी अग्रवाल** डी.के. रोड, उत्तर लखीमपुर, लखीमपुर, असम	**श्री संदीप पोद्दार** एच. एस. रोड, डिब्रूगढ़, असम मो. ९४३५०३४००६

RUPA
FRONTLINE
YEH STYLE KA
MAMLA HAI!
Toll Free No: 1800 1235 001
www.rupaonlinestore.com
Follow Us:
SCAN TO BUY

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 29th August, 2026
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com